

‘शेर-ओ-शायरी’ शृंखला

बेस्ट ऑफ़ शायरी



प्रभात

बेस्ट ऑफ शायरी

महेश दत्त शर्मा



प्रभात प्रकाशन

ISO 9001:2015 प्रकाशक

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>

विषय-सूची

[बेस्ट ऑफ शायरी](#)

[तन्हाई](#)

[दुनिया](#)

[नफ़रत](#)

[पत्थर](#)

[खफ़ा](#)

[जिस्म](#)

[जालिम](#)

[क्रत्ल](#)

[क्रत्ल](#)

[फ़ुरसत](#)

[गुनाह](#)

[जख़्म](#)

[फ़ासला](#)

[इश्क़](#)

[इजहार](#)

[हुस्न](#)

[दिल](#)

[आरज़ू](#)

[याद](#)

[ख़त](#)

[बेक्रारी](#)

[बेवफ़ा](#)

[रूठना/मनाना](#)

[मोहब्बत](#)

[बेरुख़ी](#)

[बेताबी](#)

[चाहत](#)

[चाँद](#)

बेस्ट ऑफ शायरी

पुस्तक-परिचय

शेरो शायरी सदा से ही लोगों का पसंदीदा विषय रहा है। अक्सर जब दो-चार दोस्त इकट्ठे होते हैं तो उनके बीच शेरो-शायरी जरूर होती है। शेरो-शायरी से दिमाग हल्का हो जाता है और दिन भर की थकान भी दूर हो जाती है।

शेरो-शायरी के अनेक विषय हो सकते हैं। इस पुस्तक में हमने रोजमर्रा के विषयों का चुनाव करके शेरो-शायरी का एक हल्का-फुल्का संकलन प्रस्तुत किया है। जैसे कि —तन्हाई, दुनिया, नफ़रत, पत्थर, ख़फ़ा, जिस्म, ज़ालिम, क्रांतिल, फ़ुरसत, गुनाह, जख़्म, फ़ासला, इश्क़, इज़हार, हुस्न, दिल, आरजू, ख़त, बेक्रारी, बेवफ़ा इत्यादि विषय।

कई लोग अंत्याक्षरी में भी शेरो-शायरी का प्रयोग करते हैं। ऐसे लोगों के लिए शेरो-शायरी की यह पुस्तक बहुत मददगार साबित हो सकती है। और समय बिताने के लिए भी इसका प्रयोग बख़ूबी किया जा सकता है। आशा है, शासे-शायरी का यह संकलन आपको अवश्य पसंद आएगा।

— संपादक

तन्हाई

ख्वाब की तरह बिखर जाने को जी चाहता है
ऐसी तन्हाई कि मर जाने को जी चाहता है

• • •

यादों की अर्थी तन्हाई का क़फ़न ग़म का तकिया
इंतज़ार तो सब हो गया बस नींद का आना बाक़ी हैं

• • •

तन्हाई का उसने मंज़र नहीं देखा
अफ़सोस की मेरे दिल के अंदर नहीं देखा
दिल टूटने का दर्द वो क्या जाने
वो लम्हा उसने कभी जीकर नहीं देखा

• • •

जो रूह की तन्हाई होती है न
उसको कोई ख़त्म नहीं कर सकता

• • •

लोगों ने छीन ली है मेरी तन्हाई तक
इश्क़ आ पहुँचा है इलज़ाम से रुसवाई तक

• • •

अपनी तन्हाई में खलल यों डालूँ सारी रात
खुद ही दर पे दस्तक दूँ और खुद ही पूछूँ कौन

• • •

काँटों सी दिल में चुभती है तन्हाई
अंगारों सी सुलगती है तन्हाई
कोई आकर हमको ज़रा हँसा दे
मैं रोता हूँ तो रोने लगती है तन्हाई

• • •

मेरी तन्हाई को मेरा शौक न समझना
बहुत प्यार से दिया है ये तोहफ़ा किसी ने

• • •

इश्क़ के नशे डूबे तो ये जाना हमने फ़राज़
कि दर्द में तन्हाई नहीं होती तन्हाई में दर्द होता है

• • •

इस तन्हाई का हम पे बड़ा एहसान है साहब
न देती ये साथ अपना तो जाने हम किधर जाते

• • •

मैं हूँ दिल है तन्हाई है
तुम भी होते अच्छा होता

• • •

मुझे तन्हाई की आदत है
मेरी बात छोड़ो तुम बताओ कैसी हो

• • •

कहीं पर शाम ढलती है कहीं पर रात होती है
अकेले गुमसुम रहते हैं न किसी से बात होती है
तुमसे मिलने की आरजू दिल बहलने नहीं देती
तन्हाई में आँखों से रुक-रुक के बरसात होती है

• • •

तन्हाई की आग में कहीं जल ही न जाऊँ
के अब तो कोई मेरे आशियाने को बचा ले

• • •

मैं तन्हाई को तन्हाई में तनहा कैसे छोड़ दूँ
इस तन्हाई ने तन्हाई में तनहा मेरा साथ दिया है

• • •

अब तो याद भी उसकी आती नहीं
कितनी तनहा हो गई तन्हाइयाँ

• • •

शाम-ए-तन्हाई में इजाफा बेचैनी
एक तेरा खयाल न जाना एक दूसरा तेरा जवाब न आना

• • •

तुझ पे खुल जाती मेरे रूह की तन्हाई भी
मेरी आँखों में कभी झाँक के देखा होता

• • •

इस तरह हम सुकून को महफूज कर लेते हैं
जब भी तन्हा होते हैं तुम्हें महसूस कर लेते हैं

• • •

यादों में आपके तनहा बैठे हैं
आपके बिना लबों की हँसी गँवा बैठे हैं
आपकी दुनिया में अँधेरा न हो
इसलिए खुद का दिल जला बैठे हैं

• • •

किसी को प्यार की सच्चाई मार डालेगी
किसी को दर्द की गहराई मार डालेगी
मोहब्बत में बिछड़ के कोई जी नहीं सकता
और बच गया तो उसे तन्हाई मार डालेगी

• • •

तेरे बिना ये कैसे गुज़रेंगी मेरी रातें
तन्हाई का ग़म कैसे सहेंगी ये रातें
बहुत लंबी हैं ये घड़ियाँ इंतज़ार की
करवट बदल-बदल के कटेंगी ये रातें

• • •

ज़िंदगी यों हुई बसर तन्हा
क्राफ़िला साथ और सफ़र तन्हा

• • •

ज़रा देर बैठे थे तन्हाई में
तिरी याद आँखें दुखाने लगी

• • •

तन्हाई से तंग आकर हम
मोहब्बत की तलाश में निकले थे
लेकिन मोहब्बत ऐसी मिली
कि तनहा कर गई

• • •

तन्हाई न पाए कोई साथ के बाद
जुदाई न पाए कोई मुलाकात के बाद
न पड़े किसी को किसी की आदत इतनी
कि हर साँस भी आए उसकी याद के बाद

• • •

हमारे चले जाने के बाद
ये समुंदर भी पूछेगा तुमसे
कहा चला गया वो शख्स
जो तन्हाई में आकर
बस तुम्हारा ही नाम लिखा करता था

• • •

तन्हाई में मुसकराना भी इश्क़ है
और इस बात को सबसे छुपाना भी इश्क़ है

• • •

दुनिया

दुनिया का उसूल है जब तक काम है
तब तक नाम है वरना दूर से ही सलाम है

• • •

दुःख दर्द गम आँसू और फ़रियाद है
पता नहीं इस दुनिया में कितने लोग आज़ाद हैं

• • •

ऐ दिल तू क्यों रोता है
ये दुनिया है यहाँ ऐसा ही होता है

• • •

गम में भी मुसकराना पड़ता है
ये दुनिया है यहाँ दर्द को भी छुपाना पड़ता है

• • •

दुनिया के लोग मंदिरों मसजिदों में माँगते मन्नत हैं
जो खुद को पहचान लिया उसके लिए ये धरती ही जन्नत है

• • •

दिल की दुनिया को खामोश मत रखना
तकलीफ़ होगी पर हमेशा सच ही कहना

• • •

जो चाहो वहीं नहीं मिलता है
बाकी इस दुनिया में सबकुछ मिलता है

• • •

ऐसे भी मोहब्बत की सज़ा देती है दुनिया
मर जाएँ तो जीने की दुआ देती है दुनिया

• • •

मतलब की दुनिया में कौन किसी का होता है
धोखा वहीं देता है भरोसा जिस पर होता है

• • •

जब से देखी हैं हमने दुनिया करीब से
लगने लगे हैं सारे रिश्ते अजीब से

• • •

बाज़ीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे
होता है शबओरोज़ तमाशा मिरे आगे

• • •

गम-ए-दुनिया भी गम-ए-यार में शामिल कर लो
नशशा बढ़ता है शराबें जो शराबों में मिलें

• • •

भूल शायद बहुत बड़ी कर ली
दिल ने दुनिया से दोस्ती कर ली

• • •

दुनिया जिसे कहते हैं जादू का खिलौना है

मिल जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है

● ● ●

नहीं दुनिया को जब परवाह हमारी
तो फिर दुनिया की परवाह क्यों करें हम

● ● ●

दाएँ आबाद रहेगी दुनिया
हम न होंगे कोई हम सा होगा

● ● ●

आज भी बुरी क्या है कल भी ये बुरी क्या थी
इसका नाम दुनिया है ये बदलती रहती है

● ● ●

बदल रहे हैं जमाने के रंग क्या-क्या देख
नज़र उठा कि ये दुनिया है देखने के लिए

● ● ●

चले तो पाँव के नीचे कुचल गई कोई शय
नशे की झोंक में देखा नहीं कि दुनिया है

● ● ●

दुनिया है सँभल के दिल लगाना
यहाँ लोग अजब अजब मिलेंगे

● ● ●

दुनिया में हूँ दुनिया का तलबगार नहीं हूँ
बाज़ार से गुज़रा हूँ खरीदार नहीं हूँ

● ● ●

दुनिया ने तजरबात ओ हवादिस की शक्ल में
जो कुछ मुझे दिया है वो लौटा रहा हूँ मैं

● ● ●

गाँव की आँख से बस्ती की नज़र से देखा
एक ही रंग है दुनिया को जिधर से देखा

● ● ●

बदल रहे हैं जमाने के रंग क्या-क्या देख
नज़र उठा कि ये दुनिया है देखने के लिए

● ● ●

एक पल की पलक पर है ठहरी हुई ये दुनिया
एक पल के झपकने तक हर खेल सुहाना है

● ● ●

दुनिया में हूँ दुनिया का तलबगार नहीं हूँ
बाज़ार से गुज़रा हूँ खरीदार नहीं हूँ

● ● ●

सैर कर दुनिया की गाफ़िल जिंदगानी फिर कहाँ
जिंदगी गर कुछ रही तो ये जवानी फिर कहाँ

● ● ●

सच बोल तो रहा हूँ मगर यह भी है पता
दुनिया में इसके बाद अकेला रहूँगा मैं

• • •

दुनिया की महफ़िलों से उकता गया हूँ या रब
क्या लुत्फ़ अंजुमन का जब दिल ही बुझ गया हो

• • •

घर के बाहर ढूँढ़ता रहता हूँ दुनिया
घर के अंदर दुनियादारी रहती है

• • •

दुनिया ने तजरबात ओ हवादिस की शकल में
जो कुछ मुझे दिया है वो लौटा रहा हूँ मैं

• • •

बेहतर तो है यही कि न दुनिया से दिल लगे
पर क्या करें जो काम न बेदिल लगी चले

• • •

दुनिया बदल रही है ज़माने के साथ-साथ
अब रोज़-रोज़ देखने वाला कहाँ से लाएँ

• • •

दुनिया जिसे कहते हैं जादू का खिलौना है
मिल जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है

• • •

जाते जाते दुनिया से ये काम कर गए
हम मरते-मरते ये दिल आपके नाम कर गए

• • •

दुनिया की बातों का हम ऐतबार नहीं करते हैं
जमीर का सौदा करके हम प्यार नहीं करते हैं

• • •

तुम्हारी हर अदा पर नज़र रखते हैं
मोहब्बत की दुनिया का हम भी खबर रखते हैं

• • •

ग़म-ए-हयात का झगड़ा मिटा रहा है कोई
चले भी आओ कि दुनिया से जा रहा है कोई

• • •

इश्क़ के सिवा कुछ भी नहीं है इस दुनिया में
कमबख़्त पता तब चल जब मेरा दिल टूटा

• • •

किसी की याद में दुनिया को हैं भुलाए हुए
ज़माना गुज़रा है अपना खयाल आए हुए

• • •

जब दिल की दुनिया बरबाद होती है
तब इश्क़ के कर्ज से रूह आबाद होती है

• • •

मीठे बोल बोलकर ख़ूबसूरत रिश्ते बनाना है
क्योंकि इक दिन इस दुनिया को छोड़ के जाना है

• • •

पूरी दुनिया देखती ख्वाब महलों की
और जो महलों में है उन्हें नींद नहीं आती है

• • •

प्यार वो नहीं जो दुनिया को दिखाया जाए
बल्कि वो हैं जो दिल से निभाया जाए

• • •

दुनिया का यह दस्तूर मुझे जरा भी नहीं भाता है
जख्म उसको मिलता है जिसे सहना आता है

• • •

सूरत देखकर लोग अंदाजा लगाते हैं
इसलिए दुनिया को सीरत का पता नहीं चलता है

• • •

मतलबी दुनिया से मेरा एक सवाल है
कोई बता दे वफ़ा करनेवालों का क्या हाल है

• • •

ये दुनिया जज़्बातों को तराजू पर तोलती है
जेब में पैसा हो तो बातें बड़ी मीठी-मीठी बोलती है

• • •

जहर देकर वो दुनिया की नज़रों में नहीं आया
मगर किस वक़्त दवा लेनी है ये नहीं बताया

• • •

दुनिया की निगाहों में बुरा क्या है भला क्या
ये बोझ अगर दिल से उतर जाए तो अच्छा

• • •

सिर्फ़ ख्वाबों से गुज़ारा नहीं होता है
इस दुनिया में कोई किसी का सहारा नहीं होता है

• • •

जालिम दुनिया में जरा सँभलकर रहना मेरे यार
यहाँ पलकों पे बिठाया जाता हैं नज़रों से गिराने के लिए

• • •

बड़े शौक से ग़म को सुनती है ये दुनिया
कोई ग़म में हो तो मुँह फेर लेती है ये दुनिया

• • •

इस दुनिया में हर चेहरे पर नक्राब है
शायद इसलिए पूरे होते नहीं ख्वाब है

• • •

फिर इस दुनिया से उम्मीद-ए-वफ़ा हैं
तुझे ऐ ज़िंदगी क्या हो गया हैं

• • •

खुश बहुत हूँ कि दिल दुःखा है मेरा
ये दुनिया किसी की नहीं क्या होगा ये तेरा

• • •

ऐ खुदा मुझे अपनी पनाह में ले

अब मुझे दुनिया का जंजाल न दे

• • •

मतलबी दुनिया में मतलब एक अफ़साने हैं
ज़रूरत पड़े तो लोगों के पास सिर्फ़ बहाने हैं

• • •

इस दुनिया में अजीब सा मेला है
हर कोई महसूस करता अकेला है

• • •

नफ़रत

एक नफ़रत ही नहीं दुनिया में दर्द का सबब फ़राज
मोहब्बत भी सक्कूँ वालों को बड़ी तकलीफ़ देती है

• • •

दुनिया को नफ़रत का यकीन नहीं दिलाना पड़ता
मगर लोग मोहब्बत का सबूत ज़रूर माँगते हैं

• • •

पहले इश्क़ फिर दर्द फिर बेहद नफ़रत
बड़ी तरकीब से तबाह किया तुमने मुझको

• • •

हमारी अदा पे तो नफ़रत करनेवाले भी फ़िदा हैं
तो फिर सोच प्यार करनेवालों का किया हाल होता होगा

• • •

नफ़रत करने की दवा बता दो यारो
वरना मेरी मौत की वजह मेरा प्यार ही होगा

• • •

नफ़रतें लाख मिलीं पर मोहब्बत न मिली
जिंदगी बीत गई मगर राहत न मिली
तेरी महफ़िल में हर एक को हँसता देखा
एक मैं था जिसे हँसने की इजाज़त न मिली

• • •

सनम तेरी नफ़रत में वो दम नहीं
जो मेरी चाहत को मिटा दे
ये मोहब्बत है कोई खेल नहीं
जो आज हँस के खेला और कल रोकर भुला दे

• • •

नाराज़गी डर नफ़रत या फिर प्यार
कुछ तो ज़रूर है जो तुम मुझसे दूर-दूर रहते हो

• • •

मैं अकेला वारिस हूँ तेरी तमाम नफ़रतों का ऐ मेरी जान
और तू सारे शहर में प्यार बाँटती फिर रही है

• • •

प्यार करता हूँ इसलिए फ़िक्र करता हूँ
नफ़रत करूँगा तो ज़िक्क़ भी नहीं करूँगा

• • •

कर लूँ एक बार तेरा दीदार जी भर के मेरे दोस्त
मेरी मोहब्बत और तेरी नफ़रत के बीच का फ़ासला खत्म हो जाएगा

• • •

नफ़रत है मुझे आज ज़ालिम तेरे उस रुख़सार से
जिसे देखकर मैं अक्रसर दीवाना हुआ करता था

• • •

ये मेरे दिल की जिद है की प्यार करूँ तो सिर्फ़ तुमसे करूँ
वरना तुम्हारी जो फितरत है वो नफ़रत के भी काबिल नहीं

• • •

मोहब्बत करने से फुरसत नहीं मिली यारो
वरना हम करके बताते नफ़रत किसको कहते हैं

• • •

वो इनकार करते हैं इक्रार के लिए
नफ़रत भी करते हैं तो प्यार करने के लिए
उल्टी चाल चलते हैं ये इश्क़ करनेवाले
आँखें बंद करते हैं दीदार के लिए

• • •

अजीब सी आदत और ग़ज़ब की फितरत है मेरी
मोहब्बत हो या नफ़रत बहुत शिद्दत से करता हूँ

• • •

मुझे नफ़रत है इस मोहब्बत के नाम से
क्यों बिना कसूर तड़पा-तड़पाकर मारा है मुझे

• • •

अदावत तो है अपनी नफ़रतों के रहनुमाओं से
जो दिल में दे जगह उससे भला क्यों न सुलह कर लें

• • •

मैं काबिले नफ़रत हूँ तो छोड़ दे मुझको
तू मुझसे यों दिखावे की मोहब्बत न किया कर

• • •

नफ़रत मत करना मुझसे बुरा लगेगा
बस एक बार प्यार से कह देना अब तेरी ज़रूरत नहीं

• • •

न मेरा प्यार कम हुआ न उनकी नफ़रत
अपना अपना फर्ज था दोनों अदा कर गए

• • •

ये तेरी हल्की सी नफ़रत और थोड़ा सा इश्क़
यह तो बता ये मज़ा-ए-इश्क़ है या सज़ा-ए-इश्क़

• • •

मोहब्बत में मेरे जज़्बात से तो ख़ूब खेली तू
मेरे इश्क़ को नफ़रत के तराजू में तौलकर बेच डाली

• • •

मुझे नफ़रत सी हो गई है अपनी ज़िंदगी से
और तू ज़्यादा ख़ुश न हो क्योंकि तू ही मेरी ज़िंदगी है

• • •

प्यार में बेवफ़ाई मिले तो ग़म न करना
अपनी आँखें किसी के लिए नम न करना
वो चाहे लाख नफ़रते करें तुमसे
पर तुम अपना प्यार कभी उसके लिए कम न करना

• • •

प्यार करना सिखा है नफ़रतों की कोई जगह नहीं
बस तू ही तू है इस दिल में दूसरा कोई और नहीं

• • •

तुम्हारी नफ़रत पर भी लुटा दी जिंदगी हमने
सोचो अगर तुम मोहब्बत करते तो हम क्या करते

• • •

अब हम तो नए नफ़रत करनेवाले तलाशा करते हैं
क्योंकि पुराने वाले तो अब हमसे मोहब्बत किया करते हैं

• • •

नफ़रत हो गई मुझे
एक मोहब्बत लफ़्ज़ से

• • •

नफ़रत करना तो सीखा ही नहीं साहब
हमने दर्द को भी चाहा है अपना समझकर

• • •

ज्यादा कुछ नहीं बदला उसके और मेरे बीच में
पहले नफ़रत नहीं थी और अब प्यार नहीं है

• • •

इश्क़ करें या नफ़रत इजाज़त है उन्हें
हमें इश्क़ से अपने कोई शिकायत नहीं

• • •

कुछ दगाबाजी हम भी तेरे ऐतबार से करेंगे
तुझसे नफ़रत भी ज़ालिम ज़रा प्यार से करेंगे

• • •

मुझसे नफ़रत करनी है तो इरादे मज़बूत रखना
जरा से भी चूके तो मोहब्बत हो जाएगी

• • •

हक्र से दो तो तुम्हारी नफ़रत भी कबूल हमें
ख़ैरात में तो हम तुम्हारी मोहब्बत भी न लें

• • •

कभी उसने भी हमें चाहत का पैग़ाम लिखा था
सबकुछ उसने अपना हमारे नाम लिखा था
सुना है आज उनको हमारे ज़िक्र से भी नफ़रत है
जिसने कभी अपने दिल पर हमारा नाम लिखा था

• • •

देख के हमको वो सर झुकाते हैं
बुलाकर महफ़िल में नज़रें चुराते हैं
नफ़रत है तो कह देते हमसे
ग़ैरों से मिलकर क्यों दिल जलाते हैं

• • •

नफ़रत तेरी बुलंदियों पे थी
फिर भी तुझे चाहा था
ए सनम तूने ही आवाज न लगाई

हमने तो तुझे हर लम्हे में पुकारा था

● ● ●

नफ़रत को हम प्यार देते हैं प्यार पे खुशियाँ वार देते हैं
बहुत सोच समझकर हमसे कोई वादा करना ऐ दोस्त
हम पर वादे पर जिंदगी गुज़ार देते हैं

● ● ●

काश कि दिल पर अपना अख़्तियार होता
न नफ़रत होती न प्यार होता

● ● ●

नफ़रत हमने सीखी नहीं कभी दिल से
हम तो बस मोहब्बत ही रखते हैं हर किसी से

● ● ●

प्यार एहसान नफ़रत दुश्मनी जो चाहो वो मुझसे कर लो
आपकी कसम वही दुगुना मिलेगा

● ● ●

तेरी जुदाई में और तो कुछ न हो सका
बस मोहब्बत से नफ़रत हो गई

● ● ●

देखकर उसको तेरा यों पलट जाना
नफ़रत बता रही है तूने ग़ज़ब की मोहब्बत की

● ● ●

तूने जिंदगी को मेरी इस क्रूर कुछ यों मोड़ा है
कि अब मोहब्बत भी नफ़रत भी दोनों थोड़ा थोड़ा हैं

● ● ●

मत रख इतनी नफ़रतें अपने दिल में ए इन्सान
जिस दिल में नफ़रत होती है उस दिल में रब नहीं बसता

● ● ●

उनकी नफ़रत बता रही है
हमारी मोहब्बत ग़ज़ब की थी

● ● ●

गुज़रे है आज इश्क़ के उस मुकाम से
नफ़रत सी हो गई है मोहब्बत के नाम से

● ● ●

सुनो न बेहद गुस्सा करते हो आजकल
नफ़रत करने लगे हो या इश्क़ ज्यादा हो गया

● ● ●

नफ़रत करना है तो इस क्रूर करना
के हम दुनिया से चले जाए पर तेरी आँख में आंशु न आए

● ● ●

पत्थर

दिखाई कम दिया करते हैं बुनियाद के पत्थर
जमीं में जो दब गए इमारत उन्हीं पे क़ायम है

• • •

मैं आईना हूँ टूटना मेरी फितरत है
इसलिए पत्थरों से मुझे कोई गिला नहीं

• • •

पागल हो जाने का भी ग़ज़ब फायदा है साहब
लोग पत्थर तो उठाते हैं मगर उँगली नहीं

• • •

हटाए थे जो राह से दोस्तों की
वो पत्थर मेरे घर में आने लगे हैं

• • •

कभी पत्थर के ख़ुदा कभी पत्थर के इनसान
तो कभी पत्थर के सनम मिले
बेमंज़िल ज़िंदगी के हर मोड़ पर
नाम बदल बदल के ग़म मिले

• • •

अब वफ़ा का नाम न ले कोई हमें बेवफ़ा की तलाश है
पत्थर का दिल सीने में हो हमें उस ख़ुदा की तलाश है

• • •

न उसने मुड़कर देखा न हमने पलटकर आवाज दी
अजीब सा वक़्त था जिसने दोनों को पत्थर बना दिया

• • •

दिल है तो धड़कने का बहाना कोई ढूँढ़े
पत्थर की तरह बेहिसओबेजान सा क्यों है

• • •

मोहब्बत करनेवालों को दीवाना कह दिया
प्यार में जलनेवालों को परवाना कह दिया
दफना दिया मोहब्बत को पत्थरों के नीचे
लोगों ने उसे मुमताज़ का आशियाना कह दिया

• • •

बदलती रहती हैं हकीकतों की बारिश वक़्त के साथ
काश उम्मीदों के घरोंदे समझ के पत्थरों से बनाते

• • •

मुझमें नहीं ख़ुदा में भी फर्क है
एक रास्ते पे रखा है एक महँगे पत्थरों में दर्ज है

• • •

हमने हमारे इश्क़ का इज़हार यों किया
फूलों से तेरा नाम पत्थरों पे लिख दिया

• • •

मेरा गाँव भी तिरे शहर जैसा हो गया है
यहाँ भी हर आदमी पत्थर जैसा हो गया है

• • •

जो गुजरे शहर से तेरे तो खयाल आया
कभी हमने भी पत्थरों से मोहब्बत की थी

• • •

जमाना चाहता है क्यों मेरी फ़ितरत बदल देना
इसे क्यों ज़िद है आखिर फूल को पत्थर बनाने की

• • •

अब वफ़ा का नाम न ले कोई हमें बेवफ़ा की तलाश है
पत्थर का दिल सीने में हो हमें उस ख़ुदा की तलाश है

• • •

कहाँ रखूँ मैं शीशे सा दिल अपना
हर किसी के हाथ में पत्थर नज़र आता है

• • •

रेत पर नाम लिखते नहीं
रेत पर लिखे नाम कभी टिकते नहीं
लोग कहते हैं पत्थर दिल हैं
हम लेकिन पत्थरों पर लिखे नाम कभी मिटते नहीं

• • •

इतनी चाहत के बाद भी तुझे एहसास न हुआ
जरा देख तो ले दिल की जगह पत्थर तो नहीं

• • •

पत्थरों से प्यार किया नादान थे हम
ग़लती हुई क्योंकि इनसान थे हम
आज जिन्हें नज़रें मिलाने में तकलीफ़ होती है
कभी उसी शख्स की जान थे हम

• • •

हमारी मोहब्बत को तुम यों नज़रअंदाज़ न करो
हम तो वो इनसान है जो पत्थरों में भी जान डाल देते हैं

• • •

कभी नज़रअंदाज़ मत करो उसको
जो तुम्हारी बहुत परवाह करता हो
वरना किसी दिन तुम्हें एहसास होगा
कि पत्थर जमा करते-करते तुमने हीरा गवाँ दिया

• • •

रस्मे उल्फ़त को निभाने की ज़रूरत क्या है
यह तो पत्थर है मनाने की ज़रूरत क्या है
साथ में भीड़ लगाने की ज़रूरत क्या है
हो यकीन ख़ुद पे ज़माने की ज़रूरत क्या है

• • •

उदासी का ये पत्थर आँसुओं से नम नहीं होता
हजारों जुगनुओं से भी अँधेरा कम नहीं होता

बिछड़ते वक़्त कोई बदगुमानी दिल में आ जाती
उसे भी ग़म नहीं होता मुझे भी ग़म नहीं होता

• • •

ज़ख्म पाकर सिर झुका देता हूँ
जाने कौन पत्थर खुदा बन जाए

• • •

ऐ खुदा लोग बनाए थे पत्थर के अगर
मेरे एहसास को शीशे का न बनाया होता

• • •

जिन पत्थरों को कभी हमने दी थी धड़कनें
आज उनको जुबां मिली तो हम पर बरस पड़े

• • •

गर लफ़्ज़ों में कर सकते बयान इंतहा-ए-दर्द-ए-दिल
लाख तेरा दिल पत्थर का सही कब का मोम कर देते

• • •

हथेली पर रखकर नसीब तू
क्यों अपना मुकद्दर ढूँढ़ता है
सीख उस समंदर से जो
टकराने के लिए पत्थर ढूँढ़ता है

• • •

हाथों में पत्थर नहीं फिर भी चोट देती है
ये जुबान भी अजीब है अच्छे-अच्छों के तोड़ देती है

• • •

कितना ग़म ज़दा रहा हूँ तेरी जुदाई में सनम
मेरे हालात देखकर पत्थर भी पिघल जाते

• • •

दिल आने की बात है यारो अपने बस की बात कहाँ
प्यार अगर हो पत्थर से फिर हीरे की औकात कहाँ

• • •

तुम्हारा दिल मेरे दिल के बराबर हो नहीं सकता
वो शीशा हो नहीं सकता ये पत्थर हो नहीं सकता

• • •

दर्द ओ ग़म से हमेशा के लिए पीछा छुड़ा लिया
बार बार टूट जाता था दिल पत्थर का बना लिया

• • •

दर्द भी वो दर्द जो दवा बन जाए
मुश्किलें बढ़ें तो आसां बन जाए
ज़ख्म पाकर सिर झुका देता हूँ
जाने कौन पत्थर खुदा बन जाए

• • •

लोग कहते थे मेरा दिल पत्थर का है
यकीन मानिए कुछ लोग उसे भी तोड़ गए

• • •

हर धड़कते पत्थर को लोग दिल समझते हैं
उम्रें बीत जाती हैं दिल को दिल बनाने में

• • •

पत्थर हूँ मैं चलो मान लिया तुम तो हुनरमंद थे
तराशा क्यों नहीं मुझे

• • •

दिल में कुछ अरमान थे मगर बेदर्द इनसान थे
अपना गुजारा कैसे होता काँच का दिल था पत्थर के मकान थे

• • •

पत्थर सा दिल कहाँ से लाऊँ
कंक्रीट की बस्ती में निभ पाऊँ

• • •

तराशने वाले पत्थरों को भी तराश देते हैं
नासमझ हीरे को भी पत्थर करार देते हैं

• • •

गर पत्थर है तू तो मुझे पत्थर कबूल है
तेरे सदेकें मैं अपनी सारी इबादतें कर दूँ

• • •

पत्थर से प्यार किया नादान थे हम
गलती हुई क्यों की इनसान थे हम
आज जिन्हें नजरे मिलाने में तकलीफ़ होती है
कभी उसी शख्स की जान थे हम

• • •

अपनी नाराज़गी पत्थर सी नहीं
बर्फ़ सी रखिएगा जो कुछ देर में ही पिघल जाए

• • •

बेहतर से बेहतर कि तलाश करो
मिल जाए नदी तो समंदर कि तलाश करो
टूट जाता है शीशा पत्थर कि चोट से
टूट जाए पत्थर ऐसा शीशा तलाश करो

• • •

कोई पत्थर की मूरत है किसी पत्थर में मूरत है
लो हमने देख ली दुनिया जो इतनी ख़ुबसूरत है

• • •

अब कहा ज़रूरत है हाथों में पत्थर उठाने की
तोड़नेवाले तो जुबान से ही दिल तोड़ देते

• • •

इस अजनबी शहर में पत्थर कहाँ से आया है
लोगों की भीड़ में कोई अपना ज़रूर है

• • •

तेरे शहर के कारीगर बड़े अजीब हैं ए दिल
काँच की मरम्मत करते हैं पत्थर के औजारों से

• • •

वाकई पत्थर दिल ही होते हैं शायर
वर्ना अपनी आह पर वाह सुनना कोई मजाक नहीं

• • •

लोग कहते हैं कि मेरा दिल पत्थर का है
लेकिन कुछ लोग ऐसे भी थे जो इसे भी तोड़ गए

• • •

पत्थरों से न किसी पे वार कर
हो सके तो तू सभी से प्यार कर

• • •

खता ए इश्क़ नहीं देखता महबूब पत्थर है या कोहिनूर है
गर इश्क़-इश्क़ है तो हर हाल में मंजूर है

• • •

जरा सा भी नहीं पिघलता दिल तेरा
इतना क्रीमती पत्थर कहाँ से खरीदा है

• • •

चुप हैं किसी सब्र से तो पत्थर न समझ हमें
दिल पे असर हुआ है तेरी हर एक बात का

• • •

देखो यु रूठा न करो मेरा दिल दुखता हैं
मेरा दिल भी दिल हैं कोई पत्थर तो नहीं

• • •

शायद कोई तराश कर मेरी क्रिस्मत सँवार दे
यह सोचकर हम उम्र भर पत्थर बने रहे

• • •

कोई मुझे भी पत्थर सा दिल ला दो यारो
आखिर मुझे भी इनसानों की बस्ती में ही जीना है

• • •

हमारा दिल ऐसे टुटा है
जैसे किसी ने मार दिया हो शीशे पे पत्थर
फिर भी लिखा है हर टुकड़े पे
आपके नाम का अक्षर

• • •

कभी पत्थर कहा गया तो कभी शीशा कहा गया
दिल जैसी एक चीज़ को क्या-क्या कहा गया

• • •

पत्थर की दुनिया जज़्बात नहीं समझती
दिल में क्या है वो बात नहीं समझती
तनहा तो चाँद भी है सितारों के बीच में
पर चाँद का दर्द वो रात नहीं समझती

• • •

वह पत्थर भी मारे तो झोली भर लेंगे
महबूब के तोहफे को कभी टुकराया नहीं करते

• • •

फिर यों हुआ कि दर्द की लज्जत भी छिन गई
एक शख्स ने मुझे मोम से पत्थर बना दिया

• • •

दर्द ए दिल पिघलेंगे पत्थर भी मोहब्बत की तपिश पाकर
बस यही सोचकर हम पत्थर से दिल लगा बैठे

• • •

ऐ खुदा रेत के सहरा को समंदर कर दे
या छलकती हुई आँखों को भी पत्थर कर दे

• • •

मैं शीशा हूँ तू पत्थर है तू मेरा अहले मुकद्दर है
मैं जिऊँगा या मर जाऊँगा ये फ़ैसला तेरे ऊपर है

• • •

खफ़ा

मुझे न सताओ इतना कि मैं खफ़ा हो जाऊँ तुमसे
मुझे अच्छा नहीं लगता अपनी साँसों से जुदा होना

• • •

लोग कहते हैं कि तू अब भी खफ़ा है मुझसे
तेरी आँखों ने तो कुछ और कहा है मुझसे

• • •

वो खामखाँ ही मुझसे खफ़ा खफ़ा है
छोड़ो मेरा इश्क़ तो एक तरफ़ा है

• • •

जो खफ़ा होगा वही बेपनाह इश्क़ करेगा मुझसे
और जो बेपनाह इश्क़ करेगा ओ खफ़ा नहीं होगा

• • •

कभी खफ़ा मत होना हमसे
पता नहीं ज़िंदगी कब तक साथ निभाएगी
अगर आप भी हमसे रूठ जाओगे तो
मौत ज़िंदगी से पहले आ जाएगी

• • •

कुछ इस तरह खूबसूरत रिश्ते टूट जाया करते हैं
दिल भर जाता है तो लोग खफ़ा हो जाया करते हैं

• • •

चुप रहते हैं के कोई खफ़ा न हो जाए
हमसे कोई रूसवा न हो जाए
बड़ी मुश्किल से कोई अपना बना है
डरते हैं की मिलने से पहले ही कोई जुदा न हो जाए

• • •

खफ़ा जब भी रहो तब वजह बता दिया करो
अपनी एक खता ढूँढ़ने में हम कई खता कर बैठे

• • •

वो आए थे मेरा दुखदर्द बाँटने के लिए
मुझे खुश देखा तो खफ़ा होकर चल दिए

• • •

हुस्न यों इश्क़ से नाराज़ है अब
फूल खुशबू से खफ़ा हो जैसे

• • •

तुम खफ़ा हो गए तो कोई खुशी न रहेगी
तुम्हारे बिना चिरागों में रोशनी न रहेगी
क्या कहें क्या गुज़रेगी दिल पर
जिंदा तो रहेंगी पर ज़िंदगी न रहेगी

• • •

यही हालात इब्तिदा से रहे

लोग हमसे ख़फ़ा ख़फ़ा से रहे

● ● ●

जिस की हवस के वास्ते दुनिया हुई अज़ीज़
वापस हुए तो उसकी मोहब्बत ख़फ़ा मिली

● ● ●

कहा किसने यह जानम कि मैं तुमसे ख़फ़ा हूँ
पहला इश्क़ हूँ जानम और मैं पहली दफ़ा हूँ

● ● ●

ख़फ़ा न होना हमसे
अगर तेरा नाम जुबां पर आ जाए

● ● ●

सबकुछ है मेरे पास पर दिल की दवा नहीं
दूर वो मुझसे हैं पर मैं ख़फ़ा नहीं
मालूम है अब भी वो प्यार करते हैं मुझसे
वो थोड़ा सा जिद्दी है मगर बेवफ़ा नहीं

● ● ●

चाँद का क्या कसूर अगर रात बेवफ़ा निकली
कुछ पल ठहरी और फिर चल निकली
उनसे क्या कहे वो तो सच्चे थे
शायद हमारी तकदीर ही हमसे ख़फ़ा निकली

● ● ●

आग दिल में लगी जब वो ख़फ़ा हो गए
महसूस हुआ तब जब वो जुदा हो गए
करके वफ़ा कुछ दे न सके वो हमें
पर बहुत कुछ दे गए जब बेवफ़ा हो गए

● ● ●

बिछड़ के तुमसे ज़िंदगी सज़ा लगती है
ये साँस भी जैसे मुझसे ख़फ़ा लगती है
अगर उम्मीद-ए-वफ़ा करूँ तो किससे करूँ
मुझको तो मेरी ज़िंदगी भी बेवफ़ा लगती है

● ● ●

आग दिल में लगी जब वो ख़फ़ा हुए
महसूस हुआ तब जब वो जुदा हुए
कर के वफ़ा कुछ दे न सके वो
पर बहुत कुछ दे गए जब वो बेवफ़ा हुए

● ● ●

बहाना कोई न बनाओ तुम मुझसे ख़फ़ा होने का
तुम्हें चाहने के अलावा कोई गुनाह नहीं है मेरा

● ● ●

किस किसको बताएँगे जुदाई का सबब हम
तू मुझसे ख़फ़ा है तो ज़माने के लिए आ

● ● ●

या वो थे ख़फ़ा हमसे या हम हैं ख़फ़ा उनसे

कल उनका जमाना था आज अपना जमाना है

● ● ●

इक तेरी बेरुखी से जमाना ख़फ़ा हुआ
ऐ संगदिल तुझे भी ख़बर है कि क्या हुआ

● ● ●

ख़फ़ा नहीं हूँ तुझसे ए ज़िंदगी
बस जरा दिल लगा बैठा हूँ इन उदासियों से

● ● ●

कमाल का शख्स था जिसने ज़िंदगी तबाह कर दी
राज की बात है दिल उससे ख़फ़ा अब भी नहीं

● ● ●

इश्क़ में तहज़ीब के हैं और ही कुछ फ़लसफ़े
तुझसे होकर हम ख़फ़ा खुद से ख़फ़ा रहने लगे

● ● ●

वो ढूँढ़ रहे थे मुझको भूल जाने के तरीके
ख़फ़ा होकर उनकी मुश्किल आसान कर दी हमने

● ● ●

ढूँढ़ रही है वो मुझसे ख़फ़ा होने का तरीका
सोचता हूँ थप्पड़ मारकर उसकी मुश्किल आसान कर दूँ

● ● ●

हम ज़िंदगी में आपसे ख़फ़ा हो नहीं सकते
मोहब्बत के रिश्ते बेवफ़ा हो नहीं सकते
आप भले ही याद किए बिना सो जाओ
हम याद किए बिना सो नहीं सकते

● ● ●

इस अजनबी दुनिया में अकेला ख़्वाब हूँ मैं
सवालियों से ख़फ़ा छोटा सा जवाब हूँ मैं
आँख से देखोगे तो खुश पाओगे
दिल से पूछोगे तो दर्द का सैलाब हूँ मैं

● ● ●

आज जी करता है बे बात ख़फ़ा हो जाऊँ
तू मनाती रहे दे देकर दलीलें शब भर

● ● ●

ख़फ़ा होने से पहले कोई वजह तो बताते जाते
वजह नहीं तो न सही झूठा कोई इल्जाम ही लगाते जाते

● ● ●

अजीब शख्स है भेद ही न खुलते उसके
जब भी देखूँ तो दुनिया से ख़फ़ा ही देखूँ

● ● ●

रूठ जाना तो मोहब्बत की अलामत है मगर
क्या खबर थी मुझसे वो इतना ख़फ़ा हो जाएगा

● ● ●

लब तो ख़ामोश रहेंगे ये वादा है मेरा तुमसे

गर कह बैठें कुछ निगाहें तो ख़फ़ा मत होना

• • •

दौड़ती भागती ज़िंदगी में बस यही तोहफ़ा है
ख़ूब लुटाते रहे अपनापन फिर भी लोग ख़फ़ा है

• • •

मेरी बेताबियों से घबराकर
कोई मुझसे ख़फ़ा न हो जाए

• • •

अब तो हर शहर में उसके ही क़सीदे पढ़िए
वो जो पहले ही ख़फ़ा है वो ख़फ़ा और सही

• • •

काश कोई मिले ऐसा जो मुझसे ख़फ़ा न हो
समझे मेरे मिज़ाज़ को और कभी जुदा न हो

• • •

लब तो ख़ामोश रहेंगे ये वादा है मेरा तुझसे
अगर कह बैठी कुछ निगाहें तो ख़फ़ा मत होना

• • •

लबों पे उसके कभी बद्दुआ नहीं होती
बस एक माँ है जो मुझसे ख़फ़ा नहीं होती

• • •

चाँद का क्या कसूर अगर रात बेवफ़ा निकली
कुछ पल ठहरी फिर चल निकली
उनसे क्या कहे वो तो सच्चे थे
शायद हमारी तक़दीर ही हमसे ख़फ़ा निकली

• • •

मेरे दोस्त की पहचान यही काफी है
वो हर शख्स को दानिस्ता ख़फ़ा करता है

• • •

ख़फ़ा हैं फिर भी आकर छेड़ जाते हैं तसव्वुर में
हमारे हाल पर कुछ मेहरबां अब भी होते हैं

• • •

वो दिल न रहा जा नाज़ उठाऊँ
मैं भी हूँ ख़फ़ा जो वो ख़फ़ा है

• • •

क्या कहूँ क्या है मेरे दिल की ख़ुशी
तुम चले जाओगे ख़फ़ा होकर

• • •

तुम हसते हो मुझे हँसाने के लिए
तुम रोते हो मुझे रुलाने के लिए
तुम एक बार ख़फ़ा होकर तो देखो
मर जाएँगे तुम्हें मानाने के लिए

• • •

ये जो सीने में धड़कता है बेवफ़ा सा है

मुझमे रहकर भी ये दिल मुझी से खफ़ा सा है

● ● ●

आखिर देता मुझे ये कैसी सज़ा भी तू
है ग़लती भी तेरी और खफ़ा भी है तू

● ● ●

थोड़ी थोड़ी ही सही मगर बातें तो किया करो
चुपचाप रहती हो तो खफ़ा खफ़ा सी लगती हो

● ● ●

एक ही फ़न तो हमने सीखा है
जिससे मिलिए उसे खफ़ा कीजे

● ● ●

जिसकी हवस के वास्ते दुनिया हुई अज़ीज़
वापस हुए तो उसकी मोहब्बत खफ़ा मिली

● ● ●

मोहब्बत ने इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है कि
आगे बढ़े तो सब खफ़ा और पीछे हटे तो बेवफ़ा

● ● ●

कोई अच्छा सा बहाना
बनाना तुम मुझसे खफ़ा होने का
क्योंकि तुझे चाहने के सिवा
मैंने अब तक कोई गुनाह नहीं किया है

● ● ●

परवाह नहीं अगर ये ज़माना खफ़ा रहे
बस इतनी सी दुआ है दोस्त मेहरबां रहे

● ● ●

हालेदिल सुनाने की मुद्दतों से ख्वाहिश है
मगर सुना है मुझसे खफ़ाखफ़ा मेरे हुज़ूर रहते हैं

● ● ●

कभी बोलना वो खफ़ा-खफ़ा कभी बैठना वो जुदा-जुदा
वो ज़माना नाज़ ओ नियाज़ का तुम्हें याद हो कि न याद हो

● ● ●

वो तुझे भूल ही गया होगा
इतनी देर कोई खफ़ा नहीं रहता

● ● ●

तुझसे नराज़ नहीं ज़िंदगी बस खुद से खफ़ा हैं
जी रहे हैं बिन तमन्ना शायद ये ही दर्द ए दिल की दवा हैं

● ● ●

खफ़ा नहीं हूँ तुझसे ए ज़िंदगी
बस जरा दिल लगा बैठा हूँ इन उदासियों से

● ● ●

किस किसको बताएँगे जुदाई का सबब हम
तू मुझसे खफ़ा है तो ज़माने के लिए आ

● ● ●

जो भी मिला वो हमसे खफ़ा मिला
देखो हमें मोहब्बत का क्या सिला मिला
उम्र भर रही फ़क़त वफ़ा की तलाश हमें
पर हर शख्स मुझको ही क्यों बेवफ़ा मिला

• • •

यों लगे दोस्त तेरा मुझसे खफ़ा हो जाना
जिस तरह फूल से खुशबू का जुदा हो जाना

• • •

उससे खफ़ा होकर भी देखेंगे एक दिन
कि उसके मनाने का अंदाज़ कैसा है

• • •

तुम खफ़ा हो गए तो कोई खुशी न रहेगी
तेरे बिना चिरागों में रोशनी न रहेगी

• • •

इतना तो बता जाओ खफ़ा होने से पहले
वो क्या करें जो तुमसे खफ़ा हो नहीं सकते

• • •

तोड़कर अहदेकरम न आशना हो जाइए
बंदापरवर जाइए अच्छा खफ़ा हो जाइए

• • •

आग दिल में लगी जब वो खफ़ा हुए
महसूस हुआ तब जब वो जुदा हुए
कर के वफ़ा कुछ दे न सके वो
पर बहुत कुछ दे गए जब वो बेवफ़ा हुए

• • •

रूठने का हक हैं तुझे पर वजह बताया कर
खफ़ा होना ग़लत नहीं तू ख़ता बताया कर

• • •

परवाह नहीं अगर ये ज़माना खफ़ा रहे
बस इतनी सी दुआ है की आप मेहरबां रहे

• • •

हर एक शख्स खफ़ा मुझसे अंजुमन में था
क्योंकि मेरे लब पे वही था जो मेरे मन में था

• • •

हक़ हूँ मैं तेरा हक़ जताया कर
यों खफ़ा होकर न सताया कर

• • •

हर बार इल्ज़ाम हम पर लगाना ठीक नहीं
वफ़ा खुद से नहीं होती खफ़ा हम पर होते हो

• • •

तुम खफ़ा हो गए तो कोई खुशी न रहेगी
सच कहूँ तुम्हारे बिना चिरागों में रोशनी न रहेगी

• • •

हर बार इल्जाम हम पर ही लगाना ठीक नहीं
वफ़ा ख़ुद से नहीं होती और ख़फ़ा हम पर होते हो

• • •

वो आए थे मेरा दुखदर्द बाँटने के लिए
मुझे ख़ुश देखा तो ख़फ़ा होकर चल दिए

• • •

लगता है आज ज़िंदगी कुछ ख़फ़ा है
चलिए छोड़िए कौन सी पहली दफ़ा है

• • •

काश कोई मिले इस तरह के फिर जुदा न हो
वो समझे मेरे मिज़ाज़ को और कभी ख़फ़ा न हो

• • •

ख़फ़ा तुमसे हो कर ख़फ़ा तुमको कर के
मज़ाक़-ए-हुनर कुछ फ़ुज़ूँ चाहता हूँ

• • •

ख़फ़ा होने से पहले ख़ता बता देना
रुलाने से पहले हँसना सिखा देना
अगर जाना हो कभी हमसे दूर आपको
तो पहले बिना साँस लिये जीना सिखा देना

• • •

ख़फ़ा थी शाख़ से शायद के जब हवा गुज़री
जमीन पे गिरते हुए फूल बेशुमार दिखे

• • •

करते हैं मोहब्बत और जताना भूल जाते हैं
पहले ख़फ़ा होते हैं फिर मनना भूल जाते हैं
भूलना तो फितरत सी है जमाने की
लगाकर आग मोहब्बत की बुझाना भूल जाते हैं

• • •

इस दिल में आग सी लग गई जब वो ख़फ़ा हुए
फर्क तो तब पड़ा जब वो जुदा हुए
हमें वो वफ़ा करके तो कुछ दे न सके
लेकिन दे गए वो बहुत कुछ जब वो बेवफ़ा हुए

• • •

सुना वो आजकल मुझसे ख़फ़ा है
तो क्या कह दूँ उसे मैं वो बेवफ़ा है

• • •

हमारे दिल न देने पर ख़फ़ा हो
लुटाते हो तुम्हीं ख़ैरात कितनी

• • •

छेड़ मत हर दम न आईना दिखा
अपनी सूरत से ख़फ़ा बैठे हैं हम

• • •

या वो थे ख़फ़ा हमसे या हम हैं ख़फ़ा उनसे

कल उनका ज़माना था आज अपना ज़माना है

• • •

इतना तो बता जाओ ख़फ़ा होने से पहले
वो क्या करें जो तुमसे ख़फ़ा हो नहीं सकते

• • •

जिस्म

एक दो जख्म नहीं जिस्म है सारा छलनी
दर्द बेचारा परेशाँ है कहाँ से निकले

• • •

रूह जिस्म का ठौर ठिकाना चलता रहता है
जीना मरना खोना पाना चलता रहता है

• • •

और क्या कहूँ तुझको मैं
खुद भी किसी लायक नहीं
बस मुझे अपना समझ लेना
जब तुझे किसी लायक न छोड़ जाए
तेरे जिस्म को कुतरने वाले

• • •

मुझे तलाश है एक रूह की जो मुझे दिल से प्यार करे
वरना जिस्म तो पैसो से भी मिल जाया करते है

• • •

जिस्म पर जो निसान है जनाब
वो तो सारे बचपन के है
बाद के तो सारे दिल पर लगे है

• • •

जख्म ही देना था तो पूरा जिस्म तेरे हवाले था
लेकिन कम्बख्त ने जब भी वार किया दिल पर ही किया

• • •

मेरे जिस्म से उसकी खुशबू आज भी आती है
मैंने फुरसत में कभी सीने से लगाया था उसे

• • •

अब के बरसात की रुत और भी भड़कीली है
जिस्म से आग निकलती है क़बा गीली है

• • •

पीते पीते ज़हर-ए-ग़म अब जिस्म नीला पड़ गया
कुछ दिनों में देखना हम आसमां होने को हैं

• • •

ज़हर भी है एक दवा भी है इश्क़
तुझसे और तुझ तक मेरी रज़ा है इश्क़
जिस्म छूकर तो हर कोई एहसास पा जाए
रूह तक महसूस हो वो नशा है इश्क़

• • •

रूहानी इश्क़ होता है, जब जिस्म की प्यास नहीं होती
हवा का रंग नहीं होता इश्क़ की जात नहीं होती

• • •

अगर मोहब्बत का शौक रखते हो तो दिल से रखो

जिस्म के दीवाने तो यहाँ जानवर भी होते हैं

• • •

हम अपनी रूह तेरे जिस्म में छोड़ आए फ़राज
तुझे गले से लगाना तो एक बहाना था

• • •

किया था वादा दोनों ने जीना मरना हैं एक साथ
मेरा जिस्म नीला पड़ा और उनके हुए पीले हाथ

• • •

जला है जिस्म जहाँ दिल भी जल गया होगा
कुरेदते हो जो अब राख जुस्तजु क्या है

• • •

जिस्म को जिस्म की ही तलाश है
इसे इश्क़ न कहो ये महज प्यास है

• • •

मौत की शह देकर तुमने समझा अब तो मात हुई
मैंने जिस्म का खोल उतार के सौंप दिया और रूह बचा ली

• • •

ओझल हुआ मैं उनकी नज़र से तो यों लगा
जैसे जिस्म से जान जुदा हो गई

• • •

मैं सोचती हूँ कि इक जिस्म के पुजारी को
मेरी वफ़ा ने वफ़ा का सुहाग क्यों समझा

• • •

तमाम जिस्म को आँखें बना के राह तको
तमाम खेल मोहब्बत में इंतज़ार का है

• • •

रात को वो थकन से लड़ता है
जिस्म दिन भर जेहन से लड़ता है

• • •

फ़िकर तेरी भी होती है मुझको कभी-कभी
न जाने किस मोड़ पर तुझको छोड़ जाए
तेरे जिस्म को चाहनेवाले

• • •

तमन्ना तेरे जिस्म की होती तो छीन लेते दुनिया से
इश्क़ तेरी रूह से है इसलिए खुदा से माँगते हैं तुझे

• • •

अब उसे न सोचू तो जिस्म टूटने सा लगता है
एक वक़्त गुज़रा है उसके नाम का नशा करतेकरते

• • •

जब यार मेरा हो पास मेरे मैं क्यों न हद से गुज़र जाऊँ
जिस्म बना लूँ उसे मैं अपना या रूह मैं उसकी बन जाऊँ

• • •

सिझ रहे हैं अरमान गरम जिस्म की सिगड़ी में

सर्द रातों में दिल की आँच एकदम बराबर है

● ● ●

रूह की आड़ में जिस्म तक नोच खाते हैं लोग

प्यार के नाम पर हवस की आग बुझाते हैं लोग

● ● ●

इनसान के जिस्म का सबसे खूबसूरत हिस्सा दिल है

और अगर वो ही साफ़ न हो तो चमकता चेहरा किसी काम का नहीं

● ● ●

इंतज़ार तो प्यार में वही कर सकता है

जिसमें सिर्फ़ दिल से प्यार किया हो जिस्म से नहीं

● ● ●

जो मेरे दिल में है तेरे दिल में भी वही आरजू चाहिए

मोहब्बत में मुझे सिर्फ़ जिस्म नहीं तेरी रूह चाहिए

● ● ●

मैं दिल हूँ तुम साँसे मैं जिस्म हूँ तुम जान

मैं चाहत हूँ तुम इबादत मैं नशा हूँ तुम आदत

● ● ●

सच पूछो तो एक बात बताऊँ

अब जिस्म का तमाशा है मोहब्बत मर चुकी है

● ● ●

कौन कहता है कि तुम दूर हो मुझसे

मैं जिस्म हूँ तो जान हो तुम मेरी

● ● ●

महकता हुआ जिस्म तेरा गुलाब जैसा है

नींद के सफ़र में तू ख़्वाब जैसा है

● ● ●

रख दी है उसने खोल के ख़ुद जिस्म की किताब

सादा वरक़ पे ले कोई मंज़र उतार दे

● ● ●

किसी के जिस्म को चिथड़ा तक नहीं हासिल

किसी की खिड़कियों के परदे भी मखमल के होते हैं

● ● ●

इश्क़ जिस्मानी खेल बन के रह गया

पनघट किनारे इंतज़ार करने के ज़माने चले गए

● ● ●

जिस्म से होनेवाली मोहब्बत का इज़हार आसान होता है

रूह से हुई मोहब्बत समझने में ज़िंदगी गुज़र जाती है

● ● ●

भरोसे के एहसास पर ज़िंदा रहती है मोहब्बत

साँसो से तो सिर्फ़ जिस्म चलता है

● ● ●

सपना है आँखों में मगर नींद कहीं और है

दिल तो है जिस्म में मगर धड़कन कहीं और है

• • •

न हवस तेरे जिस्म की न शौक तेरी खूबसूरती का
बेमतलबी सा बंदा हूँ बस तेरी सादगी पे मरता हूँ

• • •

जिस्म तो बहुत सँवार चुके रूह का सिंगार कीजिए
फूल शाख से न तोड़िए ख़ुशबूओं से प्यार कीजिए

• • •

जिस्म से रूह तक जाए तो हकीकत है इश्क़
और रूह से रूह तक जाए तो इबादत है इश्क़

• • •

तेरा वजूद दिल में कुछ इस तरह हैं
के जिस्म में खून के बजाय तेरी यादें बहती हैं

• • •

किसी का ऐब तलाश करनेवाले मिसाल उस मक्खी के जैसी है
जो सारा खूबसूरत जिस्म छोड़ सिर्फ़ ज़ख्म पर बैठती है

• • •

जिस्म बना लूँ उसे मैं अपना या रूह मैं उसकी बन जाऊँ
लबों से छू लूँ जिस्म तेरा साँसों में साँस जगा जाऊँ
तू कहे अगर इक बार मुझे मैं ख़ुद ही तुझमें समा जाऊँ

• • •

खाक थी और जिस्म ओ जाँ कहते रहे
चंद ईंटों को मकाँ कहते रहे

• • •

जिस्म की दरारों से रूह नज़र आने लगी है
बहुत अंदर तक तोड़ गया है इश्क़ तुम्हारा

• • •

आज जिस्म में जान है तो देखते नहीं हैं लोग
जब रूह निकल जाएगी तो कफ़न हटा-हटाकर देखेंगे लोग

• • •

किसी से जुदा होना इतना आसान होता तो
रूह को जिस्म से लेने फ़रिश्ते नहीं आते

• • •

इश्क़ जिस्म से नहीं रूह से किया जाता है
जिस्म तो एक लिबास है ये हर जनम बदल जाता है

• • •

दर्द गूँज रहा दिल में शहनाई की तरह
जिस्म से मौत की ये सगाई तो नहीं

• • •

कुछ इस तरह से बसे हो तुम मेरे अहसासों में
जैसे धड़कन दिल में मछली पानी में रूह जिस्म में

• • •

मेरा वजूद मिट रहा है इश्क़ में तेरे
अब यह न कहना की जिस्म की चाहत है मुझे

• • •

मत रख हमसे वफ़ा की उम्मीद
हमने हर दम बेवफ़ाई पाई है
मत ढूँढ़ हमारे जिस्म पे ज़ख़्म के निशान
हमने हर चोट दिल पे खाई है

• • •

बढ़ती उमर का इश्क़ और ढलती उमर की ख़्वाहिश
ख़ूबसूरत जिस्म नहीं ख़ूबसूरत साथ ढूँढ़ता है

• • •

जालिम

बहुत जालिम हो तुम भी मुहब्बत ऐसे करते
हो जैसे घर के पिंजरे में परिंदा पाल रखा हो

• • •

तुम जानती हो कि मैं बहुत जालिम हूँ
फिर इतना मोहब्बत क्यों करती हो मुझसे
तुम कहती हो मोहब्बत बहुत असर रखती है
और उसी से मैं बदल डालूँगी तुम्हें

• • •

इतने जालिम न बनो कुछ तो कदर करो
तुम पर मरते हैं तो क्या मार ही डालोगे

• • •

अब जो कहती हो कि जालिम से बने बैठे हो
तुम जरा याद करो मोहब्बत भी रहा हूँ मैं

• • •

दुनिया बड़ी जालिम है हर बात छिपानी पड़ती है
दिल में दर्द होता है फिर भी होंटो पर हँसी लानी पड़ती है

• • •

जालिम ने दिल उस वक़्त तोड़ा
जब हम उसके गुलाम हो गए

• • •

पलटकर देख ये जालिम तमन्ना हम भी रखते हैं
तुम अगर हुस्न रखती हो तो जवानी हम भी रखते हैं

• • •

मैं कहता था न कि वक़्त जालिम होता है
देख लो हकीकत से ख्वाब हो गए तुम भी

• • •

सुन चुके जब हाल मेरा ले के अँगड़ाई कहा
किस ग़ज़ब का दर्द जालिम तेरे अफ़साने में था

• • •

क्रांतिल हैं जालिम की नीची निगाहें
ख़ुदा जाने क्या हों जो नज़रें उठाले

• • •

हज़ारों चाहने वाले हैं दीवाना नहीं मिलता
जो हम पर जान भी वारे वो परवाना नहीं मिलता
अजी हम तो बड़े ही शौक्र से बरबाद हो जाएँ
मुहब्बत का मगर जालिम ये नज़राना नहीं मिलता

• • •

जालिम तो ये ठंड भी हैं सनम
मज़बूर कर देती हैं मुझे हर बार
तेरी बाँहों में समा जाने के लिए

• • •

बड़े गुस्ताख हैं झुककर तेरा चेहरा चूम लेते हैं
तुमने भी जानम जालिम जुल्फों को सर चढ़ा रखा है

• • •

इश्क सभी को जीना सिखा देता है
वफ़ा के नाम पर मरना सिखा देता है
इश्क नहीं किया तो करके देखो
जालिम हर दर्द सहना सिखा देता है

• • •

इश्क सभी को जीना सिखा देता है
वफ़ा के नाम पे मरना सिखा देता है
इश्क नहीं किया तो करके देखो
जालिम हर दर्द को पीना सिखा देता है

• • •

वो सुर्ख होंठ और उन पर जालिम अँगड़ाइयाँ
तू ही बता ये दिल मरता न तो क्या करता

• • •

ये जालिम हिचकियाँ थमती क्यों नहीं आखिर
किसके जहन में आकर यों थम सा गया हूँ मैं

• • •

ये उदास शाम और तेरी जालिम याद
खुदा खैर करे अभी तो रात बाकी है

• • •

बड़ा जालिम ज़माना है यहाँ हर शख्स सयाना है
यह मैं नहीं कहता ये भी कहता ज़माना है

• • •

बदला हुआ वक्त है जालिम ज़माना है
यहाँ मतलबी रिश्ते हैं फिर भी निभाना है

• • •

बरबाद न कर जालिम ठोकर से मजारों को
इस शहर-ए-खामोशा को मर-मर के बसाया है

• • •

जालिम ज़ख्म पर ज़ख्म दिए जा रहा है
शायद जान गया है उसकी हर अदा पे मरते हैं हम

• • •

ये उदास शाम और तेरी जालिम याद
खुदा खैर करे अभी तो रात बाकी है

• • •

सुनो जालिम बहुत भाता है मुझे ये सबेरा
बस सुबह का सूरज बनकर तुम मेरे साथ रहो

• • •

ये जालिम मोहब्बत नूर को भी बेनूर कर देती है
जिसके करीब रहना चाहो उससे ही दूर कर देती है

• • •

नफ़रत है मुझे आज ज़ालिम तेरे उस रुख़सार से
जिसे देखकर मैं अक्रसर दीवाना हुआ करता था

• • •

तू वो ज़ालिम है जो दिल में रहकर भी मेरा न बन सका
और दिल वो काफ़िर जो मुझमें रहकर भी तेरा हो गया

• • •

राज दिल में छुपाए रहते हैं
अपने आँखों से छलकने नहीं देते
क्या ज़ालिम अदा है उस हसीं की
ज़ख़्म भी देते हैं और तड़पने नहीं देते

• • •

ज़ालिम तेरी अदा हैं आँखें तेरी कटारी
मुसकान तेरी कातिल कैसे बचे बिहारी

• • •

तेरा हुस्न वो कातिल है ज़ालिम
जो क़त्ल तो करता है और
हाथ में तलवार भी नहीं रखता

• • •

मसला ये भी है इस ज़ालिम दुनिया का
कोई अगर अच्छा भी है तो क्यों है

• • •

राज दिल में छुपाए रहते हैं
अपने आँखों से छलकने नहीं देते
क्या ज़ालिम अदा है उस हसीं की
ज़ख़्म भी देते हैं और तड़पने नहीं देते

• • •

दिन से माह माह से साल गुज़र गई है
अब तो आज़ा ज़ालिम आँखें तरस गई है

• • •

बहुत ज़ालिम निगाहें हैं इन्हें मासूम मत समझो
अगर तप़तीश हो जाए हज़ारों क़त्ल निकलेंगे

• • •

अधरों से लगा ले ज़ालिम बाँसुरी हो जाऊँगी
इश्क़ हैतुमसे ज़ालिम सारे ज़हान को सुनाऊँगी

• • •

कोई और कर्ज होता तो उतार देता
ये ज़ालिम इश्क़ का कर्ज उतारा नहीं जाता

• • •

उधर ज़ालिम ने जुल्फ़ें झटक दी
यहाँ दीवाना जान से गया

• • •

क्रल्ल

कभी क्रल्ल कर दिया और कभी वार कर दिया
उनकी मस्त अदाओं ने हमें बेक्रार कर दिया

• • •

झुमके से कहे दो गालों को चूमना छोड़ दे
इश्क रुस्वा हुआ तो क्रल्ल हज़ार होंगे

• • •

माफ़ी भी दूर से देना इस शहर में सबको
कई क्रल्ल हुए हैं माफ़ करने के बाद

• • •

क्रल्ल कर या कर इश्क मुकम्मल हमसे
दोनों ही सूरत में तेरे नाम से फ़ना होना है हमको

• • •

महफ़िल भी रोएगी हर दिल भी रोएगा
डुबा कर मेरी कश्ती साहिल भी रोएगा
इतना प्यार बिखेर देंगे दुनिया में हम
क्रल्ल करके हमारा कातिल भी रोयेगा

क्रल्ल

क्रल्ल करने की खुली छूट है अब भी लेकिन
प्यार मत करना यहाँ प्यार पे पाबंदी है

• • •

इतना भी दर्द न दे
ऐ जिंदगी प्यार ही किया था
किसी का क्रल्ल नहीं

• • •

खंजर वाले तो मुफ्त में बदनाम होते हैं
ये हसीनों का शहर है अदाओं से क्रल्लेआम होते हैं

• • •

क्रल्ल करके जाता तो वो दुनिया की नज़रों में आ जाता
समझदार कातिल था बस मोहब्बत करके छोड़ दिया

• • •

क्रल्ल कर दे हम वो नज़र रखते हैं
मगर मोहब्बत करें हम वो दिल भी रखते हैं

• • •

उस नज़र को क्राबिले तारीफ़ कैसे कहूँ
जो हर आशिक़ के क्रल्ल की गुनहगार है

• • •

हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं बदनाम
वो क्रल्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होता

• • •

उसने दोस्ती चाही मुझे प्यार हो गया
फिर क्या हुआ हम अपने ही क्रल्ल के गुनहगार हो गए

• • •

क्रल्ल किया था जिसने
मेरी मासूम मुहब्बत का
वो बाइज़जत बरी है और हम
इश्क़ करके सारे शहर के गुनहगार हो गए

• • •

इरादा क्रल्ल का था तो मेरा सर कलम कर देते
क्यू इश्क़ में डालकर तुने हर साँस पर मौत लिख दी

• • •

कोई योगी आए बेवफ़ाओं के शहर में भी
ख्वाहिशों के क्रल्लखाने वहाँ भी बंद करवाने हैं

• • •

कातिल नज़रों से जो क्रल्ल किया तो
इश्क़ की चाहत उभर आई है
मोहब्बत को छुपा लूँ दिल में
आँखें तो हरज्जाई है

• • •

तेरा हुस्न वो कातिल है ज़ालिम
जो क्रत्ल तो करता है और
हाथ में तलवार भी नहीं रखता

• • •

क्रत्ल कर के वो कातिल का नाम पूछते हैं
दर्द देकर वो दावा का नाम पूछते हैं
मार गए हम उनकी इस अदा पे
होकर मेरे खुदा वो मेरे रहनुमा का नाम पूछते हैं

• • •

माफ़ी भी दूर से देना इस शहर में सबको
कई क्रत्ल हुए हैं माफ़ करने के बाद

• • •

क्रातिल तेरे शहर में एक और क्रत्ल हो गया
दास्ताँ मेरी सुनकर सदमें में वो गुज़र गया

• • •

सोच रहा हूँ इस सादगी का क्रत्ल कर दूँ
मैं तुम्हें भरी महफ़िल में गले लगाना चाहता हूँ

• • •

हमप को क्रत्ल करते हैं हमीं से पूछते हैं वो
शहीदेनाज बतलाओ मेरी तलवार कैसी है

• • •

वो आँखों से क्रत्ल करते हैं और फरमाते हैं आराम
हम अँगड़ाइयाँ भी लेते हैं तो हो जाते हैं बदनाम

• • •

इतने सलीके से क्रत्ल किया है उसने
दुनिया अब भी समझती है कि जिंदा हूँ मैं

• • •

आँख बंद करके चलाना खंजर हम पे
कहीं हमने मुसकरा दिया तो क्रत्ल तुम्हारा होगा

• • •

कसूरवार तुम हो क्योंकि तुमने आँख मिलाई है
क्रत्ल हो जाते तो सब तुम्हें बेचारा कहते

• • •

मेरे क्रत्ल का इरादा हो तो खंजर से वार न करना
मेरे मरने के लिए काफी है तेरा औरों से प्यार करना

• • •

क्रत्ल हुआ इस तरह हमारा किस्तों में
कभी खंजर बदल गए कभी कातिल

• • •

क्रत्ल हुआ हमारा इस तरह किशतों में
कभी खंजर बदल गए कभी क्रातिल बदल गए

• • •

ग़जब हाल है हुस्न ए शबाब का
ये क़त्ल भी कर दें तो गुनहगार नहीं होते

• • •

मुझे अपनी फ़िक्र कहाँ मुझे तो फ़िक्र तुम्हारे इश्क़ की है
जिसका क़त्ल करने कि इजाज़त मेरा जमीर मुझे नहीं देता

• • •

इरादा क़त्ल का था तो मेरा सर कलम कर देते
क्यों इश्क़ में डालकर तूने हर साँस पर मौत लिख दी

• • •

या तो क़त्ल करके ख़त्म कर दे
या फिर मुहब्बत करके मुक़म्मल कर दे

• • •

फुरसत

तुम्हें गैरों से कब फुरसत
हम अपने गम से कब खाली
चलो बहुत हो गया मिलना
न तुम खाली न हम खाली

• • •

तुम ताल्लुक तोड़ने का जिक्र किसी से भी न करना
हम लोगों से कह देंगे कि उन्हें फुरसत नहीं मिलती

• • •

मोहब्बत करने से फुरसत नहीं मिली यारों
वरना हम करके बताते नफ़रत किसको कहते हैं

• • •

कभी मिले तुम्हें फुरसत तो इतना जरूर बताना
वो कौन सी मोहब्बत थी हम तुम्हें दे न सके

• • •

फुरसत मिले तो चाँद से मेरे दर्द की कहानी पृष्ठ लेना
एक वही तो है हमराज मेरा तेरे सो जाने के बाद

• • •

तुम्हें जब कभी मिले फुरसतें
मेरे दिल से बोझ उतार दो
मैं बहुत दिनों से उदास हूँ
मुझे कोई शाम उधार दो

• • •

फुरसत अगर मिलें तो मुझे पढ़ना जरूर
मैं तेरी उलझनों का मुकम्मल जवाब हूँ

• • •

मसरूफ रहने का अंदाज आपको तन्हा न कर दे
रिश्ते फुरसत के नहीं तवज्जो के मोहताज होते हैं

• • •

कमाल करता है ऐ दिल तू भी
उसे फुरसत नहीं और तुझे चैन नहीं

• • •

फुरसत में ही याद कर लिया करो हमें
दो पल माँगते हैं पूरी ज़िंदगी तो नहीं

• • •

काश तुझे कभी फुरसत में ये खयाल आ जाए
की कोई याद करता है तुम्हें ज़िंदगी समझकर

• • •

तमाम लोगों का हाल जाना तमाम लोगों से बात की
कभी फुरसत ही न मिल सकी ख़ुद से मुलाकात की

• • •

तेज रफ़्तार ज़माने में फ़ुरसत में बड़े हैं लोग
मेरी बातें करते हुए चौराहों पर खड़े हैं लोग

• • •

मिल जाए उलझनों से फ़ुरसत तो जरा सोचना
क्या सिर्फ़ फ़ुरसतों में याद करने तक का रिश्ता है हमसे

• • •

दिल ने आज फिर तेरे दीदार की ख्वाहिश रखी है
अगर फ़ुरसत मिले तो ख्वाबों में आ जाना

• • •

अधूरे मिलन की आस हैं ज़िंदगी
सुख-दुःख का एहसास हैं ज़िंदगी
फ़ुरसत मिले तो ख्वाबों में आया करो
तुम्हारे बिना बड़ी उदास हैं ज़िंदगी

• • •

खुद से मिलने की भी फ़ुरसत नहीं है अब मुझे
और वो औरों से मिलने का इल्जाम लगा रहे हैं

• • •

अभी मसरूफ़ हूँ काफी कभी फ़ुरसत में सोचूँगा
कि तुझको याद रखने में मैं क्या-क्या भूल जाता हूँ

• • •

ये जो चंद फ़ुरसत के लम्हे मिलते हैं जीने के लिए
मैं उन्हें भी तुम्हें सोचते हुए ही खर्च कर देता हूँ

• • •

पतझड़ को भी तू फ़ुरसत से देखा कर ऐ दिल
बिखरे हुए हर पत्ते की अपनी अलग कहानी है

• • •

नहीं फ़ुरसत यक़ीन मानो हमें कुछ और करने की
तेरी यादें तेरी बातें बहुत मसरूफ़ रखती हैं

• • •

काश उनको कभी फ़ुरसत में ये खयाल आए
कि कोई याद करता है उन्हें ज़िंदगी समझकर

• • •

हज़ूम ए दोस्तों से जब कभी फ़ुरसत मिले
अगर समझो मुनासिब तो हमें भी याद कर लेना

• • •

फ़ुरसत मिले तो उनका हाल भी पूछ लिया करो
जिनके सीने में दिल की जगह तुम धड़कते हों

• • •

फ़ुरसत मिले तो कभी हमें भी याद कर लेना फ़राज़
बड़ी पुर रौनक होती है यादें हम फकीरों की

• • •

फ़ुरसत निकालकर आओ कभी मेरी महफ़िल में
लौटते वक़्त दिल नहीं पाओगे अपने सीने में

• • •

काश उसको भी कभी फुरसत में ये खयाल आ जाए कि
कोई याद करता है उसे जिंदगी समझकर

• • •

फुरसत मिले तो उनका भी हाल पूछ लिया करो
जिनके सीने में दिल की जगह तुम धड़कते हो

• • •

फुरसत मिले तो आना कभी दिल की गलियों तक
हम धड़कनों में अपनी तुम्हारा नाम सुनाएँगे

• • •

सबकुछ मिला सुकून की दौलत नहीं मिली
एक तुझको भूल जाने की मौहलत नहीं मिली
करने को बहुत काम थे अपने लिए मगर
हमको तेरे खयाल से कभी फुरसत नहीं मिली

• • •

तुम्हें फुरसत नहीं अपनी महफ़िल से
और हम तुम्हें हर पल याद करते हैं

• • •

खुदा ने बड़ी फुरसत से बनाया है तुम्हें
तभी तो आज तक कोई तुमसा नहीं देखा

• • •

आज सुबह से ही हिचकिया आ रही हैं
लगता है आज उन्हें फुरसत मिल ही गई

• • •

लगता है उन्हें अब फुरसत नहीं मिलती मुझे याद करने की
तभी तो अब हिचकियाँ आती नहीं

• • •

खत्म कर दी थी जिंदगी की हर खुशियाँ तुम पर
कभी फुरसत मिले तो सोचना मोहब्बत किसने की थी

• • •

मंज़िल पे पहुँचकर लिखूँगा मैं इन रास्तों की मुश्किलों
का ज़िक्र अभी तो बस आगे बढ़ने से ही फुरसत नहीं

• • •

हमें फुरसत नहीं मिलती कभी आँसू बहाने से
कई ग़म पास आ बैठे तेरे एक दूर जाने से

• • •

जब हो थोड़ी फुरसत तो अपने मन की बात हमसे कह लेना
बहुत ख़ामोश रिश्ते कभी जिंदा नहीं रहते

• • •

मुझे तेरे सिवा कुछ सोचने की फुरसत नहीं
ओर तुम कहते हो मैं तुम्हें भूल जाऊँ

• • •

गुज़र गया आज का दिन पहले की तरह

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>

न हमको फुरसत मिली न उनको खयाल आया

• • •

तेरे पास भी कम नहीं मेरे पास भी बहुत हैं
ये परेशानियाँ आजकल फुरसत में बहुत हैं

• • •

गुनाह

गुनाह किए होते तो माफ़ भी हो जाते साहिब
खता तो मुझसे ये हुई कि उनसे इश्क़ हो गया

• • •

ये मोहब्बत भी तो किसी गुनाह से कम नहीं
हर आशिक़ यहाँ सज़ायाफ़्ता है

• • •

तलब मौत की करना गुनाह है ज़माने में यारों
मरने का शौक़ है तो मुहब्बत क्यों नहीं करते

• • •

दुश्मनी हो जाती है मुफ़्त में सैकड़ों से
इनसान का बेहतरीन होना ही गुनाह है

• • •

ऐसा नहीं है कि हमें बातें बुरी नहीं लगती
एक बस तेरे लिये सारे गुनाह माफ़ है

• • •

गुनाह यार ए मोहब्बत हुआ है मुझसे
गुज़ारिश है कोई मेरे दिल को फाँसी दे दो

• • •

या अल्लाह हम सब पर अपनी रहमत कि बारिश कर दे
हमारे गुनाहों को माफ़ कर दे

• • •

इश्क़ का व्रत तेरे नाम पे रख लिया हमने
अब किसी और को सोचना भी गुनाह लगता है

• • •

तामतगिन इश्क़ में किसने क्या गुनाह किया
इश्क़ इक नशा था जो तूने भी किया और मैंने भी किया

• • •

मोहब्बत नेकओबद को सोचने दे ग़ैर मुमकिन है
बढ़ी जब बेखुदी फिर कौन डरता है गुनाहों से

• • •

कोई अच्छा सा बहाना बनाना
तुम मुझसे खफ़ा होने का
क्योंकि तुझे चाहने के सिवा
मैंने अब तक कोई गुनाह नहीं किया है

• • •

क़ैदी होना तकदीर की बात है
कोई क़ैदी बनने गुनाह-ए-इश्क़ किए जा रहा है
तो कोई दिल का क़ैदख़ाना
खोलने को तैयार नहीं

• • •

छोड़ दें कोशिशें इनसानों को पहचानने की
यहाँ जरूरतों के हिसाब से बदलते नक्काब हैं
अपने गुनाहों पर सौ परदे डालकर
हर शाख्स कहता है ज़माना बड़ा ख़राब हैं

• • •

न ज़िद है न हमें कोई गुरूर है
बस तुम्हें पाने का हमें सुरूर है
इश्क़ गुनाह है तो ग़लती की
अब सज़ा जो भी हो हमें मंज़ूर है

• • •

प्यारे मैं उन गुनाहों के सदके जो तेरा दीदार करा दे
हर सज़ाए सर आँखों पर मेरी जो मुझे तुमसे मिला दे

• • •

ख़ुद की मोहब्बत यहाँ फ़ना कौन करेगा
सभी नेक बन गए तो गुनाह कौन करेगा
ऐ ख़ुदा सनम बेवफ़ा को सलामत रखना
वरना रोज़ मेरी मौत की दुआ कौन करेगा

• • •

आज भी याद हैं मुझे अपने वो तीन गुनाह सनम
पहला मोहब्बत कर ली दूसरा तुमसे कर ली
तीसरा बेपनाह कर ली

• • •

गुनाह ही समझते हैं लोग मोहब्बत को
चाहे रब से हो या यार से

• • •

आशिक़ हूँ तेरा भोले अब तेरी रजा बता दे
गुनाह हैं गर ये तो सज़ा बता दे

• • •

कोई गुनाह नहीं है इश्क़ जो हम छुपाएँगे
हमने चाहा है तुमको हम तो सबको बताएँ

• • •

किसी के दिल में बसना कोई गुनाह तो नहीं
गुनाह है ये ज़माने के नज़र में तो
क्या ज़माने वाले कोई ख़ुदा तो नहीं

• • •

इश्क़ अगर गुनाह है तो गुनाहगार है ख़ुदा
जिसने बनाया दिल किसी पर आने के लिए

• • •

गुनाह करके सज़ा से डरते हैं
ज़हर पी के दवा से डरते हैं
दुश्मनों के सितम का खौफ़ नहीं हमें
हम तो दोस्तों के ख़फ़ा होने से डरते हैं

• • •

हर एक नज़र को गुनाह का हक़ है
हर नूर को एक आह का हक़ है
हम भी एक दिल लेकर आए हे इस दुनिया में
हमें भी ये गुनाह करने का हक़ है

• • •

कर दे मेरे गुनाहों को माफ़ ए खुदा
सुना है सोने के बाद कुछ लोगों की सुबह नहीं होती

• • •

अगर तेरे बिना जीना आसान होता तो
कसम मुहब्बत की तुझे याद करना भी गुनाह समझते

• • •

खुदगज़ों की बस्ती में एहसान भी गुनाह है
जिसे तैरना सिखाओ वही डुबाने को तैयार रहता है

• • •

मुद्दते हो गई गुनाह करते-करते
शर्म आती है अब दुआ करते हुए

• • •

तेरी रहमत भी मोहताज़ है मेरे गुनाहों की
मेरे बिना तू भी खुदा हो नहीं सकता

• • •

कोई समझे तो एक बात कहूँ
इश्क़ तौफ़ीक़ है गुनाह नहीं

• • •

बहाना कोई न बनाओ तुम मुझसे ख़फ़ा होने का
तुम्हें चाहने के अलावा कोई गुनाह नहीं है मेरा

• • •

क़ैदी हूँ पर मुल्जिम नहीं
मुझ पर मुहब्बत का इल्जाम है
वफ़ा के वास्ते मर मिटने चला था
बस मेरा इतना सा गुनाह है

• • •

वो रख ले कहीं अपने पास हमें क़ैद करके
काश कि हमसे कोई ऐसा गुनाह हो जाए

• • •

हर कोई रखता है ख़बर ग़ैरों के गुनाहों की
अजब फितरत हैं कोई आईना नहीं रखता

• • •

हमारे कुछ गुनाहों की सज़ा भी साथ चलती है
हम अब तन्हा नहीं चलते दवा भी साथ चलती है

• • •

सज़ा मिली उन गुनाहों की जो मेरे हरगिज़ न थे
मैं वो आँसू भी रोया जो खान साहब के नसीब में न थे

• • •

मन करता है कर लूँ मैं कबूल गुनाह अपना
पर सज़ा जो मुझे उनके दिल में उम्रक़ैद की मिले

• • •

तेरी ख्वाहिश कर ली तो कौन सा गुनाह किया
लोग तो इबादत में पूरी क़ायनात माँगते हैं ख़ुदा से

• • •

चल सनम एक गुनाह करते हैं
तुम बाँहों में रहो हम मोहब्बत बेपनाह करते हैं

• • •

अगर मोहब्बत गुनाह है तो गुनहगार है ख़ुदा
क्यों बनाया ये दिल किसी की रूह मैं उतर जाने के लिए

• • •

कोई और गुनाह करवा दे मुझसे मेरे ख़ुदा
मोहब्बत करना अब मेरे बस की बात नहीं

• • •

मुहब्बत करना गुनाह नहीं हैं
मुहब्बत में बेहक जाना गुनाह हैं

• • •

ख़ता मत गिन इश्क़ में किसने क्या गुनाह किया
इश्क़ इक नशा था तूने भी किया और मैंने भी किया

• • •

कोई किसी को पसंद करे तो कोई गुनाह नहीं
इश्क़ और पसंद दिल के दो अलग-अलग एहसास है

• • •

गुनाह मेरे बड़े हैं हैं तेरा दिल भी बड़ा
यकीन हैं माफ़ करेगा तभी हूँ दर पे खड़ा

• • •

गुनाहे इश्क़ में इक वो दौर भी बहुत खास रहा
जब मेरा न होकर भी तू मेरे बहुत पास रहा

• • •

रोज़ गुनाह करता हूँ आप छुपा लेते हो अपनी रहमत से
मैं मज़बूर हूँ अपनी आदत से आप मशहूर हो अपनी रहमत से

• • •

ज़ख्म

खंजर की क्या मजाल कि एक ज़ख्म कर सके
लेकिन तेरी बेरुखी से मैं बार-बार घायल हुआ हूँ

• • •

आज की रात बचेंगे तो सहर देखेंगे
तीरएनज़र देखेंगे ज़ख्म-ए-जिगर देखेंगे

• • •

नज़र लगे न कहीं उसके दस्तओ बाजू को
ये लोग क्यों मेरे ज़ख्मए जिगर को देखते हैं

• • •

फिर चोट खा गए हैं इस ज़ख्मी जिगर पे
फिर आज रो रहे हैं हम ग़मगीन नज़र से
ये रोज़ ही होता है कि तुम याद आते हो
दिल रोज़ कराहता है माज़ी के क्रहर से

• • •

तुमने जो कभी ज़ख्म के पौधे लगाए थे
आके देखो उनमें अब बहुत से फूल आए हैं

• • •

कौन कहता है कि मुसाफ़िर ज़ख्मी नहीं होते
रास्ते गवाह है बस कमबख़्त गवाही नहीं देते

• • •

ज़ख्म की बात नहीं है जाने क्यों दर्द होता है
धोखे की बात नहीं है जाने क्यों एहसास होता है
जानते हुए की वो बेवफ़ा है
न जाने फिर भी प्यार क्यों होता है

• • •

चाहतों से दिल में ग़म बहुत हैं
ज़िंदगी में मिले ज़ख्म बहुत हैं
मार ही डालती दुनिया कब की हमें
मगर दोस्तों की दुआओं में दम बहुत है

• • •

हमने तो बस इतना ही सीखा है
दोस्तों राहेमोहब्बत में कभी किनारा नहीं मिलता
जो मिल जाए इस राह पर कभी यार से
वो ज़ख्म कभी फिर दोबारा नहीं सिलता

• • •

बहुत हो चुका इंतज़ार उनका
अब और ज़ख्म सहे जाते नहीं
क्या बयान करें उनके सितम को
दर्द उनके अब कहे जाते नहीं

• • •

जिंदगी जख्मों से भरी है
वक्त को मरहम बनाना सीख लो
हारना तो मौत के सामने हैं
फ़िलहाल जिंदगी से जीतना सीख लो

• • •

दिल में है जो दर्द वो किसे बताएँ
हँसते हुए जख्म को किसे दिखाएँ
कहती है ये दुनिया हमें खुशनसीब
मगर नसीब की दास्तान किसे सुनाएँ

• • •

जख्म हजारों हैं सीने में
एक दिन तो भर जाएँगे
आँखों से भी मत पूछना ये अशक़ किस्ने दिए
नहीं तो कई अपने बिछड़ जाएँगे

• • •

जीवन में जख्म बड़े नहीं होते हैं
उनको भरनेवाले बड़े होते हैं
रिश्ते बड़े नहीं होते हैं
लेकिन रिश्तों को निभानेवाले बड़े होते हैं

• • •

जख्म देना का अंदाज़ कुछ ऐसा है
जख्म देकर पूछते हैं अब हाल कैसा है
जहर देकर कहते हैं पीना ही होगा
जब पी गए तो कहते हैं अब जीना ही होगा

• • •

जख्म जब मेरे सीने के भर जाएँगे
आँसू भी मोती बनकर बिखर जाएँगे
ये मत पूछना किसकिस ने धोखा दिया
वर्ना कुछ अपनों के चेहरे उतर जाएँगे

• • •

जख्म इतने गहरे हैं इज़हार क्या करें
हम खुद निशान बन गए वार क्या करें
मर गए हम मगर खुलो रही आँखें
अब इससे ज़्यादा इंतज़ार क्या करें

• • •

पास आकर सभी दूर चले जाते हैं
अकेले थे हम अकेले ही रह जाते हैं
इस दिल का दर्द दिखाएँ किसे
मल्हम लगाने वाले ही जख्म दे जाते हैं

• • •

दर्द भी वो दर्द जो दवा बन जाए
मुश्किलें बढ़ें तो आसां बन जाए
जख्म पाकर सिर झुका देता हूँ

जाने कौन पत्थर खुदा बन जाए

• • •

आँसुओं को पलकों तक लाया मत करो
दिल की बात किसी बताया मत करो
लोग मुट्ठी में नमक लिया फिरते हैं
ज़ख्म ये अपने किसी को दिखाया मत करो

• • •

वक्रत ने कई ज़ख्म भर दिए
मैं भी बहुत कुछ भूल चुका हूँ
पर किताबों पर धूल जमने से
कहानियाँ कहाँ बदलती है

• • •

लोग काँटों से बच के चलते हैं
मैंने फूलों से ज़ख्म खाए हैं

• • •

फूलों की चुभन पूछिए हमसे साहिब
काँटों से ज़ख्म तो दुनिया खाती है

• • •

इक नया ज़ख्म मिला एक नई उम्र मिली
जब किसी शहर में कुछ यार पुराने से मिले

• • •

शिद्दत ए दरद से शर्मिदा नहीं मेरी वफ़ा फराज़
दोस्त गहरे हैं तो फिर ज़ख्म भी गहरे होंगे

• • •

किसी के ज़ख्म का मरहम किसी के ग़म का इलाज
लोगों ने बाँट रखा है मुझे दवा की तरह

• • •

छोटे से दिल में ग़म बहुत है
ज़िंदगी में मिले ज़ख्म बहुत हैं
मार ही डालती कब की ये दुनिया हमें
कमबख्त दोस्तों की दुआओं में दम बहुत है

• • •

राज दिल में छुपाए रहते हैं
अपने आँखों से छलकने नहीं देते
क्या ज़ालिम अदा है उस हसी की
ज़ख्म भी देते हैं और तड़पने नहीं देते

• • •

ज़िंदगी ज़ख्मों से भरी है
वक्रत को मरहम बनाना सीख लो
हारना तो है एक दिन मौत से फिलहाल
दोस्तों के साथ ज़िंदगी जीना सीख लो

• • •

किसी का ऐब तलाश करनेवाले मिसाल

उस मक्खी के जैसी है
जो सारा खूबसूरत जिस्म छोड़
सिर्फ जख्म पर बैठती है

● ● ●

टूटे हुए सपने को सजाना आता है
रूटे हुए दिल को मनाना आता है
उसे कह दो हमारे जख्म की फ़िक्र न करे
हमें दर्द में भी मुसकराना आता है

● ● ●

जब लगा था तीर तब इतना दर्द न हुआ
जख्म का एहसास तब हुआ जब कमान देखी अपनों के हाथ में

● ● ●

तुम्हारे चाँद से चहरे पे गम अच्छे नहीं लगते
हमें कह दो चले जाओ जो हम अच्छे नहीं लगते
हमें वो जख्म दे जाना जो सारी उम्र न भर पाए
जो जल्दी भर के मिट जाए वो जख्म अच्छे नहीं लगते

● ● ●

जख्म ऐसा दिया की कोई दवा काम नहीं आई
आग ऐसी लगाई की पानी से भी बुझ न पाई
आज भी रोते हैं उनकी याद में जो छोड़कर चले गए
और उन्हें हमारी याद तक न आ

● ● ●

आज भी बहता है उसका दिया हुआ जख्म
मैं चाह कर भी उसे सील न पाया
बस कहने के लिए ही ज़िंदा हूँ
मैं तो यारों पर मर्जी के साथ कभी जी नहीं पाया

● ● ●

हर जख्म किसी ठोकर की मेहरबानी है
मेरी ज़िंदगी बस एक कहानी है
मिटा देते सनम के दर्द को सीने से
पर ये दर्द ही उसकी आखिरी निशानी है

● ● ●

मत रख हमसे वफ़ा की उम्मीद
हमने हर दम बेवफ़ाई पाई है
मत ढूँढ़ हमारे जिस्म पे जख्म के निशान
हमने हर चोट दिल पे खाई है

● ● ●

शहर में बिखरी हुई हैं जख्म-ए-दिल की खुशबुएँ
ऐसा लगता है के दीवानों का मौसम आ गया

● ● ●

गलत कहते हैं लोग कि
सफेद रंग मैं वफ़ा होती है यारो
अगर ऐसा होता तो आज नमक

ज़ख्मों की दवा होती

● ● ●

जितना छिड़का है तूने ज़ख्मों पे
उतना खाया नहीं नमक तेरा

● ● ●

न ज़ख्म भरे न शराब सहारा हुई
न वो वापस लौटीं न मोहब्बत दोबारा हुई

● ● ●

ज़ख्मों के बावजूद मेरा हौसला तो देख
तू हँसी तो मैं भी तेरे साथ हँस दिया

● ● ●

ये तेरी जुदाई का यादगार है
वरना एक ज़ख्म भरने में
देर कितनी लगती है

● ● ●

मैं हँसकर अपना दर्द सुनाऊँगा तुम रो भी नहीं पाओगे
मेरे ज़ख्मों को आज कुरेदे गर तुम सो भी नहीं पाओगे

● ● ●

तुझसे अच्छे तो ज़ख्म हैं मेरे
उतनी ही तकलीफ़ देते हैं
जितनी बरदाश्त कर सकूँ

● ● ●

फिर कोई ज़ख्म मिलेगा तैयार रह ऐ दिल
कुछ लोग फिर पेश आ रहे हैं बहुत प्यार से

● ● ●

ज़ख्म पाकर सिर झुका देता हूँ
जाने कौन पत्थर खुदा बन जाए

● ● ●

वो जान गई थी हमें दर्द में मुसकराने की आदत हैं
वो रोज़ नया ज़ख्म देती थी मेरी खुशी के लिए

● ● ●

मुसकराहट यों मेरे दिल के ज़ख्मों को छुपा लेती है
माँ जैसे अपने बच्चों के ऐबों को सबसे छुपा लेती है

● ● ●

मैं ज़ख्म खरीदता हूँ मोहब्बत के भाव में
ज़ख्म है कि दिखते नहीं मगर ये मत समझिए कि दुखते नहीं

● ● ●

मरहम न सही एक ज़ख्म ही दे दो
महूसस तो हो के कोई हमें भुला नहीं

● ● ●

ज़ख्म देकर न पुछा करो दर्द की शिद्दत
दर्द तो दर्द होता है थोड़ा क्या ज़्यादा क्या

● ● ●

बैठकर उदास लम्हों में ये सोचता हूँ
दुश्मनी भी नहीं किसी से
फिर जख्म गहरे क्यों हुए

● ● ●

ये दिल हर जख्म सहन कर सकता था
पता नहीं तुम्हारे दिए हुए जख्म क्यों नहीं सह पाया

● ● ●

काश बनानेवाले ने दिल काँच के बनाए होते
जख्म तोड़नेवाले के हाथ में जख्म तो आए होते

● ● ●

तुमने तीर चलाया तो कोई बात न थी
जख्म मैंने जो दिखाया तो बुरा मान गए

● ● ●

एक दो जख्म नहीं जिस्म है सारा छलनी
दर्द बेचारा परेशाँ है कहाँ से निकले

● ● ●

शरीर पर जो जख्म-ए-निशान हैं वो बचपन के हैं
बाद के तो सारे दिलओदिमाग पर है

● ● ●

जितने भी जख्म थे सबको सहलाने आए है
वो माशुक खंजर के सहारे मरहम लगाने आए हैं

● ● ●

कुछ लोग मेरी शायरी से सीते हैं अपने जख्म
कुछ लोगो को मैं चुभता हूँ एक नोक की तरह

● ● ●

किसी के दर्द की दवा बनो
जख्म तो हर इन्सान देता है

● ● ●

गलत कहते हैं लोग कि सफेद रंग मैं वफ़ा होती है दोस्तो
अगर ऐसा होता तो आज नमक जख्मों की दवा होता

● ● ●

जख्मों के बावजूद मेरा हौसला तो देख
तू हँसी तो मैं भी तेरे साथ हँस दिया

● ● ●

जख्म ही देना था तो पूरा जिस्म तेरे हवाले था
लेकिन कम्बख्त ने जब भी वार किया दिल पर ही किया

● ● ●

मरहम की जरूरत नहीं है मुझे
जख्म देकर कम-से-कम
हाल तो पूछ लिया करो

● ● ●

जख्म ताज़ा हैं अभी यों न लगाओ मरहम
दर्द बढ़ जाता है कुछ और भी सहलाने से

• • •

कुछ जख्म भी सदियों बाद भी ताजा रहते हैं फ़राज
वक्त के पास भी हर मर्ज़ की दवा नहीं होती

• • •

तुम मुझ पर लगाओ मैं तुम पर लगाता हूँ
ये जख्म मरहम से नहीं आरोंपों से भर जाएँगे

• • •

ए इश्क़ मुझको कुछ और जख्म चाहिए
अब मेरी शायरी में वो बात नहीं रही

• • •

नमक तुम हाथ में लेकर सितमगर सोचते क्या हो
हजारों जख्म हैं दिल पर जहाँ चाहो छिड़क डालो

• • •

हाथ जख्मी हुए तो कुछ अपनी ही ख़ता थी
लकीरों को मिटाना चाहा किसी को पाने की ख़ातिर

• • •

मेरी चाहत को मेरे हालात के तराजू में कभी मत तोलना
मैंने वो जख्म भी खाए हैं जो मेरी क्रिस्मत में नहीं थे

• • •

किसी के जख्म पर चाहत से पट्टी कौन बाँधेगा
अगर बहनें नहीं होंगी तो राखी कौन बाँधेगा

• • •

देर तो लगती है उसको भरने में
जिस जख्म में शामिल हो अपनों की इनायत

• • •

हर सितम सहकर कितने ग़म छिपाए हमने
तेरी ख़ातिर हर दिन आँसू बहाए हमने
तू छोड़ गया जहाँ हमें राहों में अकेला
बस तेरे दिए जख्म हर एक से छिपाए हमने

• • •

जुबान ख़ामोश आँखों में नमी होगी
यही बस मेरी एक दास्ताँ ऐ ज़िंदगी होगी
भरने को हर जख्म भर जाएगा कैसे
भरेगी वो जगह जहाँ तेरी कमी होगी

• • •

दर्द कितने है बता नहीं सकता
जख्म कितने है दिखा नहीं सकता
आँखों से समझ सको तो समझ लो
आँसू गिरे हैं कितने गिना नहीं सकता

• • •

एक ही जख्म नहीं पूरा वजूद ही जख्मी है
दर्द भी हैरान है आख़िर कहाँ-कहाँ से उठे

• • •

चोट लगी तो अपने अंदर चुपके-चुपके रो लेते हो
अच्छी बात है आसानी से ज़ख्मों को तुम धो लेते हो

• • •

हर ज़ख्म किसी ठोकर की मेहरबानी है
मेरी ज़िंदगी बस एक कहानी है मिटा देते
सनम के दर्द को सीने से पर ये दर्द ही
उसकी आखिरी निशानी है

• • •

अपने सितम को देख लेना ख़ुद ही साक़ी तुम
ज़ख्म ऐ ज़िगर तुमको दिखाएँगे किसी रोज़

• • •

फ़ासला

मसला ये है कि उसके दिल में घर कैसे करें
दरमियाँ के फ़ासले का तय सफ़र कैसे करें

• • •

दूरी हुई तो उसके करीब और हम हुए
ये कैसे फ़ासले थे जो बढ़ने से कम हुए

• • •

उम्र का फ़ासला कभी दिल में नहीं आया
जब इस दिल को तुमसे प्यार हुआ

• • •

परखना मत परखने में कोई अपना नहीं रहता
किसी भी आईने में देर तक चेहरा नहीं रहता
बड़े लोगों से मिलने में हमेशा फ़ासला रखना
जहाँ दरिया समुंदर से मिला दरिया नहीं रहता

• • •

मुलाकातों में ज़रा फ़ासला रखिए
बेताबियों से इश्क़ ख़ूबसूरत होता है

• • •

फ़ासला तो है मगर कोई फ़ासला नहीं
मुझसे तू जुदा सही दिल से तो जुदा नहीं

• • •

बड़े लोगों से मिलने में हमेशा फ़ासला रखना
जहाँ दरिया समुंदर से मिला दरिया नहीं रहता

• • •

किसे भूल जाएँ किसे याद रखें मुश्किल है फ़ैसला
दिल और दिमाग़ के बीच तो बहुत कम है फ़ासला

• • •

फ़ासले ऐसे भी होंगे ये कभी सोचा न था
सामने बैठा था मेरे और वो मेरा न था

• • •

दिल से दिल का फ़ासला कुछ यों तय हो जाए
दिल मेरा धड़के और तुझे खबर हो जाए

• • •

फ़ासला रखकर क्या हासिल कर लिया तुमने
रहते तो आज भी तुम मेरे दिल में ही हो

• • •

मेरी रूह का मिलन तेरी रूह से हो जाए
कुछ इस तरह मेरे लब आज तेरे लबों को छू जाए
मिटकर हर फ़ासला हम दोनों के दरमियाँ
क्यों न आज तुम हमारे और हम तुम्हारे हो जाएँ

• • •

साफ़-साफ़ कह दो अगर कोई गिला है तो
फ़ासला फ़ासले से बेहतर है

• • •

तुकराया हमने भी बहुतों को है तेरी खातिर
तुझ से फ़ासला भी शायद उनकी बददुआओं का असर है

• • •

भूल जाओ तो फ़ासला है बहुत
याद रखो तो दिल के करीब है हम

• • •

चाँद से नज़दीकियाँ बढ़ने लगी है
आदमी में फ़ासला था फ़ासला है

• • •

फ़ासला नज़रों का धोखा है पर्दा हटाकर तो देखो
चमकते चाँद की चाँदनी में कभी गुनगुनाकर तो देखो

• • •

कोई हाथ भी न मिलाएगा
जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिज़ाज का शहर है
ज़रा फ़ासले से मिला करो

• • •

फ़ासला इसलिए रखा मैंने
वो करीब था हर किसी के

• • •

न करीब आ न तो दूर जा
ये जो फ़ासला है यही ठीक है
न गुज़र हदों से न हद बता
ये जो दायरा है यही ठीक है

• • •

मंज़िलें क्या है रास्ता क्या है
हौसला हो तो फ़ासला क्या है

• • •

दुनिया तो चाहती है यों ही फ़ासले रहें
दुनिया के मश्वरों पे न जा उस गली में चल

• • •

सबका खुशी से फ़ासला एक कदम है
हर घर में बस एक ही कमरा कम है

• • •

कर लूँ एक बार तेरा दीदार जी भर के मेरे दोस्त
मेरी मोहब्बत और तेरी नफ़रत के बीच का
फ़ासला खत्म हो जाएगा

• • •

फासले बढ़ते हैं तो गलतफहमियाँ भी बढ़ जाती हैं
फिर वो भी सुनाई देता है जो कहा भी न हो

• • •

तूने फैसले ही फासले बढ़ाने वाले किए थे
वरना कोई नहीं था तुझसे ज्यादा करीब मेरे

• • •

आज गुमनाम हूँ तो ज़रा फ़ासला रख मुझसे
कल फिर मशहूर हो जाऊँ तो कोई रिश्ता निकाल लेना

• • •

छोड़ो न जख्म और कुरेदो न ज़िंदगी
एक फ़ासला ही है जिसने हमें बाँध रखा है

• • •

कितने शिकवे गिले हैं पहले ही
राह में फ़ासले हैं पहले ही

• • •

तेरे मेरे दरमियाँ जो फ़ासला है
वो तेरी साजिश है या ख़ुदा का फैसला है

• • •

फ़ासला अब भी दो क़दमों का ही है
पहले कदम कौन बढ़ाए तय ये नहीं है

• • •

मिटाने की कोशिश तुमने भी की हमने भी की
हमने फ़ासला और तुमने हमारा वजूद

• • •

यों तो बहुत से हैं रास्ते मुझ तक पहुँचने के
राहएमोहब्बत से आना फ़ासला कम पड़ेगा

• • •

फ़ासला भी ज़रूरी है चिराग रोशन करते वक़्त
तजरुबा यह हाथ आया हाथ जल जाने के बाद

• • •

शायद कि ख़ुदा में और मुझमें
इक जस्त का और फ़ासला है

• • •

फ़ासला नज़रों का धोखा भी तो हो सकता है
वो मिले या न मिले हाथ बढ़ाकर देखो

• • •

मुहब्बतों में किसी से न कुछ गिला रखना
सिवा ख़ुदा के किसी का न आसरा रखना
ग़म और ख़ुशी के दरख़्तों में फ़ासला रखना
हमारे प्यार का गुलशन हरा भरा रखना

• • •

मुहब्बत में फ़ासला न रहे बाक़ी ऐ जान-ए-वफ़ा
जैसे पहलू में है दिल यों मेरे आग़ोश में आ

• • •

फ़ासला इश्क़ की शिद्दत को बढ़ा देता है

इसलिए रब ने मुझे तुझसे दूर रखा है

● ● ●

चंद फ़ासला जरूर रखिए हर रिश्तेह के दरमियान
क्योंकि बदलने वाले अक़सरि बेहद अजीज ही हुआ करते हैं

● ● ●

हमसे आया न गया उनसे बुलाया न गया
फ़ासला प्यार में दोनों से मिटाया न गया

● ● ●

करीब आने की कोशिश तो मैं करूँ लेकिन
हमारे बीच कोई फ़ासला दिखाई तो दे

● ● ●

हमारे दरमियाँ कुछ तो रहेगा
चाहे वो फ़ासला ही सही

● ● ●

हमें तुमसे मिलने के लिए मीलों का नहीं
सिर्फ़ पलकों का फ़ासला तय करना पड़ता है

● ● ●

न फ़ासला है न रास्ता है
वो शख्स मुझी में बसता है

● ● ●

कल के बारे में ज़्यादा सोचना अच्छा नहीं
चाय के कप से लबों तक का फ़ासला है जिंदगी

● ● ●

इश्क

मोहब्बत नहीं थी तो एक बार समझाया तो होता
बेचारा दिल तुम्हारी खामोशी को इश्क समझ बैठा

● ● ●

कितनी मासूम है दिल की ख्वाहिश
इश्क भी करना चाहता है और खुश भी रहना चाहता है

● ● ●

तेरी बातों में जिक्र मेरामेरी बातों में जिक्र तेरा
अजब सा ये इश्क हैं न तू मेरी न मैं तेरा

● ● ●

फ़रिश्ते ही होंगे जिनका हुआ इश्क मुकम्मल
इनसानों को तो हमने सिर्फ़ बरबाद होते देखा है

● ● ●

मैं भी हुआ करता था वकील इश्क वालों का कभी
नज़रें उससे क्या मिलीं आज खुद कटघरे में हूँ

● ● ●

इश्क है वही जो हो एक तरफ़ा
इजहार है इश्क तो ख्वाहिश बन जाती है
है अगर इश्क तो आँखों में दिखाओ
जुबां खोलने से ये नुमाइश बन जाती है

● ● ●

मेरे इश्क से मिली है तेरे हुस्न को ये शौहरत
तेरा जिक्र ही कहाँ था मेरी दीवानगी से पहले

● ● ●

कुछ तो शराफ़त सीख ले ऐ इश्क शराब से
बोतल पे लिखा तो होता है मैं जानलेवा हूँ

● ● ●

बरसों से कायम है इश्क अपने उसूलों पर
ये कल भी तकलीफ़ देता था ये आज भी तकलीफ़ देता है

● ● ●

बंद कर दिए हैं हमने तो दरवाज़े इश्क के
पर कमबख़्त तेरी यादें तो दरारों से ही चली आई

● ● ●

इश्क की गहराइयों में खूबसूरत क्या है
एक मैं हूँ एक तुम हो और ज़रूरत क्या है

● ● ●

ख़त्म हो गई कहानी बस कुछ अल्फ़ाज़ बाकी हैं
एक अधूरे इश्क की एक मुकम्मल सी याद बाकी है

● ● ●

इश्क ने हमें बेनाम कर दिया हर खुशी से हमें अंजान कर दिया
हमने तो कभी नहीं चाहा की हमें भी मोहब्बत हो

लेकिन तुम्हारी एक नज़र ने हमें नीलाम कर दिया

● ● ●

इश्क़ में मैं खुद को बेकसूर कहती थी पहले
भूल जाती हूँ कि इस दिल की भी तो शरारत थी कुछ

● ● ●

जाने कब उतरेगा क़र्ज़ उसकी मोहब्बत का
हर रोज़ आँसुओं से इश्क़ की किस्त भरते हैं

● ● ●

इश्क़ है तो शक़ कैसा
अगर नहीं है तो फिर हक़ कैसा

● ● ●

नयनों से नैन मिलाकर मोहब्बत का इजहार करूँ
बनकर ओस की बूँदे ज़िंदगी तेरी गुलज़ार करूँ
सँवर जाएगी तेरी मेरी ज़िंदगी इश्क़ के सफ़र में
थाम ले तू हाथ मेरा मैं तेरे हर वादे पे ऐतबार करूँ

● ● ●

ऐ इश्क़ मुझे अब और ज़ख़्म चाहिए
मेरी शायरी में अब वो बात नहीं रही

● ● ●

इश्क़ सूफी है न मुप्ती है न आलीम है
ये जालीम है बहूत जालीम है फकत जालीम है

● ● ●

इश्क़ ओर दोस्ती मेरे दो जहान हैं
इश्क़ मेरी रूह तो दोस्ती मेरा ईमान है
इश्क़ पर तो फिदा कर दूँ अपनी पूरी ज़िंदगी
पर दोस्ती पर मेरा इश्क़ भी क़ुरबान है

● ● ●

ख़ूबसूरत मैं नहीं ये तुम्हारा इश्क़ है
जो नूर बनकर मेरी आँखों से छलकता है

● ● ●

नादानियाँ झलकती हैं अभी भी मेरी आदतों से
मैं खुद हैरान हूँ के मुझे इश्क़ हुआ कैसे

● ● ●

प्यार का पहला इश्क़ का दूसरा
मोहब्बत का तीसरा अक्षर अधूरा होता है
इसलिए हम तुम्हें चाहते हैं
क्योंकि चाहत का हर अक्षर पूरा होता है

● ● ●

होशवालों को खबर क्या बेखुदी क्या चीज़ है
इश्क़ कीजिए फिर समझिए ज़िंदगी क्या चीज़ है

● ● ●

इश्क़ कर लीजिए बेइंतेहा किताबों से
एक यही ऐसी चीज़ है, जो अपनी बातों से पलटा नहीं करती

• • •

प्यार था मोहब्बत थी इश्क़ था अदा थी
सबकुछ था उस हसीन में अगर वफ़ा होती तो कयामत होती

• • •

वो करते हैं बात इश्क़ की
पर इश्क़ के दर्द का उन्हें एहसास नहीं
इश्क़ वो चाँद है जो दिखता तो है
सबको पर उसे पाना सबके बस की बात नहीं

• • •

आधे से कुछ ज़्यादा है पूरे से कुछ कम
कुछ ज़िंदगी कुछ ग़म कुछ इश्क़ कुछ हम

• • •

वो कहता है की बता तेरा दर्द कैसे समझूँ
मैंने कहा की इश्क़ कर और कर के हार जा

• • •

इश्क़ में इसलिए भी धोखा खाने लगे हैं लोग
दिल की जगह जिस्म को चाहने लगे हैं लोग

• • •

इश्क़ ने कब इजाज़त ली है आशिकों से
वो होता है और होकर ही रहता है

• • •

वो कहते हैं भूल जाओ पुरानी बातों को
कोई उसे समझाए कि इश्क़ कभी पुराना नहीं होता

• • •

ख़त्म हो गई कहानी बस कुछ अल्फ़ाज़ बाकी हैं
एक अधूरे इश्क़ की एक मुक़म्मल सी याद बाकी है

• • •

इश्क़ पाने की तमन्ना में कभी-कभी
ज़िंदगी खिलौना बन जाती है
जिसे दिल में बसाना चाहते हैं वो
सूरत सिर्फ़ याद बन जाती है

• • •

न आह सुनाई दी न तड़प दिखाई दी
बरबाद हो गए तेरे इश्क़ में हम बड़ी ख़ामोशी के साथ

• • •

दिल इश्क़ से बँधा हुआ एक जिद्दी परिदा है
उम्मीदों से ही घायल है उम्मीदों पर ही ज़िंदा

• • •

हुस्न की मल्लिका हो या साँवली सी सूरत
इश्क़ अगर रूह से हो तो हर चेहरा कमाल लगता है

• • •

इश्क़ का समंदर भी क्या समंदर है
जो डूब गया वो आशिक़ जो बच गया वो दीवाना

● ● ●

सच्चे इश्क में अल्फाज़ से ज्यादा
एहसास की एहमियत होती है

● ● ●

चाहने की वजह कुछ भी नहीं
बस इश्क की फितरत है बेवजह होना

● ● ●

रहना यों तेरे खयालों में ये मेरी आदत है
कोई कहता इश्क कोई कहता इबादत है

● ● ●

इन आँखों में कैद थे गुनाह ए इश्क की सजा के बेहिसाब आँसू
तेरी यादों ने आकर उनकी ज़मानत कर दी

● ● ●

ज़रूरी तो नहीं हर चाहत का मतलब इश्क हो
कभी कभी कुछ अनजान रिश्तों के लिए भी दिल बेचैन हो जाता है

● ● ●

क्रल्ल किया था जिसने मेरी मासूम मुहब्बत का
वो बाइज़्जत बरी है और हम इश्क करके सारे शहर के गुनहगार हो गए

● ● ●

इश्क तो साहब यों ही मुफ्त में बदनाम है
हुस्न खुद बेताब रहता है जलवा दिखाने के लिए

● ● ●

गलत सुना था कि इश्क आँखों से होता है
दिल तो वो भी ले जाते हैं जो पलकें तक नहीं उठाते हैं

● ● ●

इश्क के चर्चे भले ही सारी दुनिया में होते होंगे
पर दिल तो खामोशी से ही टूटते हैं

● ● ●

ऐ इश्क तेरा वकील बनके बुरा किया मैंने
यहाँ हर शायर तेरे खिलाफ सबूत लिये बैठा है

● ● ●

तेरे खत में इश्क की गवाही आज भी है
हफ़ा धुँधले हो गए पर स्याही आज भी है

● ● ●

तू यकीन करें या न करें तेरे साथ से मैं सँवर गई
तेरे इश्क के जुनून में मैं सारी हदों से गुज़र गई

● ● ●

किसी को इश्क की अच्छाई ने मार डाला
किसी को इश्क की गहराई ने मार डाला
करके इश्क कोई न बच सका
जो बच गया उससे तन्हाई ने मार डाला

● ● ●

बरबाद कर देती है मोहब्बत हर मोहब्बत करनेवाले को

इश्क़ हार नहीं मानता और दिल बात नहीं मानता

• • •

दुनिया में तेरे इश्क़ का चर्चा न करेंगे
मर जाएँगे लेकिन तुझे रुस्वा न करेंगे
गुस्ताख़ निगाहों से अगर तुमको गिला है
हम दूर से भी अब तुम्हें देखा न करेंगे

• • •

झुका ली उन्होंने नज़रे जब मेरा नाम आया
इश्क़ मेरा नाकाम ही सही पर कहीं तो काम आया

• • •

तुम हक़ीक़त-ए-इश्क़ हों या फ़रेब मेरी आँखों का
न दिल से निकलते हो न मेरी ज़िंदगी में आते हो

• • •

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>

इज़हार

इज़हार क्यों किया था इकरार क्यों किया था
जब जाना बहुत दूर फिर प्यार क्यों किया था
न थी कोई रंजिश और न थी कोई शिकायत
जब हार गया दिल तुझ पे ये वार क्यों किया था

• • •

तुझसे मैं इज़हार ए मोहब्बत इसलिए भी नहीं करता
सुना है बरसने के बाद बादल की अहमियत नहीं रहती

• • •

झुकी हुई नज़रों से इज़हार कर गया कोई
हमें खुद से बेखबर कर गया कोई
यों तो होंठों से कहा कुछ भी नहीं
आँखों से लाफ़ज़ बयां कर गया कोई

• • •

मेरी फितरत में नहीं अपने ग़म का इज़हार करना
अगर उसके वजूद का हिस्सा हूँ मैं
तो खुद महसूस करे वो तकलीफ़ मेरी

• • •

इज़हार एतबार और इनकार फासले अल्फ़ाज़ों के हैं
जब भी चाहो गुफ़्तगू कर लो मामले तो हम मिज़ाज़ों के हैं
कोई सोचता नहीं इम्तिहान लेने के खातिर
टूटते कितने दिल हम ख़यालों के हैं

• • •

इज़हार-ए-मुहब्बत के बाद भी मुहब्बत आधी अधूरी रह जाए
इससे तो बेहतर होगा कि मुहब्बत इक तरफ़ा ही निभाई जाए

• • •

इश्क़ इज़हार तक नहीं पहुँचा शाह दरबार तक नहीं पहुँचा
चारागर भी निजात पा लेते ज़हर बीमार तक नहीं पहुँचा
मेरी किस्मत कि मेरा दुश्मन भी
मेरे मयार तक नहीं पहुँचा
उससे बातें तो ख़ूब की लेकिन
सिलसिला प्यार तक नहीं पहुँचा

• • •

टकरा ही गई मेरी नज़र उनकी नज़र से
धोना ही पड़ा हाथ मुझे कल्बओजिगर से
इज़हार ए मोहब्बत न किया बस इसी डर से
ऐसा न हो गिर जाऊँ कहीं उनकी नज़र से ऐ

• • •

नज़रें मेरी थक न जाएँ कहीं
तेरा इंतज़ार करते-करते
यह जान मेरी यों ही निकल न जाए

तुमसे इश्क़ का इज़हार करते-करते

● ● ●

बड़ी मुश्किल में हूँ कैसे इज़हार करूँ
वो तो खुशबू है उसे कैसे गिरफ्तार करूँ
उसकी मोहब्बत पर मेरा हक़ नहीं लेकिन
दिल करता है आखिरी साँस तक उसका इंतज़ार करूँ

● ● ●

तमन्ना है मेरे दिल की सनम एक बार हो जाए
जाते-जाते दुनिया से तेरा दीदार हो जाए
मुहब्बत मैं भी करती हूँ मुहब्बत तुम भी करते हो
जमाने से है क्या डरना चलो इज़हार हो जाए

● ● ●

मिला वो भी नहीं करते मिला हम भी नहीं करते
उन्हें रुसवाई का दुःख हमें तन्हाई का डर
लेकिन ये भी सच है कि मोहब्बत उन्हें भी है हमसे
इकरार वो भी नहीं करते इज़हार हम भी नहीं करते

● ● ●

ग़म का इज़हार भी करने नहीं देती दुनिया
और मरता हूँ तो मरने नहीं देती दुनिया
सब ही मयख़ाना-ए-हस्ती से पिया करते हैं
मुझको इक़ ज़ाम भी भरने नहीं देती दुनिया

● ● ●

एक वक़्त था कि इज़हारे मोहब्बत के हमें शब्द नहीं मिलते थे
मेहरबानी तेरी बेवफ़ाई की हमको शायर बना दिया

● ● ●

अच्छा करते हैं वो लोग जो मोहब्बत का इज़हार नहीं करते
ख़ामोशी से मर जाते हैं, मगर किसी को बदनाम नहीं करते

● ● ●

इज़हार कर देना वरना
एक ख़ामोशी उम्र भर का इंतज़ार बन जाती है

● ● ●

भीगते बारिश के इस मौसम में
कुछ ऐसे उनका दीदार हुआ
एक पल में उनसे मोहब्बत हुई
जिंदगी भर उसका इज़हार हुआ

● ● ●

कर दिया हमने भी इज़हार ए मोहब्बत फ़ोन पर
लाख रुपए की बात थी एक रुपए में हो गई

● ● ●

बड़ी शिद्दत के साथ प्यार का इज़हार करने चले थे
पर उसने मुझसे पहले ऐसा करके जुबां पर ताला लगा दिया

● ● ●

मुहब्बत का कभी इज़हार करना ही नहीं आया

मेरी कश्ती को दरिया पार करना ही नहीं आया

● ● ●

एक इज़हार-ए-मोहब्बत ही बस होता नहीं हमसे
हमसा माहिर जहाँ में वरना और कौन है

● ● ●

जख्म इतने गहरे हैं इज़हार क्या करें
हम खुद निशाना बन गए वार क्या करें
मर गए हम मगर खुली रही ये आँखें
अब इससे ज्यादा उनका इंतज़ार क्या करें

● ● ●

मेरी शायरी मेरे तजुरबों का इज़हार है और कुछ भी नहीं
सोचता हूँ की कोई तो सँभल जाएगा मुझे पढ़ने के बाद

● ● ●

तेरी आँखों का इज़हार मैं पढ़ सकता हूँ पगली
किसी को अलविदा यों मुसकराकर नहीं कहते

● ● ●

जिस्म से होनेवाली मुहब्बत का इज़हार आसान होता है
रुह से हुई मुहब्बत को समझाने में ज़िंदगी गुज़र जाती है

● ● ●

इज़हार-ए-इश्क करो उससे जो हक़दार हो इसका
बड़ी नायाब शय है ये इसे ज़ाया नहीं करते

● ● ●

हमने हमारे इश्क़ का इज़हार यों किया
फूलों से तेरा नाम पत्थरों पे लिख दिया

● ● ●

देख मज़ाक न उड़ा गरीब का इज़हार-ए-मोहब्बत के नाम पर
सच बोल झूठ कहा था न के तुमसे प्यार करती हूँ

● ● ●

कब उनकी पलकों से इज़हार होगा
दिल के किसी कोने में हमारे लिए प्यार होगा
गुज़र रही है हर रात उनकी याद में
कभी तो उनको भी हमारा इंतज़ार होगा

● ● ●

मैं लफ़्ज़ों से कुछ भी इज़हार नहीं करता
इसका मतलब ये नई के मैं तुझे प्यार नहीं करता
चाहता हूँ मैं तुझे आज भी पर
तेरी सोच में अपना वक़्त बेकार नहीं करता

● ● ●

दिल की आवाज़ को इज़हार कहते हैं
झुकी निगाह को इकरार कहते हैं
सिर्फ़ पाने का नाम इश्क़ नहीं
कुछ खोने को भी प्यार कहते हैं

● ● ●

हजारों दफ़ा कर दिया है इज़हार ए इश्क़ इन आँखों ने
तुम वाकई नहीं समझे या बस यों ही अनजान बने बैठे हो

• • •

मोहब्बत का मेरी इज़हार करे कह दो तुम अपनी नज़र से
ख़त लिखना था ख़ुद मिलो जब भी गुज़रो तुम इधर से

• • •

ये बात और है कि इज़हार न कर सकें
नहीं है तुमसे मोहब्बत भला ये कौन कहता

• • •

उन्हें इज़हार करना नहीं आया उन्हें हमें प्यार करना नहीं आया
हम बस देखते ही रह गए और वक़्त को थमना नहीं आया
वो चलते-चलते इतने दूर चले गए हमें रोकना भी नहीं आया

• • •

इज़हार-ए-याद करूँ या पूछूँ हाल-ए-दिल उनका
ऐ दिल कुछ तो बहाना बता उनसे बात करने का

• • •

वो करीब ही न आए तो इज़हार क्या करते
खुद बने निशाना तो शिकार क्या करते
मर गए पर खुली रखी आँखें
इससे ज़्यादा किसी का इंतज़ार क्या करते

• • •

हुस्न

तेरे हुस्न को परदे की ज़रूरत ही क्या है
कौन होश में रहता है तुझे देखने के बाद

• • •

तेरे हुस्न का दीवाना तो हर कोई होगा
लेकिन मेरे जैसी दीवानगी हर किसी में नहीं होगी

• • •

ये तेरा हुस्न औ कमबख्त अदाएँ तेरी
कौन न मर जायअब देखकर तुम्हें

• • •

तेरा हुस्न बयां करना नहीं मकसद था मेरा
ज़िद कागज़ों ने की थी और कलम चल पड़ी

• • •

तेरा हुस्न एक जवाब मेरा इश्क़ एक सवाल ही सही
तेरे मिलने कि खुशी नहीं तुझसे दूरी का मलाल ही सही
तू न जान हाल इस दिल का कोई बात नहीं
तू नहीं ज़िंदगी में तो तेरा ख़याल ही सही

• • •

दुनिया में तेरा हुस्न मेरी जां सलामत रहे
सदियों तलक ज़मीं पे तेरी कयामत रहे

• • •

क्या तुझे कहूँ तू है मरहबा
तेरा हुस्न जैसे है मयकदा
मेरी मयकशी का सुरूर है
तेरी हर नज़र तेरी हर अदा

• • •

मेरी निगाह-ए-इश्क़ भी कुछ कम नहीं
मगर फिर भी तेरा हुस्न तेरा ही हुस्न है

• • •

जिस मोड़ पे तू मिल गई वहाँ एक नई राह खुल गई
मेरा इश्क़ भी तेरा हुस्न भी ग़ज़लों में आके घुल गई

• • •

किसका चेहरा अब मैं देखूँ चाँद भी देखा फूल भी देखा
बादल बिजली तितली जुगनू कोई नहीं है ऐसा तेरा हुस्न है जैसा

• • •

शरीक़ेज़िंदगी तू है मेरी मैं हूँ साजन तेरा
ख़यालों में तेरी ख़ुशबू है चंदन सा बदन तेरा
अभी भी तेरा हुस्न डालता है मुझको हैरत में
मुझे दीवाना कर देता है जलवा जानेमन तेरा

• • •

तेरी तरफ़ जो नज़र उठी वो तापिशें हुस्न से जल गई

तुझे देख सकता नहीं कोई तेरा हुस्न खुद ही नक्राब हैं

• • •

तुझे क्या कहूँ तू है मरहबा तेरा हुस्न जैसे है मयकदा
मेरी मयकशी का सुरूर है तेरी हर नज़र तेरी हर अदा
तेरे इख्तियार में है फिजा तू खिजाँ का जिश्म सवार दे
मुझे रूह से तू नवाज दे मुझे ज़िंदगी से न कर जुदा

• • •

तेरा हुस्न जब से मेरी आँखों में समाया है
मेरी पलकों पे एक सुरूर सा छाया है
मेरे चेहरे को हसीन नूर देनेवाले
ये तेरे दीदार के लम्हों का सरमाया है

• • •

मुझको नहीं ज़रूरत किसी कलम की
तेरी तारीफ़ बयां करने के लिए
तेरी अदाएँ तेरे ये नाज़नीन से अंदाज़
अपनी अदा आप रखते हैं

• • •

सोचता हूँ हर कागज़ पे तेरी तारीफ़ करूँ
फिर खयाल आया कहीं पढ़ने वाला भी तेरा दीवाना न हो जाए

• • •

लिखी कुछ शायरी ऐसी तेरे नाम से कि
जिसने तुम्हें देखा भी नहीं उसने भी तेरी तारीफ़ कर दी

• • •

ये सोचकर रोक लेता हूँ कलम को तेरी
तारीफ़ लिखते-लिखते की कहीं इन
लफ़्ज़ों को सबसे बेहतरीन होने का गुमान न हो जाए

• • •

न चाहते हुए भी आ जाता हूँ लबों पे तेरा नाम
कभी तेरी तारीफ़ में तो कभी तेरी शिकायत में

• • •

तसवीर बनाकर तेरी आसमां पे टाँग आया हूँ
और लोग पूछते हैं आज चाँद इतना बेदाग कैसे है

• • •

चाँद की चाँदनी हो तुम तारों की रोशनी हो तुम
सुबह की लाली हो तुम मेरे दिल में बसी हुई एक आशिकी हो तुम

• • •

मुझको मालूम नहीं हुस्न की तारीफ़
मेरी नज़रों में हसीन वो है जो तुम जैसा हो

• • •

अब हम समझे तेरे चेहरे पे तिल का मतलब
हुस्न की दौलत पे दरबान बिठा रखा है

• • •

तेरे हुस्न पर तारीफ़ भरी किताब लिख देता

काश के तेरी वफ़ा तेरे हुस्न के बराबर होती

• • •

तेरे हुस्न की तपिश कहीं जला न दे मुझे
तू कर मोहब्बत मुझसे ज़रा आहिस्ता आहिस्ता

• • •

ये आईने न दे सकेंगे तुझे तेरे हुस्न की खबर
कभी मेरी आँखों से आकर पूछो के कितनी हसीन हों तुम

• • •

शायद तुझे खबर नहीं ए शम्मेआरजू
परवाने तेरे हुस्न पे कुरबान हो गए हैं

• • •

मिलावट है तेरे हुस्न में इत्र और शराब की
तभी मैं थोड़ा महका हूँ थोड़ा सा बहका हूँ

• • •

दिल

मेरी आँखों में मत ढूँढ़ा करो खुद को
पता है न तुम दिल में रहते हो खुदा की तरह

• • •

इस दिल को अगर तेरा एहसास नहीं होता
तू दूर भी रहकर यों दिल के पास नहीं होता
इस दिल ने तेरी चाहत कुछ ऐसे बसा ली है
इक लम्हा भी तुझ बिन कुछ खास नहीं होता

• • •

जब दिल ने तड़पना छोड़ दिया
जलवों ने मचलना छोड़ दिया
पोशाक बहारों ने बदली
फूलों ने महकना छोड़ दिया

• • •

किसी का क्या जो क्रदमों पर जबी-ए-बंदगी रख दी
हमारी चीज़ थी हमने जहाँ जानी वहाँ रख दी
जो दिल माँगा तो वो बोले ठहरो याद करने दो
ज़रा सी चीज़ थी हमने जाने कहाँ रख दी

• • •

वो नज़र कामयाब हो के रही
दिल की बस्ती ख़राब हो के रही

• • •

हम तो कुछ देर हँस भी लेते हैं
दिल हमेशा उदास रहता है

• • •

दिल पर दस्तक देने कौन आ निकला है
किसकी आहट सुनता हूँ वीराने में

• • •

दिल सा खिलौना हाथ आया है
खेलो तोड़ो जी बहलाओ

• • •

दिल तो लेते हो मगर ये भी रहे याद तुम्हें
जो हमारा न हुआ कब वो तुम्हारा होगा

• • •

मैं हूँ दिल है तन्हाई है
तुम भी होते अच्छा होता

• • •

मुझको न दिल पसंद न वो बेवफ़ा पसंद
दोनों हैं खुदगरज़ मुझे दोनों हैं नापसंद

• • •

मोहब्बत का तुमसे असर क्या कहूँ

नज़र मिल गई दिल धड़कनें लगा

● ● ●

मोहब्बत रंग दे जाती है जब दिल दिल से मिलता है
मगर मुश्किल तो ये है दिल बड़ी मुश्किल से मिलता है

● ● ●

हर धड़कते पत्थर को लोग दिल समझते हैं
उम्रें बीत जाती हैं दिल को दिल बनाने में

● ● ●

तमाम लोगों को अपनी अपनी मंजिल मिल चुकी
कमबख्त हमारा दिल है कि अब भी सफ़र में है

● ● ●

मुझे आदत नहीं यों हर किसी पे मर मिटने की
पर तुझे देखकर दिल ने सोचने तक की मोहलत न दी

● ● ●

तुम ज़माने की राह से आए
वर्ना सीधा था रास्ता दिल का

● ● ●

वो दिल लेकर हमें बेदिल न समझें उनसे कह देना
जो हैं मारे हुए नज़रों के उनकी हर नज़र दिल है

● ● ●

तुम ज़माने की राह से आए
वर्ना सीधा था रास्ता दिल का

● ● ●

जैसा दिल जहाँ ले जाए दिल के साथ जाना चाहिए
इससे बढ़कर और कोई रहनुमा होता नहीं

● ● ●

जानेवाले से मुलाक़ात न होने पाई
दिल की दिल में ही रही बात न होने पाई

● ● ●

ज़ख़्म कहते हैं दिल का गहना है
दर्द दिल का लिबास होता है

● ● ●

दर्द हो दिल में तो दवा कीजे
और जो दिल ही न हो तो क्या कीजे

● ● ●

दर्द-ए-दिल से उठा नहीं जाता
जब से वो हाथ रख गए दिल पर

● ● ●

सो जा ऐ दिल आज थुँध बहुत है तेरे शहर में
अपने दिखते नहीं और जो दिखते हैं वो अपने नहीं

● ● ●

इतना मैं इंतज़ार किया उसकी राह में
जो रफ़ता-रफ़ता दिल मेरा बीमार हो गया

• • •

एक सफ़र वो है जिस में
पाँव नहीं दिल दुखता है

• • •

और ज़िंक्र क्या कीजे अपने दिल की हालत का
कुछ बिगड़ती रहती है कुछ सँभलती रहती है

• • •

दुनिया पसंद आने लगी दिल को अब बहुत
समझो कि अब ये बाग भी मुरझाने वाला है

• • •

न झटको जुल्फ़ से पानी ये मोती टूट जाएँगे
तुम्हारा कुछ न बिगड़ेगा मगर दिल टूट जाएँगे

• • •

फिरते हुए किसी की नज़र देखते रहे
दिल खून हो रहा था मगर देखते रहे

• • •

आपकी याद आती रही रात भर
चाँदनी दिल दुखाती रही रात भर

• • •

आरजू तेरी बरकरार रहे
दिल का क्या है रहा रहा न रहा

• • •

रात भर उनका तसव्वुर दिल को तड़पाता रहा
एक नक़्शा सामने आता रहा जाता रहा

• • •

हमने सीने से लगाया दिल न अपना बन सका
मुसकराकर तुमने देखा दिल तुम्हारा हो गया

• • •

अँधेरी रात को मैं रोज़-ए-इश्क़ समझा था
चराग़ तू ने जलाया तो दिल बुझा मेरा

• • •

आदमी आदमी से मिलता है
दिल मगर कम किसी से मिलता है

• • •

इश्क़ की चोट का कुछ दिल पे असर हो तो सही
दर्द कम हो या ज़्यादा हो मगर हो तो सही

• • •

सीने की जगह आँखों में दिल धड़कता है
ये इंतज़ार के लम्हे बड़े अजीब होते हैं

• • •

फ़ुरसत मिले तो उनका हाल भी पूछ लिया करो
जिन के सीने में दिल की जगह तुम धड़कते हो

• • •

यों चले जाते हैं अपनी ही महफ़िल से रुखसत होकर
यों दिल को लगाकर जलाना कोई उनसे सीखे

• • •

अदा से देख लो जाता रहे गिला दिल का
बस इक निगाह पे ठहरा है फ़ैसला दिल का
दर्द ए दिल शायरी हिंदी में

• • •

होंठों कि हँसी को न समझ हकीकत-ए-जिंदगी
दिल में उतरकर देख हम कितने उदास हैं तेरे बिन

• • •

दिलबर की दिललगी में दिल अपना खो चुके हैं
कल तक तो खुद के थे आज आपके हो चुके हैं

• • •

मैं शब्दों से खेलती हूँ हैरान होते हैं लोग
करती हूँ हाले दिल बयान तो परेशान होते हैं लोग

• • •

खरीदार बहुत थे इस दिल के
बेच देते अगर इस में तेरी याद न होती

• • •

वक़्त मिले तो कभी रखना कदम दिल के आँगन में
हैरान रह जाओगे मेरे दिल में अपना मुकाम देखकर

• • •

आईना आज फिर रिश्त लेता पकड़ा गया
दिल में दर्द था ओर चेहरा हँसता हुआ पकड़ा गया

• • •

रोज़ कहाँ से लाऊँ एक नया दिल
तोड़ने वालों ने तो मजाक बना रखा है

• • •

कहीं आज़ादी नहीं है मेरे दोस्त
बस दिलों के क़ैद खाने छोटे बड़े हैं

• • •

प्यार करना सिखा है नफ़रतों की कोई जगह नहीं
बस तू ही तू है इस दिल में दूसरा कोई और नहीं

• • •

दिल को छू जाती है
एक तुम और एक बात तुम्हारी

• • •

न जाने कौन सी दौलत है तेरे लफ़्ज़ों में
बात करते हो तो दिल खरीद लेते हो

• • •

भूलने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता
मैंने नहीं मेरे दिल ने चुना है तुम्हें

• • •

मैंने रँग दिया हर पन्ना तेरे नाम से
मेरी किताबों से पूछ इश्क़ किसे कहते हैं

• • •

कभी सीने से लगाकर मेरे दिल की
धड़कन तो सुन
हर पल तुम्हारा ही नाम लेती है

• • •

कल तक सिर्फ़ एक अजनबी थे तुम
आज दिल की एक एक धड़कन पर हुकूमत है तुम्हारी

• • •

तेरी चाहत तो मुक़दर है मिले न मिले
दिल को सुकुन जरूर मिलता है तुझे अपना सोचकर

• • •

मेरे दिल से उसकी हर ग़लती माफ़ हो जाती है
जब वो मुसकरा के पूछती है नाराज़ हो क्या

• • •

काश दिल की आवाज़ मैं इतना असर हो जाए
हम याद करें और उनको ख़बर हो जाए

• • •

ग़लत सुना था कि इश्क़ आँखों से होता है
दिल तो वो भी ले जाते हैं जो पलकें तक नहीं उठाते

• • •

तेरी याद ने मेरा बुरा हाल कर दिया
तन्हा मेरा जीना मुहाल कर दिया
सोचा जो अब तुम्हें याद न करूँ
तो दिल ने धड़कने से इन्कार कर दिया

• • •

हमने पूछा दीवानगी क्या होती है
वो बोले दिल तुम्हारा और हुकूमत हमारी

• • •

ख़ुदा का शुक्र है कि ख़्वाब बना दिए
वरना तुम्हें देखने की तो हसरत दिल में ही रह जाती

• • •

कैसे कहूँ कि इस दिल के लिए कितने ख़ास हो तुम
फासले तो कदमों के हैं पर हर वक़्त दिल के पास हो तुम

• • •

दिल धड़कता है तो डर सा लगा रहता है
कोई सुन न ले मेरी धड़कन में नाम तेरा

• • •

उस शख्स में बात ही कुछ ऐसी थी
दिल नहीं देते तो जान चली जाती

• • •

जैसा दिखता हूँ सच में वैसा ही हूँ दिल से
यों मुझे चेहरे पे चेहरा लगाना नहीं आता

• • •

चलते-चलते हमसे पूछा पाऊँ के छालों ने
बस्ती कितनी दूर बसा ली दिल में बसनेवालों ने

• • •

तमन्ना हो अगर मिलने की तो हाथ रखो दिल पर
हम धड़कनों में मिल जाएँगे

• • •

अभी तक मौजूद हैं इस दिल पर तेरे कदमों के निशान
हमने तेरे बाद किसी को इस राह से गुजरने नहीं दिया

• • •

तेरा नाम था आज किसी अजनबी की जुबान पे आया
बात तो जरा सी थी पर दिल ने बुरा मान लिया

• • •

आज फिर मौसम नम हुआ मेरी आँखों की तरह
शायद बादलों का भी दिल किसी ने तोड़ा होगा

• • •

इस से ज्यादा तुम्हें और कितना करीब लाऊँ मैं
तुम्हें दिल में रखकर भी दिल मेरा नहीं भरता

• • •

ताल्लुक हो तो रूह से रूह का हो
दिल तो अकसर एक दूसरे से भर जाया करते हैं

• • •

क्यों न सजा मिलती हमें मोहब्बत में
आखिर हमने भी बहुत दिल तोड़े थे उस शख्स की खातिर

• • •

सुनो दोस्तों किसी ने मेरा दिल तोड़ा है
अब आप ही बताओ
अपनी जान दूँ या उसे जाने दूँ
दर्द-ए-दिल शायरी हिंदी में

• • •

किसी के पाँव से काँटा निकालकर देखो
तुम्हारे दिल की चुभन जरूर कम होगी

• • •

क्या कशिश थी उसकी आँखों में मत पूछो
मुझ से मेरा दिल लड़ पड़ा मुझे यही चाहिए

• • •

दावे दोस्ती के मुझे नहीं आते यारो
एक जान है जब दिल चाहे माँग लेना

• • •

मुझे रिश्तों की लंबी कतारों से क्या मतलब
कोई दिल से हो मेरा तो

एक शख्स ही काफी है

• • •

दिल टूटा है सँभलने में कुछ वक़्त तो लगेगा
हर चीज़ इश्क़ तो नहीं कि एक पल में हो जाए

• • •

तज़ुर्बा कहता है मोहब्बत से किनारा कर लूँ
और दिल कहता है ये तज़ुर्बा दोबारा कर लूँ

• • •

सौ बार कहा दिल से चल भुल भी जा उसको
हर बार कहा दिल ने तुम दिल से नहीं कहते

• • •

न वो आ सके न हम कभी जा सके
न दर्द दिल का किसी को सुना सके
बस बैठे हैं यादों में उनकी
न उन्होंने याद किया और न हम उनको भुला सके

• • •

ये तो नहीं कि तुम सा जहान में हसीन नहीं
इस दिल का क्या करूँ
तुमसे हसीं इसे कोई दिखता ही नहीं

• • •

धड़कों को भी रास्ता दे दीजिए जनाब
आप तो सारे दिल पर कब्ज़ा किए बैठे हैं

• • •

दिल पर हम बेवज़ह इल्ज़ाम लगाते हैं
धोखा तो अक्रसर धड़कन दिया करती है

• • •

तेरी आँखों में हमें जाने क्या नज़र आया
तेरी यादों का दिल पर सरूर है छाया

• • •

दिलबर की दिललगी में दिल अपना खो चुके हैं
कल तक तो खुद के थे आज आपके हो चुके हैं

• • •

आपको जाते हुए देख के न सँभलेगा दिल
उसको बातों में लगा लूँ तो चले जाइएगा

• • •

गलत सुना था कि इश्क़ आँखों से होता है
दिल तो वो भी ले जाते हैं जो पलकें तक नहीं उठाते

• • •

मेरे दिल में ज़्यादा देर तक रुकता नहीं कोई
लोग कहते हैं मेरे दिल पर साया है तेरा

• • •

कैसे-कैसे लोग बसते हैं इस जहाँ में
एक से वफ़ा कर नहीं सकते

दूसरे से दिल लगा लेते हैं

● ● ●

दिल से ज्यादा महफूज़ जगह नहीं दुनिया में
पर सबसे ज्यादा लापता लोग यहीं से होते हैं

● ● ●

ज़रूरी तो नहीं जो खुशी दे
उसी से प्यार हो क्योंकि
सच्ची मोहब्बत अक़सर
दिल तोड़नेवालों से ही होती है

● ● ●

दिल ने आज फिर तेरे दीदार की ख्वाहिश रखी है
फ़ुरसत मिले तो ख्वाब में आ जाना

● ● ●

तेरे लिए इस दिल ने कभी बुरा नहीं चाहा
हाँ यह और बात है कि
मुझे साबित करना नहीं आया

● ● ●

दिल ने सोचा था उसे टूटकर चाहेंगे
सच में चाहा भी बहुत टूटे भी बहुत

● ● ●

अगर इश्क़ हुआ दोबारा तो भी तुझसे ही होगा
मेरे नादान दिल को तुझ पर इतना भरोसा है

● ● ●

मुझे नहीं पता कि ये बिगड़ गया या सुधर गया
बस अब ये दिल किसी से मोहब्बत नहीं करता

● ● ●

सो जा ऐ दिल आज धुँध बहुत है तेरे शहर में
अपने दिखते नहीं और जो दिखते हैं वो अपने नहीं

● ● ●

मोहब्बत मुझे थी उसी से सनम
यादों में उसकी यह दिल तड़पता रहा
मौत भी मेरी चाहत को रोक न सकी
कब्र में भी यह दिल धड़कता रहा

● ● ●

मयखाने में जाम टूट जाता है
इश्क़ में दिल टूट जाता है
न जाने क्या रिश्ता है दोनों में
जाम टूटे तो इश्क़ याद आता है
दिल टूटे तो जाम याद आता है

● ● ●

ख्वाब दिल ने तुझे पाने के देख लिये
वरना खुशमिजाज हुआ करते थे
हम भी कभी

• • •

गर लफ़्ज़ों में कर सकते बयान इंतहा-ए-दर्द-ए-दिल
लाख तेरा दिल पत्थर का सही कब का मोम कर देते

• • •

दिल के लिए हयात का पैगाम बन गई
बेचैनियाँ सिमट के तेरा नाम बन गई

• • •

आज भी एक सवाल छिपा है
दिल के किसी कोने में
क्या कमी रह गई थी तेरा होने में

• • •

छोटे शहर के अखबार जैसा हूँ
दिल से लिखता हूँ इसलिए कम बिकता हूँ

• • •

टूटकर भी धड़कता रहता है
मैंने कमबख्त दिल सा वफ़ादार
आज तक नहीं देखा

• • •

अरे ओ दिल तुझे कब तक कोई समझाइएगा
इतनी मुद्दत में तो पागल भी सुधर जाते हैं

• • •

इश्क़ न करने के दो ही तरीके थे
एक दिल न बना होता या फिर तुम न बने होते

• • •

तुम्हें दिल से भूलने के लिए मुझे बस एक पल चाहिए
वो पल जिसे मौत लोग कहते हैं

• • •

अब कहा ज़रूरत है हाथों में पत्थर उठाने की
तोड़नेवाले तो जुबान से ही दिल तोड़ देते हैं

• • •

पागल दिल वो तेरा नहीं किसी और का है
चुप कर के सो जाओ रात रोने के लिए नहीं सोने के लिए है

• • •

तेरे आशियाने में मेरा नाम न था
पर मेरे दिल पर सिर्फ़ तेरा ही नाम था

• • •

कुछ ख़्वाब सुहाने टूट गए कुछ यार पुराने रूठ गए
कुछ ज़ख़्म लगे थे इस दिल पर कुछ अंदर से हम टूट गए

• • •

दिल से खेलना तो हमें भी आता है
लेकिन जिस खेल में
खिलौना टूट जाए वो खेल हमें पसंद नहीं

• • •

वार दिल पर जालीम बेहिसाब करती है
वो बिखराकर जुल्फें हिजाब करती है

• • •

उनकी दिल्लगी तो देखो हमारे दिल पर भारी है
वो तो चल दिए हँसकर यहाँ बरसात जारी है

• • •

ठान लिया था कि अब और इश्क़ पर नहीं लिखेंगे
पर उनका दिल पर दस्तक हुई और अल्फ़ाज़ बगावत कर बैठे

• • •

साथ रहेंगे तब तक
दिल में धड़कन हैं जब तक

• • •

न ढूँढ़ो मेरे दिल के किताब में खुशियों का पन्ना
हर एक पन्ना तेरी बेवफ़ाई ने ही जलाया है

• • •

कुछ नशा तो आपकी बात का है कुछ नशा तो आधी रात का है
हमें आप यों ही शराबी न कहिए इस दिल पर असर तो आपका है

• • •

कभी चुपके से मुसकरा कर देखना दिल पर लगे पहरे हटा कर देखना
ये ज़िंदगी तेरी खिलखिला उठेगी ख़ुद पर कुछ लम्हें लुटाकर देखना

• • •

मेरी चाहत देखनी है तो मेरे दिल पर अपना दिल रखकर देख
तेरी धड़कने न बढ़ जाए तो मेरी मुहब्बत टुकरा देना

• • •

पत्थर तो बहुत मारे थे लोगों ने मुझे
लेकिन जो दिल पर आ के लगा वो किसी अपने ने मारा

• • •

दिल ने न जाने कब दर्द से दोस्ती कर ली
हम तो बस ख़ामोश निगाहों से
ज़िंदगी के कहकहे देखते रहे

• • •

उल्फ़त का अक्रसर यही दस्तूर होता है
जिसे चाहो वही अपने से दूर होता है
दिल टूटकर बिखरता है इस कदर
जैसे कोई काँच का खिलौना चूरचूर होता है

• • •

नहीं में इकरार महबूब के दिल ने पाया
उसके नहीं से करार दिल को आया
एक नहीं ने मंज़िलें मोहब्बत को आसों बनाया
नहीं ने दिल की सोई हुई उमंगों को फिर से जगाया

• • •

टूटे हुए दिल ने भी उसके लिए दुआ माँगी
मेरी साँसों ने हर पल उसकी खुशी माँगी

न जाने कैसी दिल्लगी थी उस बेवफ़ा से
के मैंने आखिरी ख्वाहिश में भी उसकी वफ़ा माँगी

• • •

मैंने कहा वो अजनबी है
दिल ने कहा ये दिल की लगी है
मैंने कहा वो सपना है
दिल ने कहा फिर भी अपना है

• • •

दिल ने न जाने कब दर्द से दोस्ती कर ली
हम तो बस खामोश निगाहों से ज़िंदगी के कहकहे देखते रहे

• • •

अभी तक मौजूद हैं इस दिल पर तेरे कदमों के निशान
हमने तेरे बाद किसी को इस राह से गुज़रने नहीं दिया

• • •

कभी चुपके से मुसकराकर देखना
दिल पर लगे पहेरे हटाकर देखना
ये ज़िंदगी तेरी खिलखिला उठेगी
ख़ुद पर कुछ लम्हें लुटाकर देखना

• • •

मेरी चाहत देखनी है तो मेरे दिल पर अपना दिल रखकर देख
तेरी धड़कनें न बड़ जाए तो मेरी मोहब्बत ठुकरा देना

• • •

एक कहानी सी दिल पर लिखी रह गई
वो नज़र जो मुझे देखती रह गई
रंग सारे ही कोई चुरा ले गया
मेरी तस्वीर अधूरी पड़ी रह गई

• • •

धड़कनों को भी रास्ता दे दीजिए जनाब
आप तो सारे दिल पर कब्ज़ा किए बैठे हैं

• • •

मेरे दिल पर जितने तीर अपनों के लगते जाएँगे
मेरी कलम में अश्रु उतने ही भरते जाएँगे
उतारूँगा जिस दिन इन अश्रुओं को कोरे कागज़ पर
कशम उस ख़ुदा की यारो मेरे दुश्मन भी मुझे पाने की चाहत में
तड़प-तड़पकर मर जाएँगे

• • •

दिल पर हम बेवज़ह इल्ज़ाम लगाते हैं
धोखा तो अक्रसर धड़कन दिया करती है

• • •

तेरी आँखों में हमें जाने क्या नज़र आया
तेरी यादों का दिल पर सरूर है छाया

• • •

पत्थर तो बहुत मारे थे लोगों ने मुझे लेकिन

जो दिल पर आ के लगा वो किसी अपने ने मारा था

● ● ●

और तो कौन है जो मुझको तसल्ली देता
हाथ रख देती हैं दिल पर तेरी बातें अक्रसर

● ● ●

दिल पर भी आओ एक नज़र डालते चलें
शायद छुपे हुए हों यहीं दिन बहार के

● ● ●

कुछ नशा तो आपकी बात का है
कुछ नशा तो आधी रात का है
हमें आप यों ही शराबी न कहिए
इस दिल पर असर तो आपसे मुलाकात का है

● ● ●

तुम आओ और कभी दस्तक दो इस दिल पर
प्यार उम्मीद से कम निकले तो सज़ा-ए-मौत दे देना

● ● ●

दोस्ती हर चहरे की मीठी मुसकान होती है
दोस्ती ही सुख-दुःख की पहचान होती है
रूठ भी गए हम तो दिल पर मत लेना
क्योंकि दोस्ती जरा सी नादान होती है

● ● ●

न जाने वो कौनसी बात थी जो ज़हन में आती रही
समझा नहीं कुछ दिल पर दिनभर मुझे रुलाती रही

● ● ●

वो फैसले कर लेते हैं और हम मज़बूर हैं
यह ज़िंदगी न सही दिल पर हुक्म तो उनका है

● ● ●

दिमाग पर जोर देकर गिनते हो गलतियाँ मेरी
कभी दिल पर हाथ रख के पूछना कि कसूर किसका है

● ● ●

तेरे आशियाने में मेरा नाम न था
पर मेरे दिल पर सिर्फ़ तेरा ही नाम था

● ● ●

तमन्ना हो अगर मिलने की तो हाथ रखो दिल पर
हम धड़कनों में मिल जाएँगे

● ● ●

न हम रहे दिल लगाने के काबिल
न दिल रहा ग़म उठाने के काबिल
लगे उसकी यादों के जो ज़ख्म दिल पर
न छोड़ा उसने फिर मुसकराने के काबिल

● ● ●

वार दिल पर ज़ालिम बेहिसाब करती है
वोह बिखराकर जुल्फ़ें हिजाब करती है

● ● ●

कुछ ख्वाब सुहाने टूट गए कुछ यार पुराने रूठ गए
कुछ जखम लगे थे इस दिल पर कुछ अंदर से हम टूट गए

● ● ●

चंद चेहरे लगेंगे अपने से
खुद को पर बेक्रार मत करना
आखिरी दिल्लगी लगी दिल पर
हम न कहते थे प्यार मत करना

● ● ●

मेरे दिल में ज्यादा देर तक रुकता नहीं कोई
लोग कहते हैं मेरे दिल पर साया है तेरा

● ● ●

इश्क करना है तो फिर हद से गुजरना होगा
लहू-लहू हो जाए दिल पर आँख न भरने पाए

● ● ●

उनकी दिल्लगी तो देखो हमारे दिल पर भारी है
वो तो चल दिए हँसकर यहाँ बरसात जारी है

● ● ●

नज़रों से न देखो हमें तुम में हम छुप जाएँगे
अपने दिल पर हाथ रखो तुम हम वही तुम्हें मिल जाएँगे

● ● ●

ठान लिया था कि अब और इश्क पर नहीं लिखेंगे
पर उनकी दिल पर दस्तक हुई और अल्फ़ाज़ बगावत कर बैठे

● ● ●

दिल के लिए हयात का पैगाम बन गई
बेचैनियाँ सिमट के तेरा नाम बन गई

● ● ●

ज़रूरी तो नहीं जो खुशी दे उसी से प्यार हो क्योंकि
सच्ची मोहब्बत अक्सर दिल तोड़ने वालों से ही होती है

● ● ●

दिल टूटा है सँभलने में कुछ वक़्त तो लगेगा
हर चीज़ इश्क तो नहीं कि एक पल में हो जाए

● ● ●

गलत सुना था कि इश्क आँखों से होता है
दिल तो वो भी ले जाते हैं जो पलकें तक नहीं उठाते

● ● ●

आज भी एक सवाल छिपा है दिल के किसी कोने में
क्या कमी रह गई थी तेरा होने में

● ● ●

मुझे आदत नहीं यों हर किसी पे मर मिटने की
पर तुझे देखकर दिल ने सोचने तक की मोहलत न दी

● ● ●

तेरा नाम था आज किसी अजनबी की जुबान पे

बात तो जरा सी थी पर दिल ने बुरा मान लिया

● ● ●

आज फिर दिल ने इक तमन्ना की
आज फिर दिल को हमने समझाया

● ● ●

इस दिल को अगर तेरा एहसास नहीं होता
तू दूर भी रहकर यों दिल के पास नहीं होता
इस दिल ने तेरी चाहत कुछ ऐसे बसा ली है
इक लम्हा भी तुझ बिन कुछ खास नहीं होता

● ● ●

टूटा तारा देखकर दिल ने कहा माँग ले तू फ़रियाद कोई
मैंने कहा जो खुद टूट रहा है कैसे पूरी करेगा वो मुराद कोई

● ● ●

मैंने सो बार कहा दिल से कि भूल जाओ उसे
दिल ने सो बार कहा कि तू दिल से नहीं कहता

● ● ●

जब दिल ने तड़पना छोड़ दिया
जलवों ने मचलना छोड़ दिया
पोशाक बहारों ने बदली
फूलों ने महकना छोड़ दिया

● ● ●

ख्वाब दिल ने तुझे पाने के देख लिये
वरना खुशमिजाज हुआ करते थे हम भी कभी

● ● ●

दिल ने सोचा था उसे टूटकर चाहेंगे
सच में चाहा भी बहुत टूटे भी बहुत

● ● ●

गुज़रा फिर यादों का झोंका
दिल ने फिर साँसों को रोका

● ● ●

तेरे लिए इस दिल ने कभी बुरा नहीं चाहा
हाँ यह और बात है कि मुझे साबित करना नहीं आया

● ● ●

दिल ने एक उम्मीद बरकरार रखी है ऐ दोस्तों
कही पढ़ लिया था कि सच्ची मोहब्बत लौटकर आती है

● ● ●

दिल ने आज फिर तेरे दीदार की ख्वाहिश रखी है
फ़ुरसत मिले तो ख्वाब में आ जाना

● ● ●

आज किसी ने बातों-बातों में जब उनका नाम लिया
दिल ने जैसे ठोकर खाई दर्द ने बढ़कर थाम लिया

● ● ●

आरजू

किसको ख्वाहिश है ख्वाब बनके पलकों पे सजने की
हम तो आरजू बनके तेरे दिल में बसना चाहते हैं

• • •

मेरे जीने की ये आरजू तेरे आने की दुआ करे
कुछ इस तरह से दर्द भी तेरे सीने में हुआ करे

• • •

तेरे सीने से लगकर तेरी आरजू बन जाऊँ
तेरी साँसों से मिलकर तेरी खुशबू बन जाऊँ

• • •

न खुशी की तलाश है न गमेनिजात की आरजू
मैं खुद से ही नाराज हूँ तेरी नाराजगी के बाद

• • •

हर जज़्बात को जुबान नहीं मिलती
हर आरजू को दुआ नहीं मिलती
मुस्कान बनाए रखो तो साथ है दुनिया
वरना आँसुओं को तो आँखों में भी पनाह नहीं मिलती

• • •

आज खुद को तुझमे डुबोने की आरजू है
क्रयामत तक सिर्फ़ तेरा होने की आरजू है
किसने कहा गले से लगा ले मुझको मगर
तेरी गोद में सर रखकर सोने की आरजू है

• • •

खत लिखूँ तो क्या लिखूँ आरजू मदहोश है
खत पे गिर रहे हैं आँसू और कलम खामोश है

• • •

न किसी के दिल की हूँ आरजू
न किसी नज़र की हूँ जुस्तजू
मैं वो फूल हूँ जो उदास हो
न बहार आए तो क्या करूँ

• • •

तेरी जुस्तजू तेरी आरजू मेरे दिल में दिलनशीं तू ही तू
तेरा ही खयाल है रात-दिन मेरी सोच में मकीं तू ही तू

• • •

तमन्ना है मेरी कि आपकी आरजू बन जाऊँ
आपकी आँख का तारा न सही आपकी आँख का आँसू बन जाऊँ

• • •

कभी कभी सोचता हूँ आखिर यहाँ कौन जीत गया
मेरी आरजू उसकी ज़िद या फिर मोहब्बत

• • •

काश की मुझे मोहब्बत न होती

काश की मुझे तेरी आरजू न होती
जी लेते यू ही जिंदगी को हम तेरे बिन
काश की ये तड़प हमें न होती

● ● ●

साक़ी मुझे भी चाहिए इक ज़ाम-ए-आरजू
कितने लगेंगे दाम ज़रा आँख तो मिला

● ● ●

जीने की आरजू है तो जी चट्टानों की तरह
वरना पत्तों की तरह तुझको हवा ले जाएगी

● ● ●

थाम लेना हाथ मेरा कभी पीछे जो छूट जाऊँ
मना लेना मुझे जो कभी तुमसे रूठ जाऊँ
मैं पागल ही सही मगर मैं वो हूँ
जो तेरी हर आरजू के लिए टूट जाऊँ

● ● ●

न जी भर के देखा न कुछ बात क़ी
बड़ी आरजू थी मुलाकात की

● ● ●

आरजू तेरी बरकरार रहे
दिल का क्या है रहे रहे न रहे

● ● ●

खोई हुई आँखों में सपना सज़ा लिया
आरजू में आपकी चाहत को बसा लिया
धड़कन भी न रही ज़रूरी हमारे लिए
जब से दिल में हमने आपको बसा लिया

● ● ●

एक पत्थर की आरजू करके
खुदको ज़ख्मी बना लिया मैंने

● ● ●

आरजू ये नहीं कि ग़म का तूफ़ान टल जाए
फ़िक्र तो ये है कि कहीं आपका दिल न बदल जाए
कभी मुझको अगर भुलाना चाहो तो
दर्द इतना देना कि मेरा दम ही निकल जाए

● ● ●

ये हवा ये रात ये चाँदनी
तेरी एक अदा पे निसार हूँ
मुझे क्यों न हो तेरी आरजू
तेरी जुस्तजू में बहार है

● ● ●

तेरा खयाल तेरी आरजू न गई
मेरे दिल से तेरी जुस्तजू न गई
इश्क़ में सबकुछ लुटा दिया हँसकर मैंने
मगर तेरे प्यार की आरजू न गई

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>

• • •

जरा शिद्दत से चाहो तभी होगी आरजू पूरी
हम वो नहीं जो तुम्हें खैरात में मिल जाएँगे

• • •

जीने के आरजू में मरे जा रहे हैं लोग
मरने के आरजू में जिया जा रहा हूँ मैं

• • •

मैं समेटती हूँ ख्वाब तेरे
तेरी आरजू तेरा ही गम तेरी ही तमन्ना
यादें तेरी बहुत मशरूफ है ज़िंदगी मेरी

• • •

हर बार उसी से गुफ्तगू सौ बार उसी की आरजू
वो पास नहीं होता तो भी रहता है मेरे रूबरू

• • •

हे आरजू की एक रात तुम आओ ख्वाबों में
बस दुआ है उस रात की कभी सुबह न हो

• • •

तुझसे मिले न थे तो कोई आरजू न थी
देखा तुम्हें तो तेरे तलबगार हो गए

• • •

दस्तक सुनी तो जाग उठा दर्दे आरजू
अपनी तरफ क्यों आती नहीं प्यार की हवा

• • •

जब से हमने मोहब्बत को जाना है
एक तेरी ही आरजू की थी पाने की
पर हालात ही कुछ ऐसे बने
न तुम कुछ समझे न कुछ हम समझे

• • •

आरजू ये है कि उनकी हर नज़र देखा करें
वो ही अपने सामने हों हम जिधर देखा करें
इक तरफ हो सारी दुनिया इक तरफ सूरत तेरी
हम तुझे दुनिया से होकर बेखबर देखा करें

• • •

न तख्तो ओ ताज की आरजू
न बज्म शाह की जुस्तजू
जो नज़र दिल को बदल सके
मुझे उस निगाह की तलाश है

• • •

दिल का दर्द पलकों में क़ैद है
एहसास तुम्हारा हवाओं में क़ैद है
तुमको भुलाए भी तो कैसे
तुमको पाने कि आरजू ख्वाबों में भी क़ैद है

• • •

आरजू होनी चाहिए किसी को याद करने की
लम्हें तो अपने आप ही मिल जाते हैं
कौन पूछता है पिंजरे में बंद पंछियों को
याद वही आते हैं जो उड़ जाते हैं

• • •

खामोश सा शहर और गुफ्तुगू की आरजू
हम किससे करें बात कोई बोलता ही नहीं

• • •

यह आरजू नहीं कि किसी को भुलाएँ हम
न तमन्ना है कि किसी को रुलाएँ हम
जिसको जितना याद करते हैं
उसे भी उतना याद आएँ हम

• • •

तेरी आरजू मेरा ख्वाब है
जिसका रास्ता बहुत खराब है
मेरे ज़ख्म का अंदाज़ा न लगा
दिल का हर पन्ना दर्द की किताब है

• • •

अब तुझसे शिकायत करना मेरे हक में नहीं
क्योंकि तू आरजू मेरी थी पर अमानत शायद किसी और की

• • •

आरजू थी की तेरी बाँहों में दम निकले
लेकिन बेवफ़ा तुम नहीं बदनसीब हम निकले

• • •

तेरे इश्क़ का कितना हसीन एहसास है
लगता है जैसे तू हर पल मेरे पास है
मोहब्बत तेरी दिवानगी बन चुकी है मेरी
और अब जिंदगी की आरजू बस तुम्हारे साथ है

• • •

साँस रुक जाए भला ही तेरा इंतज़ार करते-करते
तेरे दीदार की आरजू हरगिज़ कम न होगी

• • •

उमरे दराज लाए थे माँग के चार दिन
दो आरजू में कट गए दो इंतज़ार में

• • •

काश की मुझे मुहब्बत न होती
काश की मुझे तेरी आरजू न होती
जी लेते यूँ ही जिंदगी को हम तेरे बिन
काश की ये तड़प हमें न होती

• • •

आरजू सी दिल में अक्रसर छुपाए फिरता हूँ
प्यार करता हूँ तुझसे पर कहने से डरता हूँ

कही नाराज़ न हो जाओ मेरी गुस्ताखी से तुम
इसलिए खामोश रहके भी तेरी धड़कनों को सुना करता हूँ

• • •

ख्वाहिश बस इतनी सी है की तुम मेरे लफ़्ज़ों को समझो
आरजू ये नहीं की लोग वाह वाह करें

• • •

छोड दी हमने हमेशा के लिए उसकी आरजू करना
जिसे मोहब्बत की कद्र न हो उसे दुआओं में क्या माँगना

• • •

सर से लगा के पाँव तलक दिल हुआ हूँ मैं
याँ तक तो फ़न-ए-इश्क़ में कामिल हुआ हूँ मैं

• • •

उलझी सी ज़िंदगी को सँवारने की आरजू में बैठे हैं
कोई अपना दिख जाए शायद उसे पुकारने को बैठे हैं

• • •

इंतज़ार की आरजू अब खो गई है
ख़ामोशियों की आदत हो गई है
न शिकवा रहा न शिकायत किसी से
अगर है तो एक मोहब्बत
जो इन तन्हाइयों से हो गई है

• • •

सितारों की महफ़िल ने करके इशारा
कहा अब तो सारा जहाँ है तुम्हारा
मुहब्बत जवाँ हो खुला आसमाँ हो
करे कोई दिल आरजू और क्या

• • •

ज़रूरी नहीं ये बिल्कुल कि तू मेरी हर बात को समझे
आरजू बस इतनी है कि तू मुझे कुछ तो समझे

• • •

ज़िंदगी की आखिरी आरजू बस यही है
तू सलामत रहे दुआ बस यही है

• • •

कुछ आग आरजू की उम्मीद का धुआँ कुछ
हाँ राख ही तो ठहरा अंजाम ज़िंदगी का

• • •

आँखों की चमक पलकों की शान हो तुम
चेहरे की हँसी लबों की मुसकान हो तुम
धड़कता है दिल बस तुम्हारी आरजू में
फिर कैसे न कहूँ मेरी जान हो तुम

• • •

मुद्दत से थी किसी से मिलने की आरजू
ख्वाहिश ए दिदार में सबकुछ भुला दिया
किसी ने दी खबर वो आएँगे रात को

इतना किया उजाला अपना घर तक जला दिया



याद

मैं शिकायत करूँ तो क्यों करूँ ये तो किस्मत की बात है
तेरी सोच में भी नहीं मैं और तू मुझे लफ़्ज़ लफ़्ज़ याद है

• • •

मुझे याद है तो इतना तेरी जुस्तजू में था
मैं मगर उसके बाद तो बस कहीं खुद ही खो गया मैं

• • •

यों चाँद भी तन्हा है चाँदनी के बग़ैर
मेरा दिल भी तन्हा है तेरी याद के बग़ैर

• • •

चली आती है तेरी याद मेरे जहन में अक़सर
तुझे हो न हो तेरी यादों को जरूर मुझसे मोहब्बत है

• • •

याद आती है तेरी आके ठहर जाती है
मेरी साँसों में जुनूँ बनके उतर जाती है

• • •

लिखते हैं कि तेरी याद चली जाएगी
पर हर लब्ज क्रयामत ढाता है

• • •

बहुत छुपाकर रखा था तेरी मोहब्बत का राज़ सबसे
तेरी याद आते ही ये अशक़ सब बयान कर देते हैं

• • •

मेरी मोहब्बत सच्ची है इसलिए तेरी याद आती है
अगर तेरी बेवफ़ाई सच्ची है तो अब याद मत आना

• • •

धूप गई छाँव गई दिन गया रात गई
दिल से तेरी याद न गई मिलने की फरियाद न गई

• • •

तेरी याद को पसंद आ गई है मेरी आँखों की नमी
हँसना भी चाहूँ तो रुला देती है तेरी कमी

• • •

मेरी डबडबाती आँखों पे ठिठके अशक़ सा
नशतर सी गड़ती तेरी याद सा इशक़

• • •

कितने अजीब इन्सान है तेरी दुनिया में ऐ खुदा
शौक ऐ मोहब्बत भी रखते हैं और याद तक नहीं करते

• • •

तेरी मज़बूरियाँ भी होंगी चलो मान लेते हैं
मगर तेरा एक वादा भी था मुझे याद रखने का

• • •

तुझे भुलाने के हज़ार तरीक़े सोचते रहे रात भर

और इस तरह तेरी याद में एक रात और गुज़र गई

● ● ●

तुझे भूल जाने की कोशिश कभी कामयाब न हो सकी
तेरी याद फूल-ए-गुलाब है जो हवा चली तो महक गई

● ● ●

तेरी याद से शुरू होती है मेरी हर सुबह
फिर ये कैसे कह दूँ कि मेरा दिन ख़राब है

● ● ●

आज फिर दिल ने कहा आओ भुला दें यादें
भूल जाना भी तो इक तरह की नेअमत है
वरना इनसान को पागल न बना दें यादें

● ● ●

इक रिश्ता जो है और नहीं भी
बस कुछ लफ़्ज़ से हैं तेरे मेरे दरमियाँ
कुछ पुरानी कुछ ताज़ी यादें
दो जोड़ी आँखों की वो गुफ़्तगू
और इक अभूली याद

● ● ●

तेरी तसवीरों में कुछ यादें मेरी भी हैं
कुछ पलों की बातें अधूरी भी हैं

● ● ●

वो मोहब्बत ही क्या जिसमें यादें ही न हो
और वो यादें ही क्या जिसमें तुम न हो

● ● ●

यादें जब आती हैं बनजाते हैं रुसवाइयों के बवंडर
आँखों से आँसुओं की धार निकल जाती है
अँधेरे उजले पथ पर चलते-चलते
एक टूटी तसवीर उभर जाती है

● ● ●

उतर जाती हैं जो जहन में तो फिर जल्दी नींद नहीं आती
ये कॉफ़ी और तुम्हारी यादें एक जैसी हैं

● ● ●

एक मुख़्तसर लम्हा ही तो था
अपने पीछे न जाने कितनी यादें छोड़ गया

● ● ●

तेरी यादें अक्रसर छेड़ जाया करती हैं
कभी आँखों का पानी बनकर कभी हवा का झोंका बनकर

● ● ●

ले लो न वापस वो तड़प वो आँसू वो यादें सारी
नहीं कोई जुर्म मेरा तो फिर ये सज़ाएँ कैसी

● ● ●

ज़िंदगी में कुछ हसीन पल बस यों ही गुज़र जाते हैं
रह जाती है यादें इनसान बिछड़ जाते हैं

● ● ●

गुज़र जाएगा ये दौर भी चंद लम्हों में
कुछ अजनबियों से ही सही यादें तो बना लीजिए जनाब

● ● ●

इंतज़ार रहता है हर शाम तेरा
यादें काटती हैं ले ले के नाम तेरा
मुद्दत से बैठे हैं तेरे इंतज़ार में
कि आज आएगा कोई पैग़ाम तेरा

● ● ●

यादें उन्हीं की आती है जिनसे कुछ ताल्लुक हो
हर शख्स मुहब्बत की नज़र से देखा नहीं जाता

● ● ●

खर्च जितना भी करूँ बढ़ती जाती है
ये यादें तेरी अजीब दौलत है

● ● ●

इतनी यादें तेरी पर तू ही मेरे पास नहीं
इतनी बातें है पर करने को तू ही साथ नहीं

● ● ●

इस दुनिया में सबकुछ बिकता है
फिर जुदाई ही रिश्तों क्यों नहीं लेती
मरता नहीं है कोई किसी से जुदा होकर
बस यादें ही हैं जो जीने नहीं देती

● ● ●

क्या खूब होता अगर यादें रेत होती
मुट्ठी से गिरा देते पाँव से उड़ा देते

● ● ●

जीना चाहते हैं ज़िंदगी रास नहीं आती
मरना चाहते हैं मौत पास नहीं आती
बहुत उदास हैं हम इस ज़िंदगी से
उनकी यादें तो तड़पाने से बाज़ नहीं आती

● ● ●

यों ही गुज़र जाते हैं मीठे लम्हे किसी मुसाफ़िर की तरह
और यादें वहीं खड़ी रह जाती हैं रुके रास्तों की तरह

● ● ●

जहन में हर शाम यादें तुम्हारी आ बैठती हैं ऐसे
किसी दीवार पर दोपहर की धूप चढ़ी हो जैसे

● ● ●

कुछ ज़ख्म कुछ दर्द कुछ यादें कुछ अधूरे ख़्वाब कुछ झूठे वादे
शुक्रिया मोहब्बत तेरा तुमने खाली हाथ नहीं भेजा अपने दर से

● ● ●

मेरे दिल की सिम्त न देख तू
किसी और का ये मुक़ाम है
यहाँ उसकी यादें मुक़ीम हैं

ये किसी को मैंने दिया नहीं

● ● ●

प्यार का रिश्ता भी कितना अजीब होता है
मिल जाए तो बातें लंबी और बिछड़ जाएँ तो यादें लंबी

● ● ●

यों दूरियों की आग में सुलगती है जाँ
छुटता नहीं है दिल से तेरी याद का धुआँ

● ● ●

सिसकियाँ लेता है वजूद मेरा गालिब
नोंच-नोंचकर खा गई तेरी याद मुझे

● ● ●

नींद को आज भी शिकवा है मेरी आँखों से
मैंने आने न दिया उसको तेरी याद से पहले

● ● ●

ये मत कहना कि तेरी याद से रिश्ता नहीं रखा
मैं खुद तन्हा रहा मगर दिल को तन्हा नहीं रखा

● ● ●

रात हुई जब शाम के बाद
तेरी याद आई हर बात के बाद
हमने खामोश रहकर भी देखा
तेरी आवाज़ आई हर साँस के बाद

● ● ●

हो जाओ गर तनहा कभी तो मेरा नाम याद रखना
मुझे याद हैं सितम तेरे तू मेरा प्यार याद रखना

● ● ●

इन आँखों ने भी दम तोड़ दिया तेरे आने के एतबार में
मुझे याद है वादा फरोशी तेरी तू ये इंतज़ार याद रखना

● ● ●

गम ने हसने न दिया ज़माने ने रोने न दिया
इस उलझन ने चैन से जीने न दिया
थक के जब सितारों से पनाह ली
तो तेरी याद ने सोने न दिया

● ● ●

जीने को कोई बहाना बता दो
तेरी याद में रोज़ मरती हूँ मैं

● ● ●

मुसकराती आँखों से अफ़साना लिखा था
शायद आपका मेरी ज़िंदगी में आना लिखा था
तकदीर तो देखो मेरे आँसू की उसको भी
तेरी याद में बह जाना लिखा था

● ● ●

दुआ कौन सी थी हमें याद नहीं बस इतना याद है
दो हथेलियाँ जुड़ी थी एक तेरी थी एक मेरी थी

• • •

साँस को बहुत देर लगती है आने में
हर साँस से पहले तेरी याद आ जाती है

• • •

हम कोई तर्क ए वफ़ा करते हैं
तू न सही तेरी याद ही सही

• • •

तुझसे ज़्यादा तेरी याद को है मुझसे हमदर्दी
देखती है मुझे तन्हा तो चली आती है

• • •

ख़त

तेरे ख़त में इश्क़ की गवाही आज भी है
हफ़्त धुँधले हो गए पर स्याही आज भी है

• • •

वो अनपढ़ था फिर भी उसने पढ़े-लिखे लोगों से कहा
एक तसवीर कई ख़त भी हैं साहब आपकी रद्दी में

• • •

प्यार छिपा है ख़त में इतना जितने सागर में मोती
चूम ही लेता हाथ तुम्हारा पास जो मेरे तुम होती

• • • • •

मैं मुहब्बत से महकता हुआ ख़त हूँ मुझको
जिंदगी अपनी किताबों में छुपाकर ले जाए

• • •

गुस्से में बरहमी में ग़ज़ब में इताब में
ख़ुद आ गए हैं वो मिरे ख़त के जवाब में

• • •

कान्हा को राधा ने प्यार का पैग़ाम लिखा
पूरे ख़त में सिर्फ़ कान्हा कान्हा नाम लिखा

• • •

मेरे ख़त यों सरेआम जलाया न करो
राख से भी आती हैं खुशबू मेरी मोहब्बत की

• • •

जब प्यार नहीं है तो भुला क्यों नहीं देते
ख़त किस लिए रखे हैं जला क्यों नहीं देते

• • •

मैंने ख़त को देखा और रख दिया बिना पढ़े हुए
मैं जानती हूँ कि उसमें भूल जाने का मशवरा होगा

• • •

बड रहा है दर्द ग़म उसको भूला देने के बाद
याद उसकी ओर आई ख़त जला देने के बाद

• • •

आज का ख़त ही उसे भेजा है कोरा लेकिन
आज का ख़त ही अधूरा नहीं लिखा मैं ने

• • •

कैसे मानें कि उन्हें भूल गया तू ऐ कैफ़
उनके ख़त आज हमें तेरे सिरहाने से मिले

• • •

पहली बार वो ख़त लिखा था
जिसका जवाब भी आ सकता था

• • •

तुम्हारे ख़त में नया इक सलाम किसका था

न था रक्रीब तो आखिर वो नाम किसका था

• • •

उनके खत की आरजू है उनकी आमद का खयाल
किस क्रदर फैला हुआ है कारोबार ए इंतजार

• • •

इक खत लिखा था बादलों को
भीगा भीगा जवाब आया अभी

• • •

जैसे हो उम्र भर का असासा गरीब का
कुछ इस तरह से मैंने सँभाले तुम्हारे खत

• • •

किसी को भेज के खत हाए ये कैसा अज्ञाब आया
कि हर इक पूछता है नामाबर आया जवाब आया

• • •

फिर एक बेनाम खत आया है मेरे नाम
फिर कागज में उसकी तसवीर उभर आई है

• • •

वो एक खत जो उसने कभी लिखा ही नहीं
मैं रोज बैठकर उसका जवाब लिखता हूँ

• • •

खुशबू जैसे लोग मिले अफ़साने में
एक पुराना खत खोला अनजाने में

• • •

लिखा है अपने नाम से अपने पते पर खत
मुद्दत के बाद अपनी खबर चाहती हूँ मैं

• • •

माँ ने अपने दर्द भरे खत में लिखा
सड़कें पक्की हैं अब तो गाँव आया कर

• • •

आपका खत नहीं मिला मुझको
दौलत ए दो जहाँ मिली मुझको

• • •

मैंने उसकी तरफ़ से खत लिखा
और अपने पते पे भेज दिया

• • •

अँधेरा है कैसे तिरा खत पढ़ूँ
लिफ़ाफ़े में कुछ रोशनी भेज दे

• • •

मैं देखता रहा उस खत को बार-बार
बड़े उम्मीद से उसने आपकी लिखा होगा

• • •

किस खत में रखकर भेजूँ अपने इंतजार को
बेजुबां हैं इशक़ ढूँढ़ता हैं खामोशी से तुझे

• • •

गैर को ख़त लिखा उस पे पता मेरा रखा
हँस के आईने से कहा आतिश ज़िंदा है अभी

• • •

मुद्दत के बाद ख़त आया जो इज़हार-ए-मोहब्बत का
बैरन आँखियों ने बिन पढ़े भिगो हर लफ़्ज़ मिटा दिए

• • •

दिले नादाँ न धड़क ऐ दिले नादाँ न धड़क
कोई ख़त ले के पड़ोसी के घर आया होगा

• • •

हसरतें आज भी ख़त लिखती हैं मुझे
पर मैं अब पुराने पते पर नहीं रहता

• • •

अजी फेंको रक़ीब का नामा
न इबारत भली न अच्छा ख़त

• • •

कोई पुराना ख़त कुछ भूली-बिसरी याद
ज़ख्मों पर वो लम्हे मरहम होते हैं

• • •

क्रासिद के आते-आते ख़त एक और लिख रखूँ
मैं जानता हूँ जो वो लिखेंगे जवाब में

• • •

वो भी शायद रो पड़े वीरान कागज़ देखकर
मैंने उसको आख़िरी ख़त में लिखा कुछ नहीं था

• • •

वो रोई तो जरूर होगी खाली कागज़ देखकर
ज़िंदगी कैसी बीत रही है पूछा था उसने ख़त में

• • •

रूह घबराई हुई फिरती है मेरी लाश पर
क्या जनाज़े पर मेरे ख़त का जवाब आने को है

• • •

बेकरारी

बेकरारी सी बेकरारी है
वस्ल है और फिराक़ तारी है
जो गुजारी न जा सकी हमसे
हमने वो ज़िंदगी गुजारी है

• • •

हम उनका इंतज़ार बेकरारी से करते रहे
वो फ़रेब का इख़्तियार बेकद्री से करते रहे

• • •

दिल की मेरी बेकरारी मुझसे कुछ पूछो नहीं शब की
मेरी आहओजारी मुझसे कुछ पूछो नहीं

• • •

ले गया लूट के कौन आज तेरा सबओक्रार
बेकरारी तुझे ऐ दिल कभी ऐसी न थी
उनकी आँखों ने ख़ुदा जाने किया क्या जादू
तबीयत मेरी माइल कभी ऐसी न थी

• • •

चला गया जो ख़ुशबू भी साथ अपने ले जाता
बेचैन दिल की बेकरारी को थोड़ा करार आ जाता

• • •

इस इंतज़ार की घड़ी को पल-पल की बेकरारी को
लाफ़्ज़ों में बयां कैसे कर दूँ मखमली एहसासों को
रेशमी जज़्बातों को अल्फ़ाज़ों में बयां कैसे कर दूँ

• • •

कैफ़ियत ये बेकरारी की है अब हमको अजीज़
ये ख़ुमारी टूट जाए तो बिखर जाएँगे हम

• • •

बड़ी मुश्किल से दिल की बेकरारी को करार आया
मुझे जिस ज़ालिम ने तड़पाया उसी पे मुझको प्यार आया

• • •

जैसे शाम ठिठकी हो बुझने से पहले
रात आगाज़ को झुकी जाती हो
तुम उधर इंतज़ार में मैं इधर बेकरारी में

• • •

इश्क़ में चैन कहूँ या आलम बेकरारी का
तसव्वुर मरने नहीं देता तन्हा जी नहीं सकते

• • •

उम्र भर बस यही इक उदासी रही
आपके दीद को आँख प्यासी रही
आपके बाद जाने के बस
दो यही बेकरारी रही बदहवासी रही

● ● ●

हर एक शख्स है अपने वजूद से बाहर
हर एक शख्स के चेहरे पे बेक्रारी है

● ● ●

न इंतज़ार न उलझन न बेक्रारी है
न पूछ आज तेरी याद कितनी प्यारी है

● ● ●

अजब सी बेक्रारी है
दिन भी भारी था रात भी भारी है
अगर मेरा दिल तोड़ना है तो शौक से तोड़िए
क्योंकि चीज़ ये हमारी नहीं तुम्हारी है

● ● ●

बेक्रारी इश्क की है जाते-जाते जाएगी
सब्र आएगा तो ऐ दिल आते-आते आएगा

● ● ●

तेरी तसवीर ख़ुद में ही बेक्रारी का साजो सामाँ है
खुमारियाँ कहती हैं इम्तहाँ है इंतहाँ है ख्वाबों की दास्ताँ है

● ● ●

सोचा था उनसे दूर रहकर शाद रहेंगे
बेक्रारी सी बेक्रारी है औ नाशाद हैं हम

● ● ●

वही शाम की परछाइयाँ
दिल पे ग़म की रानाइयाँ
तकते बेक्रारी से राहें
मुझे घेरे हैं तन्हाइयाँ

● ● ●

इश्क में तो हर चीज़ मिट जाती है
बेक्रारी बनके हमें तड़पाती है
याद याद याद बस याद रह जाती है

● ● ●

मुद्दत के बाद मुलाकात का असर था
या उसके गुज़रे इश्क की खुमारी थी
दिल-ए-बरबाद को चैन भी उसके साथ था
उसी के साथ ही बेक्रारी थी

● ● ●

वो पूछते हैं हाल मेरा इस बेक्रारी से
की फिर मेरा ठीक होना भी मुझे अच्छा नहीं लगता

● ● ●

ये बेक्रारी की मोहब्बत पर कुछ यों कमाल हो जाए
मेरी बेक्रारी से उसकी बेक्रारी का करार हो जाए

● ● ●

शरारत न होती शिकायत न होती
नैनों में किसी के नज़ाकत न होती

न होती बेकरारी न होते हम तनहा
अगर जहाँ में कमबख्त ये मोहब्बत न होती

• • •

जो हो सके तो कोई टूटा हुआ वादा ही रख दे आँखों में मेरी
के आज बढ़ गई है बेकरारी हद से कहीं ज्यादा मेरी

• • •

आँखें ये सुख न सोने से नहीं मीठे ख्वाबों की ये ख़ुमारी है
कल तलक थी उधर ये बेचैनी हाँ इधर आज बेकरारी है

• • •

निगाहों में बसी उनकी ही सूरत फिर भी उनका इंतज़ार है
तुझसे मिलने को ये दिल क्यों इतना बेकरार है

• • •

काश आपकी सूरत इतनी प्यारी न होती
काश आपसे मुलाक़ात हमारी न होती
सपनों में ही देख लेते हम आपको
तो आज मिलने की इतनी बेकरारी न होती

• • •

इश्क़ करने से पहले आ बैठ फैसला कर लें
सुकूँ किसके हिस्से होगा बेकरारी किसके हिस्से

• • •

फिर कुछ इस दिल को बेकरारी है
सीना जोया-ए-ज़ख्म-ए-कारी है
फिर जिगर खोदने लगा नाखून
आमद-ए-फ़स्ल-ए-लालाकारी है

• • •

बेकरारी का पूछते हो सबब
सिर्फ़ आपका इंतज़ार है साहिब

• • •

ले गया छीन के कौन आज तेरा सन्नोकरार
बेकरारी तुझे ऐ दिल कभी ऐसी तो न थी

• • •

शबभर नींद में भी अब नींद कहाँ आती है
फ़िराक़-ए-यार में हर ख्वाब निकल जाती है

• • •

बेकरारी बढ़ते-बढ़ते दिल की फ़ितरत बन गई
शायद अब तस्कीन का पहलु नज़र आने लगे

• • •

रात भर बेकरारी की सबब बनी जो सनसनाहट
वो सिर्फ़ हवा के झोंके थे यादों के आँगन में

• • •

कब दिल को सुकून और बेकरारी एक साथ होगी
कब बहुत कुछ कहना चाहना और कुछ भी न कह पाना होगा

• • •

हमें भी नींद आ जाएगी हम भी सो ही जाएँगे
अभी कुछ बेकरारी है सितारों तुम तो सो जाओ

• • •

आलम ए बेकरारी बता रहे हो
जाने क्या बात हुई
कभी मोहब्बत
तो कभी खुशी लुटा रहे हो

• • •

ले गया छीन के कौन आज तेरा सन्नोकरार
बेकरारी तुझे ऐ दिल कभी ऐसी तो न थी

• • •

जुबिश लबों की तेरी दस्तक थी दिल पे मेरे
उफ़फ़ बेकरारी-ए-दिल था इंतज़ार एक हाँ का

• • •

बेकरारी सी बेकरारी है वस्ल है और फिराक़ तारी है
जो गुजारी न जा सकी हमसे हमने वो ज़िंदगी गुजारी है

• • •

आँख में अश्रु साँस भारी है
जाने क्यों इतनी बेकरारी है

• • •

अगर इश्रक़ करो तो अदब-ए-वफ़ा भी सीख लो
ये चाँद लम्हों की बेकरारी मोहब्बत नहीं होती

• • •

बेकरारी दिलेबीमार की अल्लाअल्ला
फ़र्शगुल पर भी न आना था न आराम आया

• • •

आलम तो ये न था कि दूरियाँ इतनी बढ़ जाए
पर बेकरारी ने तो हद कर दी

• • •

फिर-ए-बेकरारी में यों कागज़ सुख़ होते रहे
कलम चलती रही और मसाइल हलाक़ होते चले गए

• • •

दर्द से मेरे है तुझको बेकरारी हाय हाय
क्या हुआ ज़ालिम तेरी ग़फ़लतशिआरी हाय हाय

• • •

बेकरारी मेरी देख ली है तो अब ज़ब्त भी देखना
इतना ख़ामोश रहूँगा मैं के चीख़ उठेगा तू

• • •

बेकरारी है कभी पूरे समंदर की तरह
और कभी मिल जाता है एक क्रतरे में सुकून

• • •

सभी को दुःख था समंदर की बेकरारी का
किसी ने मुड़ के नदी की तरफ़ नहीं देखा

• • •

जो सबसे जुदा है वो अंदाज़ हो तुम
छुपा था जो दिल में वो ही राज़ हो तुम
तुम्हारी नज़ाकत बनी जब से चाहत
सुकून बन गई है हर एक बेकरारी

• • •

बेवफ़ा

वफ़ादार और तुम खयाल अच्छा है
बेवफ़ा और हम इल्ज़ाम भी अच्छा है

• • •

हर किसी की ज़िंदगी का एक ही मकसद है
खुद भले हों बेवफ़ा लेकिन तलाश वफ़ा की करते हैं

• • •

मज़बूरी में जब कोई जुदा होता है
ज़रूरी नहीं कि वो बेवफ़ा होता है
देकर वो आपकी आँखों में आँसू
अकेले में वो आपसे ज़्यादा रोता है

• • •

चलो छोड़ो ये बहस कि वफ़ा किसने की और बेवफ़ा कौन है
तुम तो ये बताओ कि आज तन्हा कौन है

• • •

वफ़ा निभा के वो हमें कुछ दे न सके
पर बहुत कुछ दे गए जब वो बेवफ़ा हुए

• • •

तुम अगर याद रखोगे तो इनायत होगी
वरना हमको कहाँ तुमसे शिकायत होगी
ये तो बेवफ़ा लोगों की दुनिया है
तुम अगर भूल भी जाओ जो रिवायत होगी

• • •

जो एक बेवफ़ा से प्यार किया था
न जाने क्या है
उसकी उदास आँखों में
वो मुँह छुपा के भी जाए तो बेवफ़ा न लगे

• • •

जिस किसी को भी चाहो वो बेवफ़ा हो जाता है
सर अगर झुकाओ तो सनम खुदा हो जाता है
जब तक काम आते रहो हमसफ़र कहलाते रहो
काम निकल जाने पर हमसफ़र कोई दूसरा हो जाता है

• • •

हमें तो कब से पता था की तू बेवफ़ा है
तुझे चाहा इसलिए कि शायद तेरी फितरत बदल जाए

• • •

ये बेवफ़ा वफ़ा की कीमत क्या जाने
ये बेवफ़ा ग़म-ए-मोहब्बत क्या जाने
जिन्हें मिलता है हर मोड़ पर नया हमसफ़र
वो भला प्यार की कीमत क्या जाने

• • •

किसी को इतना भी न चाहो कि भुला न सको क्योंकि
जिंदगी इनसान और मोहब्बत तीनों बेवफ़ा हैं

● ● ●

मोहब्बत का नतीजा दुनिया में हमने बुरा देखा
जिन्हें दावा था वफ़ा का उन्हें भी हमने बेवफ़ा देखा

● ● ●

तुम समझ लेना बेवफ़ा मुझको मैं तुम्हें मगरूर मान लूँगा
ये वजह अच्छी होगी एक दूसरे को भूल जाने के लिए

● ● ●

जुल्मो सितम सहते रहे एक बेवफ़ा की आस में
डुबो दिया मुझे दरिया ने दो घूट की प्यास में

● ● ●

तु बदली तो मज़बूरियाँ थी
और जब मैं बदला तो बेवफ़ा हो गया

● ● ●

आरजू थी की तेरी बाँहों में दम निकले
लेकिन बेवफ़ा तुम नहीं बदनसीब हम निकले

● ● ●

अरे बेपनाह मोहब्बत की थी हमने तुझसे ओ बेवफ़ा
तुझे दुःख दूँ ये न होगा कभी खुद मर जाऊँ यहीं ठीक है

● ● ●

मुझसे मेरी वफ़ा का सबूत माँग रहा है
खुद बेवफ़ा हो के मुझसे वफ़ा माँग रहा है

● ● ●

तू भी बेवफ़ा निकला औरों की तरह सोचा था
की हम तुझसे ज़माने की बेवफ़ाई का गिला करेंगे

● ● ●

हमारे हर सवाल का सिर्फ़ एक ही जवाब आया
पैग़ाम जो पहुँचा हम तक बेवफ़ा इल्ज़ाम आया

● ● ●

ये कैसी चाहत है यारों
वो बेवफ़ा है ये जानकर भी हम उन्हीं से मुहब्बत करते हैं

● ● ●

क्यों जिंदगी इस तरह तुम दूर हो गए
क्या बात है जो इस तरह मगरूर हो गए
हम तरसते रहे तुम्हारा प्यार पाने को
बेवफ़ा बनकर तुम तो मशहूर हो गए

● ● ●

तू भी बेवफ़ा निकला औरों की तरह सोचा था
कि हम तुझसे ज़माने की बेवफ़ाई का गिला करेंगे

● ● ●

वो तो अपना दर्द रो-रोकर सुनाते रहे
हमारी तन्हाइयों से भी आँख चुराते रहे

हमें ही मिल गया बेवफ़ा का ख़िताब क्योंकि
हम हर दर्द मुसकराकर छिपाते रहे

• • •

अबकी बार सुलह कर ले मुझसे ऐ दिल
वादा करते हैं फिर न देंगे तुझे
किसी बेवफ़ा के हाथ में

• • •

जाम पे जाम पीने से क्या फायदा दोस्तों
रात को पी हुई शराब सुबह उतर जाएगी
अरे पीना है तो दो बूँद बेवफ़ा के पी के देख
सारी उमर नशे में गुज़र जाएगी

• • •

मिल जाएगा हमें भी कोई टूट के चाहने वाला
अब शहर का शहर तो बेवफ़ा नहीं हो सकता

• • •

जनाज़ा मेरा उठ रहा था फिर भी तकलीफ़ थी उसे आने में
बेवफ़ा घर में बैठी पृष्ठ रही थी और कितनी देर है दफनाने में

• • •

हमें न मोहब्बत मिली न प्यार मिला हमको
जो भी मिला बेवफ़ा यार मिला
अपनी तो बन गई तमाशा ज़िंदगी हर कोई
अपने मकसद का तलबगार मिला

• • •

टूटे हुए दिल ने भी उसके लिए दुआ माँगी
मेरी साँसों ने हर पल उसकी खुशी माँगी
न जाने कैसी दिल्लगी थी उस बेवफ़ा से
के मैंने आखिरी ख़्वाहिश में भी उसकी वफ़ा माँगी

• • •

घर बनाकर मेरे दिल में वो बेवफ़ा चली गई है
न ख़ुद रहती है न किसी और को बसने देती

• • •

आपकी नशीली यादों में डूबकर
हमने इश्क़ की गहराई को समझा
आप तो दे रहे थे धोखा और
हमने जानकर भी कभी आपको बेवफ़ा न समझा

• • •

बेवफ़ा होने के बाद तो कितनी ही
मजबूरियों को गिना देते हैं लोग
काश वफ़ा करने की भी कोई मजबूरी होती

• • •

कौन सी स्याही और कौन सी कलम से लिखता होगा
जब वो किसी के नसीब में एक बेवफ़ा लिखता होगा

• • •

गमों की बरसात समेटे बैठा हूँ
किसी बेवफ़ा से धोखा खाया बैठा हूँ
जाने कब देगा ऊपरवाला मुझे मौत
ख़ुदा के भरोसा आस लगाए बैठा हूँ

• • •

हर भूल तेरी माफ़ की हर ख़ता को तेरी भुला दिया
ग़म है कि मेरे प्यार का तूने बेवफ़ा बनके सिला दिया

• • •

किसी की खातिर मोहब्बत की इंतेहाँ कर दो
लेकिन इतना भी नहीं कि उसको ख़ुदा कर दो
मत चाहो किसी को टूटकर इस कदर इतना
कि अपनी वफ़ाओं से उसको बेवफ़ा कर दो

• • •

तू बेवफ़ा है तेरी बेवफ़ाई में दिल बेकरार ही न करूँ
तू हुक्म दे तो तेरा इंतज़ार ही न करूँ
तू बेवफ़ा है तो कुछ इस कदर बेवफ़ाई कर
के तेरे बाद मैं किसी और से प्यार ही न करूँ

• • •

न पूछ मेरे सब्र की इंतेहा कहाँ तक हैं
तू सितम कर ले तेरी हसरत जहाँ तक हैं
वफ़ा की उम्मीद जिन्हें होगी उन्हें होगी
हमें तो देखना है तू बेवफ़ा कहाँ तक हैं

• • •

बेवफ़ा तेरा मासुम चेहरा भुल जाने के काबिल नहीं
है मगर तू बहुत ख़ूबसूरत पर दिल लगाने के काबिल नहीं

• • •

फ़र्ज था जो मेरा निभा दिया मैंने
उसने माँगा जो वो सब दे दिया मैंने
वो सुनके ग़ैरों की बातें बेवफ़ा हो गई
समझ के ख़्वाब उसको आखिर भुला दिया मैंने

• • •

बिछड़ के तुमसे जिंदगी सज़ा लगती है
ये साँस भी जैसे मुझसे ख़फ़ा लगती है
अगर उम्मीद-ए-वफ़ा करूँ तो किससे करूँ
मुझको तो मेरी जिंदगी भी बेवफ़ा लगती है

• • •

चाँद का क्या कसूर अगर रात बेवफ़ा निकली
कुछ पल ठहरी फिर चल निकली
उनसे क्या कहे वो तो सच्चे थे
शायद हमारी तक़दीर ही हमसे ख़फ़ा निकली

• • •

वो बेवफ़ा हमारा इम्तेहा क्या लेगी
मिलेगी नज़रों से नज़रें तो अपनी नज़रें झुका लेगी

उसे मेरी कब्र पर दीया मत जलाने देना
वो नादान है यारों अपना हाथ जला लेगी

• • •

वफ़ा का नाम मत लो यारों वफ़ा दिल को दुखाती है
वफ़ा का नाम लेने से हमें एक बेवफ़ा की याद आती है

• • •

छोड़कर जिन बेवफ़ाओं को जाना होता है
नाराज़गी तो बस उनका एक बहाना होता है

• • •

दर्द ही सही मेरे इश्क़ का इनाम तो आया
खाली ही सही हाथों में ज़ाम तो आया
मैं हूँ बेवफ़ा सबको बताया उसने
यों ही सही उसके लबों पे मेरा नाम तो आया

• • •

मुझे इश्क़ है बस तुमसे नाम बेवफ़ा मत देना
ग़ैर जानकर मुझे इल्ज़ाम बेवज़ह मत देना
जो दिया है तुमने वो दर्द हम सह लेंगे मगर
किसी और को अपने प्यार की सज़ा मत देना

• • •

आग़ दिल में लगी जब वो ख़फ़ा हो गए
महसूस हुआ तब जब वो जुदा हो गए
करके वफ़ा कुछ दे न सके वो हमें
पर बहुत कुछ दे गए जब बेवफ़ा हो गए

• • •

मिली थी तुझसे पहली बार देखने को ख़ुदा कैसा होता है
चाहती हूँ मिलना फिर एक बार देखने को बेवफ़ा कैसा होता है

• • •

अब वफ़ा का नाम न ले कोई हमें बेवफ़ा की तलाश है
पत्थर का दिल सीने में हो हमें उस ख़ुदा की तलाश है

• • •

उसे बेवफ़ा कहेंगे तो
अपनी नज़र में ही गिर जाएंगे हम

• • •

कुछ तो तरस खा मेरे तड़पते दिल पर ऐ बेवफ़ा
मैंने मोहब्बत ही नहीं इबादत भी की है तेरी

• • •

ज़िज़्क़ अपनी हर बात में लाता है मेरा
भूला नहीं है वो मुझे बेवफ़ा होकर भी

• • •

क्रिस्मत को मत देखो इस नज़र से
ये वो बेवफ़ा है जो लौट के आएगी

• • •

तुम बेवफ़ा नहीं यह तो धड़कनें भी कहती हैं

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>

पर अपनी मजबूरियों का एक पैगाम तो भेज देते

• • •

दोस्त तू जो बेवफ़ा हो जाएगा

जिंदगी में क्या नया हो जाएगा

• • •

किसे मालूम था इश्क़ इस कदर लाचार करता है

दिल उसे जानता है बेवफ़ा है मगर प्यार करता है

• • •

मिल जाएगा हमें भी कोई टूट के चाहने वाला

अब शहर का शहर तो बेवफ़ा नहीं हो सकता

• • •

मैं नादान था जो वफ़ा को तलाश करता रहा ग़ालिब

ये भी न सोचा की अपनी साँस भी एक दिन बेवफ़ा बन जाएगी

• • •

अगर नींद आ जाए तो सो भी लिया करो

रातों को जागने से बेवफ़ा लौटा नहीं करती

• • •

वो ज़माने में यों ही बेवफ़ा मशहूर हो गए दोस्त

हजारों चाहने वाले थे किस किस से वफ़ा करते

• • •

तेरा ख़याल दिल से मिटाया नहीं अभी

बेवफ़ा मैंने तुझको भुलाया नहीं अभी

• • •

मजबूरियाँ थीं उनकी और जुदा हम हुए

तब भी कहते हैं वो कि बेवफ़ा हम हुए

• • •

आरजू थी कि तेरी बाँहों में दम निकले

लेकिन बेवफ़ा तुम नहीं बदनसीब हम निकले

• • •

अपनों ने जहर का ज़ाम दे दिया ग़ैरों ने बेवफ़ा नाम दे दिया

जो कहते थे हमें भूल न जाना उन्हीं ने भूलने का पैगाम दे दिया

• • •

काम आ सकी न अपनी वफ़ाएँ तो क्या करें

उस बेवफ़ा को भुला न जाए तो क्या करें

• • •

किससे माँगे दवा ज़ख्मों की सभी ने चोटें खाई हैं

किसी का सनम बेवफ़ा है तो किसी का साजन हरजाई है

• • •

ये शायरी की महफ़िल बनी है आशिक़ों के लिए बेवफ़ाओं की क्या औकात जो शब्दों को तोल सके

• • •

चलो यों ही सही हम बेवफ़ा हैं

मगर ये तो बताएँ आप क्या हैं

• • •

तू भी आईने की तरह बेवफ़ा निकला
जो सामने आया उसी का हो गया

• • •

कौन से लफ़्ज़ में मैं दर्द की सदा लिखूँ किस तरह मैं अपने ही दिल को वफ़ा लिखूँ

• • •

इजाज़त हो तो तेरे चेहरे को देख लूँ जी भर के
मुद्दतों से इन आँखों ने कोई वफ़ा नहीं देखा

• • •

उसके तर्क-ए-मोहब्बत का सबब होगा कोई
जी नहीं मानता कि वो बेवफ़ा पहले से था

• • •

हर काम किया मैंने उसकी ख़ुशी के लिए
तब भी जाने क्यों वफ़ा कहलाता हूँ

• • •

मेरी तलाश का है जुर्म या मेरी वफ़ा का क्रसूर
जो दिल के करीब आया वही वफ़ा निकला

• • •

कितनी भी सच्ची मोहब्बत कर लो
वफ़ा लोग साथ छोड़ ही देते हैं

• • •

हसीन जिस कि जितनी अदा है
वो उतना ही बेवफ़ा है

• • •

पढ़ रहा हूँ मैं इश्क़ की किताब ऐ दोस्तों
गर बन गया वकील तो बेवफ़ाओं की ख़ैर नहीं

• • •

बेवफ़ाई उसकी मिटा के आया हूँ
ख़त उसके पानी में बहा के आया हूँ
कोई पढ़ न ले उस बेवफ़ा की यादों को
इसलिए पानी में भी आग लगाकर आया हूँ

• • •

वफ़ादार और तुम
ख़याल अच्छा है बेवफ़ा और हम
इल्ज़ाम भी अच्छा है

• • •

न करना प्यार कभी किसी मुसाफ़िर से
उनका ठिकाना बहुत दूर होता है
वो कभी बेवफ़ा तो नहीं होते
मगर उनका जाना ज़रूर होता है

• • •

अबकी बार सुलह कर ले मुझसे ऐ दिल
वादा करते है
फिर न देंगे तुझे किसी बेवफ़ा के हाथ में

● ● ●

जाम पे जाम पीने से क्या फायदा दोस्तों
रात को पी हुई शराब सुबह उतर जाएगी
अरे पीना है तो दो बूँद बेवफ़ा के पी के देख
सारी उमर नशे में गुज़र जाएगी

● ● ●

हर किसी की ज़िंदगी का एक ही मकसद है
खुद भले हों बेवफ़ा लेकिन तलाश वफ़ा की करते हैं

● ● ●

जनाज़ा मेरा उठ रहा था
फिर भी तकलीफ़ थी उसे आने में
बेवफ़ा घर में बैठी पूछ रही थी
और कितनी देर है दफ़नाने में

● ● ●

वो तो अपना दर्द रो-रोकर सुनाते रहे
हमारी तन्हाइयों से भी आँख चुराते रहे
हमें ही मिल गया बेवफ़ा का ख़िताब क्योंकि
हम हर दर्द मुसकराकर छिपाते रहे

● ● ●

पूछते हैं सब जब बेवफ़ा था तो उसे दिल दिया ही क्यों
किस किसको बतलाए
उस शख्स में बात ही कुछ ऐसी थी
दिल नहीं देते तो जान चली जाती

● ● ●

किसी की खातिर मोहब्बत की इंतहा कर दो
लेकिन इतना भी नहीं कि उसको ख़ुदा कर दो
मत चाहो किसी को टूटकर इस कदर
कि अपनी ही वफ़ाओं से उसको बेवफ़ा कर दो

● ● ●

तू बदली तो मज़बूरियाँ थी
और जब मैं बदला तो बेवफ़ा हो गया

● ● ●

हमें न मोहब्बत मिली न प्यार मिला
हमको जो भी मिला बेवफ़ा यार मिला
अपनी तो बन गई तमाशा ज़िंदगी
हर कोई अपने मकसद का तलबगार मिला

● ● ●

मेरे कलम से लफ़्ज़ खो गए शायद
आज वो भी बेवफ़ा हो गए शायद
जब नौद खुली तो पलकों में पानी था
मेरे ही ख़्वाब मुझ पर रो गए शायद

● ● ●

मज़बूरी में जब कोई जुदा होता है

ज़रूरी नहीं कि वो बेवफ़ा होता है
देकर वो आपकी आँखों में आँसू
अकेले में वो आपसे ज़्यादा रोता है

● ● ●

किसी और की बाँहों में रहकर
वो हमसे वफ़ा की बातें करते हैं
ये कैसी चाहत है यारों वो बेवफ़ा है
ये जानकर भी हम उन्हीं से मुहब्बत करते हैं

● ● ●

रुसवाईयों की बात क्यों करते हो
तन्हाइयों में याद क्यों करते हो
वफ़ा नहीं करना तो कोई बात नहीं
बेवफ़ाई की बात क्यों करते हो

● ● ●

मोहब्बत से भरी कोई
गज़ल उसे पसंद नहीं
बेवफ़ाई के हर शेर पे
वो दाद दिया करते हैं

● ● ●

अब मायूस क्या होना उसकी बेवफ़ाई पर ऐ दिल
तू खुद ही तो कहता था वो सबसे जुदा है

● ● ●

तेरे इश्क़ ने दिया सुकून इतना
कि तेरे बाद कोई अच्छा न लगे
तुझे करनी है बेवफ़ाई तो इस अदा से कर
कि तेरे बाद कोई बेवफ़ा न लगे

● ● ●

कोई शिकवा नहीं है तुमसे बेवफ़ाई का
मैं परेशान हूँ खुद अपनी वफ़ाओं से

● ● ●

खुदा करे किसी को मोहब्बत में जुदाई न मिले
कभी भी किसी को इश्क़ में बेवफ़ाई न मिले

● ● ●

तेरी बेवफ़ाई पे लिखूँगा गज़लों
सुना है हुनर को हुनर काटता है

● ● ●

मेरे दिल को अब किसी से गिला नहीं
मन से जिसे चाहा वो मुझे मिला नहीं
बदनसीबी कहूँ या वक्त की बेवफ़ाई
अँधेरे में एक दीपक मिला पर वो जला नहीं

● ● ●

कुछ नहीं बदला मुहब्बत में यहाँ
बस बेवफ़ाई आम हो गई है

• • •

काश हम भी होते ग़ालिब की तरह शायरी के बादशाह
हम भी तुझे रुलाते तेरी बेवफ़ाई के शेर सुना-सुनाकर

• • •

आँखों में जिनके बस गई दुनिया भर की रौनकें
वो शख्स बेवफ़ाई का एक ज़िंदा मिसाल था

• • •

लोग डूबकर सुनते हैं मेरी बेतुकी बातों को आजकल
तू ही बता तेरी बेवफ़ाई ने मुझे ये क्या बना दिया

• • •

जानकर भी वो मुझे जान न पाए
आज तक वो मुझे पहचान न पाए
खुद ही कर ली बेवफ़ाई हमने
ताकि उन पर कोई इल्जाम न आए

• • •

मेरी चुप्पी का मतलब बेवफ़ाई न समझो
कभी-कभी मज़बूरियाँ भी ख़ामोश कर जाती हैं

• • •

कुछ अलग ही करना है तो
वफ़ा करो दोस्त
वरना मज़बूरी का नाम लेकर
बेवफ़ाई तो सभी करते ही हैं

• • •

वो मोहब्बत भी तेरी थी वो शरारत भी तेरी थी
अगर कुछ बेवफ़ाई थी तो वो बेवफ़ाई भी तेरी थी
हम छोड़ गए तेरा शहर तो वो हिदायत भी तेरी थी
अगर करते तो किस्से करते तुम्हारी शिकायत
सनम वो शहर भी तेरा था वो अदालत भी तेरी थी

• • •

चोट है ज़ख्म हैं तोहमत है बेवफ़ाई है
बचपन के बाद इम्तेहान कड़ा होता है

• • •

अगर वो ज़िंदगी में फ़क़त एक बार मेरी हो
जाती तो मैं ज़माने की किताबों से लफ़्ज़
बेवफ़ाई ही मिटा देता

• • •

क्या दूँ सबूत अपनी वफ़ा का इससे बड़ा
मैंने ख़ुदा से बेवफ़ाई की तुझसे वफ़ा के खातिर

• • •

मोहब्बत रब से हो तो सुकून देती हैं
क्योंकि न खतरा हो जुदाई का न डर हो बेवफ़ाई का

• • •

तेरी यादें हर रोज़ आ जाती हैं मेरे पास

लगता है तुमने बेवफ़ाई नहीं सिखाई इनको

● ● ●

मत रख हमसे वफ़ा की उम्मीद
हमने हर दम बेवफ़ाई पाई है
मत ढूँढ़ हमारे जिस्म पे ज़ख्म के निशान
हमने हर चोट दिल पे खाई है

● ● ●

इस मुहब्बत में तुमको मैं खुशी दे न सकी
कोई तू राह बता कैसे मैं बेवफ़ाई करूँ
दर्द के शोलों को हवा दी हमने तेरे दिल में
इन गुनाहों से तोबा अब मैं कैसे करूँ

● ● ●

रुसवाइयों की बात क्यों करते हो
तन्हाइयों में याद क्यों करते हो
वफ़ा नहीं करना तो कोई बात नहीं
बेवफ़ाई की बात क्यों करते हो

● ● ●

पहले इश्क़ फिर धोखा फिर बेवफ़ाई
बड़ी तरकीब से एक शख्स ने तबाह किया

● ● ●

वफ़ा के बदले बेवफ़ाई न दिया करो
मेरी उम्मीद ठुकराकर इन्कार न किया करो
तेरी मुहब्बत में हम सबकुछ खो बैठे
जान चली जाएगी इम्तिहान न लिया करो

● ● ●

मोहब्बत न सही तन्हाई तो मिलती है
मिलन न सही जुदाई तो मिलती है
कौन कहता है मोहब्बत में कुछ नहीं मिलता
वफ़ा न सही बेवफ़ाई तो मिलती है

● ● ●

मोहब्बत खो गई मेरी
बेवफ़ाई के दलदल में
मगर इन पागल आँखों को
आज भी तेरी तलाश रहती है

● ● ●

जाने क्या सोच के लहरें साहिल से टकराती हैं
और फिर समंदर में लौट जाती हैं
समझ नहीं आता कि किनारों से बेवफ़ाई करती हैं
या फिर लौटकर समंदर से वफ़ा निभाती हैं

● ● ●

करनी थी अगर बेवफ़ाई तो हमें पहले ही बता देते
दुनिया बहुत हसीन है हम किसी ओर से दिल लगा लेते

● ● ●

रूठना/मनाना

सारी उम्र करते रहे इंतज़ार तेरे रूठने का
कभी तो मौक़ा दिया होता तूने मनाने का

• • •

तुझे ख़बर भी है इसकी ओ रूठने वाले
तुम्हारा प्यार ही मेरा कीमती खज़ाना था

• • •

तू जो रूठने लगा है दिल टूटने लगा है
अब सब्र का भी दामन मुझसे छूटने लगा है

• • •

ग़लती एक करी थी उसने जो हमने सच मानी थी
हमने जाने को कहा और उसने रूठने की ठानी थी

• • •

हमें तो रूठने का सलीका भी नहीं आता
जाते-जाते ख़ुद को उसके पास ही छोड़ आए

• • •

रूठने का लुत्फ़ आया ही नहीं
आप पहले ही मनाने आ गए

• • •

उन्हें रूठने में वक़्त नहीं लगता
मेरे पास वक़्त नहीं मनाने को

• • •

जंग न लग जाए मोहब्बत को कहीं
रूठने मनाने के सिलसिले जारी रखो

• • •

रूठने मनाने का सिलसिला कुछ यों हुआ
मान गया था मगर फिर रूठने का दिल हुआ

• • •

बहाने बनाना कोई उनसे सीखे
बनाकर मिटाना कोई उनसे सीखे
सबब रूठने का भी होता है लेकिन
यों ही रूठ जाना कोई उनसे सीखे

• • •

नाराज़गी नहीं है कोई मैं किससे शिकायत करूँ
ये रूठने मनाने की रस्म तो अपनों में हुआ करती है

• • •

रूठने की कोई दास्ताँ रही होगी
यकीनन कोई ख़ता रही होगी
तुमने सलाम नहीं लिया होगा उनका
यही तो बात दिल को सता रही होगी

• • •

बस एक यही आदत तो मेरी खराब है
रूठने के लिए न जाने कितने बहाने चाहिए
और मान जाने के लिए तेरा बोलना ही काफी है

● ● ●

हर बार रिश्तों में और भी मिठास आई है
जब भी बाद रूठने के तू मेरे पास आई है

● ● ●

इस कदर हम यार को मनाने निकले
उसकी चाहत के हम दीवाने निकले
जब भी उसे दिल का हाल बताना चाहा
उसके होठों से वक्त न होने के बहाने निकले

● ● ●

नाकाम थीं मेरी सब कोशिशें उसको मनाने की
पता नहीं कहाँ से सीखी ज़ालिम ने अदाएँ रूठ जाने की

● ● ●

उससे खफ़ा होकर भी देखेंगे एक दिन
कि उसके मनाने का अंदाज़ कैसा है

● ● ●

मोहब्बत आजमानी हो तो बस इतना ही काफी है
जरा सा रूठकर देखो मनाने कौन आता है

● ● ●

रूठे हुए हो क्यों मैं मनाने को हूँ तैयार
कीमत बता दो मान जाने की
मैं ज़िंदगी लुटाने को हूँ तैयार

● ● ●

मेरी ज़िंदगी में खुशियाँ तेरे बहाने से हैं
आधी तुझे सताने से हैं आधी तुझे मनाने से हैं

● ● ●

वक्त कम है साथ बिताने के लिए
इसको न गँवाना रूठने मनाने के लिए
मेरे मेहबूब प्यार कर लिया हमने आपसे
बस थोड़ा साथ देना इसको निभाने के लिए

● ● ●

वो रूठे तो सही हम मनाने का वादा करते हैं
दिल तोड़ना है मेरा तो बेशक तोड़ दे
वो इस दिल के बिना भी हम
उनको चाहने का वादा करते हैं

● ● ●

खत्म कर दिया किस्सा अब रूठने मनाने का
सुना है वो शाख्स हैरान है मेरे इस रवैए से

● ● ●

यों रहा रूठने मनाने का सिलसिला
तेरी बेरुखी भी अब वफ़ा लगती है

• • •

शहर में वो मजा नहीं है क्योंकि
तेरी रूठने मनाने की सजा नहीं है

• • •

यों तो प्यार की हर अदा निराली हैं
पर रूठने मनाने की अदा सबसे आली हैं

• • •

रूठने मनाने के फलसफे से तंग आ गया हूँ
ऐसा कर ए मोहब्बत अब तू मेरा हिसाब कर दे

• • •

जिंदगी जीने के लिए वक़्त हैं बहुत ही कम
और तुम्हें रूठने मनाने का खेल पसंद हैं

• • •

ये रूठने मनाने के सिलसिले बड़े ही प्यारे होते हैं
तुमसे मिलने पर ही ये बात जानी हमने

• • •

गर कटती है उम्र तुम्हें मनाने में तो कट जाने दो
वैसे भी बिन तुम्हारे जिंदगी भी कहाँ जिंदगी है

• • •

तुम रूठो तो तुम्हें मनाने आ जाएँगे कई
हम रूठे भी तो बताओ किस के भरोसे

• • •

तुम हँसती हो मुझे हँसाने के लिए
तुम रोती हो मुझे रूलाने के लिए
एक बार तो रूठ के देखो
मर जाएँगे तुम्हें मनाने के लिए

• • •

सोच रखी है बहुत सी बातें
तुम्हें सुनाने के लिए लेकिन
तुम हो के आते ही नहीं
हमें मनाने के लिए

• • •

कितनी बातें जो आती
आधी रात कहने को तुम्हें
उन ख्वाबों में जिनमें तू करती बात
मुझे मनाने की कभी न छोड़ के जाने की

• • •

आज खुद को भुलाने को जी कर रहा है
बेवजह रूठ जाने को जी कर रहा है
तुम्हें वक़्त शायद मिले न मिले
आज खुद को मनाने को जी कर रहा है

• • •

चला है सिलसिला कैसा ये रातों को मनाने का

तुम्हें हक़ दे दिया किसने दिया दिल दुखाने का

• • •

तरीके तो कई हैं तुम्हें अपने पास रखने के
पर मजा तो तब है जब तुम हमें मनाने का हुनर जानो

• • •

जब तुम रूठ जाते हो तो और भी हसीन लगते हो
यही सोचकर तुम्हें मनाने का मन नहीं करता

• • •

तुम तरकीब निकालते हो दिल जलाने की
हम तरकीब निकालते हैं तुम्हें मनाने की

• • •

तुम्हें तो मनाना भी नहीं आता रूठूँ तो कैसे रूठूँ
मनाने वाले तो चाँद को थाली में ले आते हैं

• • •

रूठने का हक़ है तुझे वजह बताया कर
खफ़ा होना ग़लत नहीं तू ख़ता बताया कर

• • •

बिन बात के ही रूठने की आदत है
किसी अपने की चाहत पाने की चाहत है
आप ख़ुश रहें मेरा क्या है
मैं तो आईना हूँ मुझे टूटने की आदत है
नया नया शौक उन्हें रूठने का लगता है
ख़ुद ही भूल जाते हैं रूठे थे किस बात पर

• • •

हर घड़ी का ये बिगड़ना नहीं
अच्छा ऐ जान
रूठने का भी कोई वक़्त मुकर्रर
हो जाए

• • •

मनाने रूठने के खेल में हम
बिछड़ जाएँगे सोचा नहीं था

• • •

मुद्दतों बाद आज फिर परेशान हुआ है दिल
जाने किस हाल में होगा मुझसे रूठने वाला

• • •

वो मेरे रूठने पर इस तरह मनाती है
कभी तो जी चाहता है बेवजह उससे रूठ जाऊँ

• • •

रूठने की उसकी अदा भी अजब है
बिन कहे करता है शिकायतें ग़ज़ब हैं

• • •

ज़माने से रूठने की ज़रूरत ही क्यों हो
जब मेरे अपने ही मेरे बने रकीब हो

...

मोहब्बत

तेरी मोहब्बत से लेकर तेरे अलविदा कहने तक
मैंने सिर्फ़ तुझे चाहा है तुझसे कुछ नहीं चाहा

• • •

आ छोड़कर इस जहाँ को कहीं दूर चले
मोहब्बत से हमारी वहाँ कोई न जले

• • •

हम उम्मीदों की दुनिया बसाते रहे
वो भी पल पल हमें आजमाते रहे
जब मोहब्बत में मरने का वक़्त आया
हम मर गए और वो मुसकराते रहे

• • •

है परेशानियाँ यों तो बहुत सी ज़िंदगी में
तेरी मोहब्बत सा मगर कोई तंग नहीं करता

• • •

अब तो शायद ही मुझसे मोहब्बत करे कोई
मेरी आँखों में तुम साफ़ नज़र आती हो

• • •

वादे वफ़ा के और चाहत जिस्म की
अगर ये मोहब्बत है तो फिर हवस किसे कहते हैं

• • •

चलो अपनी चाहतें नीलाम करते हैं
मोहब्बत का सौदा सरे आम करते हैं
तुम अपना साथ हमारे नाम कर दो
हम अपनी ज़िंदगी तुम्हारे नाम करते हैं

• • •

जमाने को रास नहीं आते किस्से अब मोहब्बत के
दर्द-ए-बेवफ़ाई सुनता है अब बड़े शौक से ज़माना

• • •

मोहब्बत की कसौटी पर साथ चले थे हम दोनों
तुमने जब रास्ते बदल लिये हमने सब रास्ते ही छोड़ दिए

• • •

इस मोहब्बत की किताब के दो ही सबक याद हुए
कुछ तुम जैसे आबाद हुए कुछ हम जैसे बरबाद हुए

• • •

तुमने ही सफ़र कराया था मोहब्बत की कश्ती का
अब नज़रे क्यों चुराते हो मुझे डूबता देख कर

• • •

अधूरी मोहब्बत मिली तो नींदें भी रूठ गईं
गुमनाम ज़िंदगी थी तो कितने सकून से सोया करते थे

• • •

तुम मोहब्बत के सौदे भी अजीब करते हो
बस मुसकरा देते हो और अपना बना लेते हो

• • •

दिल में एक उम्मीद बरकरार रखी है ऐ दोस्तों
कही पढ़ लिया था कि सच्ची मोहब्बत लौटकर आती है

• • •

हक्र से दो तो तेरी नफ़रत भी कुबूल है हमें
खैरात में तो हम तुम्हारी मोहब्बत भी न लें

• • •

बहुत खूबसूरत है आँखें तुम्हारी
इन्हें बना दो किस्मत हमारी
हमें नहीं चाहिए ज़माने की खुशियाँ
अगर मिल जाए मोहब्बत तुम्हारी

• • •

सदा आज़ाद रहते थे हमें मालूम ही क्या था मोहब्बत क्या बला है
मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो आज ये पूछे कि तेरा हाल क्या है

• • •

दिल टूटा है तो अपनी ही ग़लती से
उसने कब कहा था कि तू मोहब्बत कर

• • •

अजब फ़ल्सफ़ा है वक़्त कि मोहब्बत के दौर में
इंतज़ार ए मोहब्बत में वक़्त कटता नहीं
दीदार ए मोहब्बत में वक़्त थमता नहीं

• • •

उसका वादा भी अजीब था कि ज़िंदगी भर साथ निभाएँगे
मैंने भी ये नहीं पूछा कि मोहब्बत के साथ या यादों के साथ

• • •

मेरी हालत देखकर मोहब्बत भी शर्मिंदा है
ये शख्स जो सबकुछ गवां चुका आज भी ज़िंदा है

• • •

न ज़ख्म भरेन शराब सहारा हुई
न वो वापस लौटी न मोहब्बत दोबारा हुई

• • •

मोहब्बत रंग दे जाती है जब दिल दिल से मिलता है
मगर मुश्किल यह है की दिल बड़ी मुश्किल से मिलता है

• • •

कभी वो कहती थी तेरी मोहब्बत की खातिर जान भी दे दूँगी
आज कहती है मेरा साथ छोड़ दो मेरी ज़िंदगी का सवाल है

• • •

हो चुका अब किसी का वो कभी मेरी ज़िंदगी था वो
भूलता कौन है मोहब्बत पहली मेरी तो सारी खुशी था वो

• • •

मोहबत इज्जत से शुरू होती है

मोहब्बत इज्जत पर ही खत्म होती है

● ● ●

चलो मान लेता हूँ के मुझे मोहब्बत करनी नहीं आती
लेकिन आप तो ये बताओ आपको दिल तोड़ना किसने सिखाया

● ● ●

मोहब्बत के दिनों की यहीं खराबी है
ये रूठ जाए तो फिर लौटकर नहीं आते

● ● ●

समेटकर ले जाओ आप अपने झूठे वादों के अधूरे किस्से
अगली मोहब्बत में आपको फिर इनकी ज़रूरत पड़ेगी

● ● ●

तुम अगर भूल भी जाओ तो ये हक है तुमको
मेरी बात और है मैंने तो मोहब्बत की है

● ● ●

बरबाद करने के और भी रास्ते थे फ़राज
न जाने उन्हें मोहब्बत का खयाल क्यों आया

● ● ●

न कोई शौहरत न दौलत चाहता है
ये दिल केवल मोहब्बत चाहता है

● ● ●

मत पूछो कितनी मोहब्बत है उससे
बारीश की बूँद भी अगर छू ले उसे
तो दिल में आग लग जाती है

● ● ●

दीवान-ए-ग़ज़ल जिसकी मोहब्बत में लिखा था
वो शाय्स किसी और की क्रिस्मत में लिखा था

● ● ●

ज़रा तलाश तो कर मेरे प्यार को अपने दिल में
थोड़ा जो दर्द हो तो समझ लेना कि मोहब्बत अभी ज़िंदा है

● ● ●

ये मेहताब चेहरा ये मखमूर आँखें कहीं होश मेरा न खो जाए
न देखूँ तो न चैन मिले देखूँ तो मोहब्बत हो जाए

● ● ●

छोड़ दो तन्हाई में मुझको यारो
मेरे साथ रहकर क्या पाओगे
अगर हो गई आपको भी मोहब्बत कभी
मेरी तरह तुम भी पछताओगे

● ● ●

ज़िंदगी में कभी इतना मत मुसकराना की नज़र लग जाए
जमाने की हर आँख मेरी तरह मोहब्बत की नहीं होती

● ● ●

मोहब्बत का अजीब दस्तूर देखा
जो उसकी जीत हो तो हम हार जाए

• • •

जब कभी सिमटोगे इन बाँहों में आकर तो
मोहब्बत की दास्ता हम नहीं हमारी धड़कनें सुनाएँगी

• • •

मिलने को तो दुनिया में कई चेहरे मिले
पर तुम सी मोहब्बत हम खुद से भी न कर पाए

• • •

कुछ खास नहीं बस इतनी सी है मोहब्बत मेरी
हर रात का आखिरी खयाल और हर सुबह की पहली सोच हो तुम

• • •

तेरी मोहब्बत को कभी खेल नहीं समझा हमने
वरना खेल तो बहुत खेले हैं हमने पर कभी हारे नहीं

• • •

चाहत की कोई हद नहीं होती
सारी उम्र भी बीत जाए
मोहब्बत कभी कम नहीं होती

• • •

जिनको हमने चाहा मोहब्बत की हदें तोड़कर
आज उसने देखा नहीं निगाह मोड़कर
ये जानकर बहुत दुःख हुआ मुझे
कि वो खुद भी तन्हा हो गए मुझे छोड़कर

• • •

खुशबू क्यों न आए मेरी बातों से यारों
मैंने बरसों से एक ही फूल से जो मोहब्बत की है

• • •

फिर न सिमटेगी मोहब्बत जो बिखर जाएगी
जिंदगी जुल्फ़ नहीं जो फिर सँवर जाएगी

• • •

मुसकराने से शुरू और रूलाने पे ख़त्म
ये वो जुल्म हैं जिसे लोग मोहब्बत कहते हैं

• • •

वो न ही मिलते तो अच्छा होता
बेकार ही मैं मोहब्बत से नफ़रत हो गई

• • •

वो कितना मेहरबान था हम पर की हज़ारों ग़म दे गया
हम कितने खुदगर्ज थे की कुछ न दे सके मोहब्बत के सिवा

• • •

हर मर्ज का इलाज मिलता था उस बाज़ार में
मोहब्बत का नाम क्या लिया तमाम दवाखाने बंद हो गए

• • •

जब मोहब्बत ही नहीं दरमियाँ
हम रूठे क्या वो मनाए क्या

• • •

न मोहब्बत सँभाली गई
न नफ़रतें पाली गई
बड़ा अफ़सोस है उस ज़िंदगी का
जो तेरे पीछे खाली गई

• • •

तुम्हारी हर अदा मोहब्बत सी लगती है
एक पल की जुदाई मुद्दत सी लगती है
ज़िंदगी में हरपल तेरी ज़रूरत लगती है

• • •

बहक जाने दे मुझे मेरे यार की मोहब्बत में
ये वो नशा है जो मेरे सर से कभी उतरता नहीं

• • •

तेरी मोहब्बत में एक अजब सा नशा है
तभी तो सारी दुनिया तुमपे फ़िदा है

• • •

यह दुनिया एक लम्हे में तुम्हें बरबाद कर देगी
मोहब्बत मिल भी जाए तो उसे मशहूर मत करना

• • •

वो इश्क़ ही क्या जिसमे हिसाब हो
मोहब्बत तो हमेशा बेहिसाब होती है

• • •

करने तबाह मोहब्बत के बहाने ले गया
एक परिंदा आकर मेरी उड़ाने ले गया
कल गली से उनकी गुज़रे तो लगा
कोई आकर मोहब्बत के ज़माने ले

• • •

वो तब भी थी अब भी है और हमेशा ही रहेगी
ये मोहब्बत है कोई तालीम नहीं जो पूरी हो जाए

• • •

सुना है नफ़रत की दुकान खोल रहे हो
थोड़ी मोहब्बत भी रख लेना दिखावे के लिए

• • •

आज रास्ते में कुछ प्यार भरे पन्ने टुकड़ों में मिले
शायद फिर किसी गरीब के मोहब्बत का तमाशा हो गया

• • •

तज़ुर्बा कहता है मोहब्बत से किनारा कर लूँ
और दिल कहता है की ये तज़ुर्बा दोबारा कर लूँ

• • •

कुछ तो शराफ़त सीख ले ऐ मोहब्बत शराब से
बोतल पे कम-से-कम लिखा तो है कि मैं जानलेवा हूँ

• • •

सिर्फ़ एक मोहब्बत की रोशनी ही बाकी है
वर्ना जिस तरफ़ देखो दूर तक अँधेरा है

• • •

लरजते आँसुओं की कहानी है मोहब्बत
बरसती आँखों की जुबानी है मोहब्बत
पास रहे भी दूर रहती है बहुत
महकते फूलों की रातरानी है मोहब्बत

• • •

क्या फ़र्क है दोस्ती और मोहब्बत में
रहते तो दोनों दिल में ही
बरसों बाद मिलने पर दोस्ती सीने से लगा लेती है
और मोहब्बत नज़र चुरा लेती है

• • •

ए खुदा तू मेरी मोहब्बत को दूरियों में बिखेर दे
न मैं उन्हें पाने की दुआ करूँ न वो ख्वाहिशें रखें

• • •

ये उनकी मोहब्बत का नया दौर है
जहाँ था कल तक मैं वहाँ आज कोई और है—

• • •

बहते अश्रुओं की जुबान नहीं होती
लफ़्ज़ों में मोहब्बत बयां नहीं होती
मिले जो प्यार तो कदर करना
किस्मत हर किसी पर मेहरबां नहीं होती

• • •

सँभलना सँभलकर बहकना है लाज़िम
मोहब्बत में दिल का मचलना है लाज़िम

• • •

मेरी मोहब्बत कि न सही मेरे सलीके की तो दाद दे
रोज़ तेरा ज़िक्क करता हूँ बग़ैर तेरा नाम लिये

• • •

एक रस्म मोहब्बत में भी बनानी होगी
छोड़ के जाए कोई भी शौक से मगर
वज़ह एक-दूसरे को बतानी होगी

• • •

काश वो आकर कहे एक दिन मोहब्बत से
ये बेसब्री कैसी तेरी हूँ तसल्ली रख

• • •

हमसे बदल गए वो निगाहें तो क्या हुआ
जिंदा हैं कितने लोग मोहब्बत किए बग़ैर

• • •

क्यों करते हो मुझसे इतनी ख़ामोश मोहब्बत
लोग समझते हैं इस बदनसीब का कोई नहीं

• • •

लिखकर तुम्हारा नाम पन्नों पर
हम बड़े इत्मिनान से उसे फिर मोहब्बत पढ़ते हैं

• • •

मुझसे मोहब्बत पर मशवरा माँगते हे लोग
तेरा इश्क़ कुछ इस तरह तजुर्बा दे गया मुझे

• • •

चुपचाप गुज़ार देंगे तेरे बिना भी ये ज़िंदगी
लोगों को सीखा देंगे मोहब्बत ऐसे भी होती है

• • •

आज तक उसकी मोहब्बत का नशा तारी है
फूल बाक़ी नहीं खुशबू का सफ़र जारी है

• • •

याद रखना ही मोहब्बत में नहीं है सबकुछ
भूल जाना भी बड़ी बात हुआ करती है

• • •

जान जाने को है और रक्स में परवाना है
कितना रंगीन मोहब्बत तिरा अफ़साना है

• • •

हर कदम पर गिरे मगर सीखा कैसे गिरतों को थाम लेते हैं
बस यही एक जुर्म है अपना हम मोहब्बत से काम लेते हैं

• • •

मोहब्बत में नहीं है फर्क जीने और मरने का
उसी को देखकर जीते हैं जिस काफ़िर पे दम निकले

• • •

चाहिए अहल-ए-मोहब्बत को कि दीवाना बनें
कोई इल्ज़ाम न आएगा इस इल्ज़ाम के बाद

• • •

हज़ारों काम मोहब्बत में हैं मज़े के दाग़
जो लोग कुछ नहीं करते कमाल करते हैं

• • •

अनीस आसाँ नहीं आबाद करना घर मोहब्बत का
ये उनका काम है जो ज़िंदगी बरबाद करते हैं

• • •

मोहब्बत में लुटे लेकिन बहुत अच्छे रहे रहबर
गुमाँ था जिन पे रहज़न का वो मीरे कारवाँ निकले

• • •

कुछ ऐसा हो कि तसवीरों में जल जाए तसव्वुर भी
मोहब्बत याद आएगी तो शिकवे याद आएँगे

• • •

अकेला दिन है कोई और न तन्हा रात होती है
मैं जिस पल से गुज़रता हूँ मोहब्बत साथ होती है

• • •

मोहब्बत में नहीं है इब्तिदा या इंतहा कोई
हम अपने इश्क़ को ही इश्क़ की मंज़िल समझते हैं

• • •

मोहब्बत नारवा तक्सीम की काएल नहीं फिर भी
मेरी आँखों को आँसू तेरे होंठों को हँसी दी है

• • •

इस कहानी का तो अंजाम वही है कि जो था
तुम जो चाहो तो मोहब्बत की शुरुआत लिखो

• • •

इक लफ्ज़ ए मोहब्बत का अदना सा फ़साना है
सिमटे तो दिल ए आशिक़ फैले तो ज़माना है

• • •

ख़ुदी और बेख़ुदी में फ़र्क़ है तो सिर्फ़ इतना है
मोहब्बत आशना होना मोहब्बत में फ़ना होना

• • •

यही है कमाल इश्क़-ओ-मोहब्बत करने का
उमर जीने की है ओर शौक़ तुम्हें मरने का

• • •

मोहब्बत में बुरी नीयत से कुछ सोचा नहीं जाता
कहा जाता है उसको बेवफ़ा समझा नहीं जाता

• • •

मासूम मोहब्बत का बस इतना फसाना है
कगाज़ की हवेली है बारिश का ज़माना है

• • •

मोहब्बत में लुटे लेकिन बहुत अच्छे रहे रहबर
गुमाँ था जिन पे रहज़न का वो मीरे कारवाँ निकले

• • •

दिल की हसरत का पैमाना कोई बाकी है
ए मोहब्बत तुझे आजमाना अभी बाकी है

• • •

याद रखना ही मोहब्बत में नहीं है सबकुछ
भूल जाना भी बड़ी बात हुआ करती है

• • •

मोहब्बत को समझना है तो नासेह ख़ुद मोहब्बत कर
किनारे से कभी अंदाज़-ए-तूफ़ान नहीं होता

• • •

इंकार-ए-मोहब्बत को तौहीन समझते हैं
इज़हार-ए-मोहब्बत पर हो जाते हैं बरहम भी

• • •

हर दिल को लुभाता है ग़म तेरी मोहब्बत का
तेरी ही तरह ज़ालिम दिलक़श है तिरा ग़म भी

• • •

तुम मुझे भूल भी जाओ तो ये हक़ है तुमको
मेरी बात और है मैंने तो मोहब्बत की है

• • •

चाँदनी रात मोहब्बत में हसीन थी फ़ाकिर

अब तो बीमार उजालों पे हैंसी आती है

● ● ●

मोहब्बत के साँचे में ढलता रहा
इशारे पे मैं दिल के चलता रहा

● ● ●

मोहब्बत के साँचे में ढलता रहा
इशारे पे मैं दिल के चलता रहा

● ● ●

खुद को यों जुर्म-ए-मोहब्बत की सज़ा देते हैं
दिल के अरमान को आँखों से बहा देते हैं

● ● ●

आया परवाना गिरा शमा पे जलजल के मरा
तू अभी सोच रहा है के मोहब्बत क्या है

● ● ●

कोई मोहब्बत के पटवारी को जानता है क्या
मुझे मेरा महबूब अपने नाम करवाना है

● ● ●

मेरी मुश्किल ये है मुझको अदाकारी नहीं आती
हक़ीकी आदमी रस्मी मोहब्बत कर नहीं सकता

● ● ●

लब पे आहें भी नहीं आँख में आँसू भी नहीं
दिल ने हर राज़ मोहब्बत का छुपा रखा है

● ● ●

ठहरी-ठहरी सी तबीयत में रवानी आई
आज फिर याद मोहब्बत की कहानी आई

● ● ●

मोहब्बत से इनायत से वफ़ा से चोट लगती है
बिखरता फूल हूँ मुझको हवा से चोट लगती है

● ● ●

इख़लास की दौलत को हम अहलेमोहब्बत
तक्रसीम तो कर देते हैं बेचा नहीं करते

● ● ●

ये मैं नहीं हूँ खाक़ेमोहब्बत का ढेर है
कुछ भी नहीं मिलेगा तुम्हें इस गुबार से

● ● ●

करना ही पड़ेगा ज़ब्त-ए-अलम पीने ही पड़ेंगे ये आँसू
फरियादोफुग़ों से ऐ नादाँ तौहिनेमोहब्बत होती है

● ● ●

आपको शब के अँधेरे से मोहब्बत है रहे
चुन लिया सुबह के सूरज का उजाला मैंने

● ● ●

डुबो दे अपनी कश्ती को किनारा ढूँढ़ने वाले
ये दरिया-ए-मोहब्बत है यहाँ साहिल नहीं मिलता

• • •

किस शै पे यहाँ वक्रत का साया नहीं होता
इक ख्वाब-ए-मोहब्बत है की बूढ़ा नहीं होता

• • •

फुरसत अगर मिल तो पढ़ना मुझे जरूर
मैं अधूरी मोहब्बत की मुकम्मल किताब हूँ

• • •

वो ही महसूस करते हैं खलिश दर्द-ए-मोहब्बत की
जो अपने आप से बढ़कर किसी को प्यार करते हैं

• • •

ये जाहिद हैं इन्हें क्या तजुर्बा एजाज-ए-मोहब्बत का
ये तो जन्नत में पूछेंगे गुनाहगारों पे क्या गुजरी

• • •

न मोहब्बत न दोस्ती के लिए
वक्रत रुकता नहीं किसी के लिए

• • •

इश्क मोहब्बत क्या होते हैं क्या समझाऊँ वाइज को
भैंस के आगे बीन बजाना मेरे बस की बात नहीं

• • •

हाय री मजबूरियाँ तर्क मोहब्बत के लिए
मुझको समझाते हैं वो और उनको समझाता हूँ मैं

• • •

आपको शब के अँधेरे से मोहब्बत है रहे
चुन लिया सुबह के सूरज का उजाला मैंने

• • •

इश्क मोहब्बत क्या होते हैं क्या समझाऊँ वाइज को
भैंस के आगे बीन बजाना मेरे बस की बात नहीं

• • •

करें हम दुश्मनी किस से कोई दुश्मन भी हो अपना
मोहब्बत ने नहीं छोड़ी जगह दिल में अदावत की

• • •

छोड़ो बहुत हुई है सियासत पे गुफ्तुगू
हो जाए सालएनौ में मोहब्बत पे गुफ्तुगू

• • •

न मुरव्वत न मोहब्बत न खुलूस है मोहसिन
मैं तो शर्मिदा हूँ इस दौर का इंसा होकर

• • •

मैं खुश हूँ कि उसकी नफ़रतों का अकेला वारिस हूँ
मोहब्बत तो उनको बहुत से लोगों से है

• • •

वो कहते हैं ज़माना तेज़ है लंबी मसाफ़त है
मोहब्बत का सितारा हूँ सभी के साथ चलता हूँ

• • •

जब तक के मोहब्बत में दिल दिल से नहीं मिलता
नज़रों के तसादुम पर हम ग़ौर नहीं करते

• • •

ग़म हो के खुशी दोनों एकसाँ हैं मोहब्बत में
कुछ अश्रुओतबस्सुम पर हम ग़ौर नहीं करते

• • •

मरना तो बहुत सहल सी इक बात लगे है
जीना ही मोहब्बत में करामात लगे है

• • •

मिटा कर हस्ती-ए-नाकाम को राह-ए-मोहब्बत में
ज़माने के लिए इक दरस-ए-इबरत ले के आया हूँ

• • •

न अरमाँ ले के आया हूँ न हसरत ले के आया हूँ
दिल-ए-बेताब में तेरी मोहब्बत ले के आया हूँ

• • •

कैफ़-ए-जुनूँ सही यही हालत बनी रहे
लिल्लाह मेरी उनकी मोहब्बत बनी रहे

• • •

अक्स पानी में मोहब्बत के उतारे होते
हम जो बैठे हुए दरिया के किनारे होते

• • •

औरों की मोहब्बत के दोहराए हैं अफ़साने
बात अपनी मोहब्बत की होंठों पे नहीं आई

• • •

एक नफ़रत ही नहीं दुनिया में दर्द का सबब फ़राज़
मोहब्बत भी सकूँ वालों को बड़ी तकलीफ़ देती है

• • •

बंजारे हैं रिश्तों की तिजारत नहीं करते
हम लोग दिखावे की मोहब्बत नहीं करते

• • •

डूबे कि रहे कश्ती दरिया-ए-मोहब्बत में
तूफ़ान ओ तलातुम पर हम ग़ौर नहीं करते

• • •

ये दौरै मोहब्बत है सरमाया-ए-हस्ती है
बेवज़ह नहीं इसको सीने से लगाए हैं

• • •

यों तो होते हैं मोहब्बत में जुनूँ के आसार
और कुछ लोग भी दीवाना बना देते हैं

• • •

हुस्न पाबंद-ए-कफ़स इश्क़ी असीर-ए-आलाम
ज़िंदगी जुर्म-ए-मोहब्बत की सज़ा आज भी है

• • •

दर्द-ए-दिल आज भी है जोश-ए-वफ़ा आज भी है

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>

ज़ख्म खाने का मोहब्बत में मज़ा आज भी है

• • •

सीनाचाकान-ए-मोहब्बत को ख़बर है कि नहीं
शहर-ए-ख़ूबाँ के दरओबाम सदा देते हैं

• • •

हम तर्क-ए-रब्तओज़ब्त-ए-मोहब्बत के बावजूद
सौ बार खिंच के कूचा-ए-जानाँ में आ गए

• • •

वो जिस ने दिए मुझको मोहब्बत के खज़ाने
बादल की तरह आँख से बरसता भी वही है

• • •

ये बज़म-ए-मोहब्बत है इस बज़म-ए-मोहब्बत में
दीवाने भी शैदाई फ़रज़ाने भी शैदाई

• • •

अब के उम्मीद के शोले से भी आँखें न जलीं
जाने किस मोड़ पे ले आई मोहब्बत हमको

• • •

कम-से-कम इतना तो ज़ाहिर हो मोहब्बत का असर
मुँह से निकली हुई हर बात ग़ज़ल बन जाए

• • •

न कोई थकन है न कोई खलिश है

• • •

मोहब्बत की जाने ये कैसी कशिश है
जिसे देखिए वो चला जा रहा है
जहान-ए-ग़ज़ल की सुहानी डगर है

• • •

मोहब्बत नाम है नाहासिल और नातमामी का
मोहब्बत है तो दिल को फ़ारिग-ए-सुदोजियाँ कर ले

• • •

और मैं उसके लिए गाऊँ मोहब्बत की ग़ज़ल
वो मेरे दिल के धड़कने की सदा है मेरे दोस्त

• • •

मुझसे अब मेरी मोहब्बत के फ़साने न पूछो
मुझको कहने दो के मैंने उन्हें चाहा ही नहीं

• • •

मोहब्बत तर्क की मैंने गरेबाँ सी लिया मैं
ज़माने अब तो खुश हो ज़हर ये पी लिया मैंने

• • •

किस दरजा दिलशिकन थे मोहब्बत के हादसे
हम ज़िंदगी में फिर कोई अरमाँ न कर सके

• • •

टूटा तलिस्म-ए-अहद-ए-मोहब्बत कुछ इस तरह
फिर आरजू की शमा फ़ुरेज़ाँ न कर सके

• • •

मैं क्या कहूँ कहाँ है मोहब्बत कहाँ नहीं
रग-रग में दौड़ी फिरती है नशतर लिये हुए

• • •

ये फ़ासला भी मोहब्बत में लुप्त देता है
जब इंतज़ार में हम इंतज़ार करते हैं

• • •

शिद्दत से बहारों के इंतज़ार में सब हैं
पर फूल मोहब्बत के तो खिलने नहीं देते

• • •

हाय री मजबूरियाँ तर्क-ए-मोहब्बत के लिए
मुझको समझाते हैं वो और उनको समझाता हूँ मैं

• • •

हाय री मजबूरियाँ तर्क-ए-मोहब्बत के लिए मुझको समझाते हैं वो और उनको समझाता हूँ मैं

• • •

मोहब्बत में जुबा चूप हो तो आँखें बात करती हैं
वो कह देती हैं सब बातें जो कहना भूल जाते हैं

• • •

दे मोहब्बत तो मोहब्बत में असर पैदा कर
जो इधर दिल में है या रब वो उधर पैदा कर

• • •

बंजारे हैं रिश्तों की तिजारत नहीं करते
हम लोग दिखावे की मोहब्बत नहीं करते
मैं समझता हूँ हर दिल में ख़ुदा रहता है
मेरा पैग़ाम मोहब्बत है जहाँ तक पहुँचे

• • •

वो शोहरत मिली है मोहब्बत में रहबर
कि हर हुस्न वाला फिदा हो रहा है

• • •

इज़हारेमोहब्बत की हसरत को ख़ुदा समझे
हमने ये कहानी भी सौ बार सुना डाली

• • •

ये राह-ए-मोहब्बत है इसमें ऐसे भी मक़ाम आ जाते हैं
रुकिए तो पसीना आता है चलिए तो क़दम थरते हैं

• • •

मैंने हसरत से नज़र भर के उसे देख लिया
जब समझ में न मोहब्बत के मआनी आए

• • •

फिर की थी मैंने मोहब्बत से तौबा
फिर उसकी तसवीर देखकर नियत बदल गई

• • •

मोहब्बत लाफ़ज़ तो सादा सा है लेकिन अज़ीज़ इसको
मताएदिल समझते थे मताएदिल समझते हैं

• • •

आरजु अरमान इश्क़ तमन्ना वफ़ा मोहब्बत
चीजे तो अच्छी हैं पर दाम बहुत हैं

• • •

जमाना कुफ़्र-ए-मोहब्बत से कर चुका था गुरेज
तिरी नज़र ने पलट दी हवा ज़माने की

• • •

और कुछ ज़ख्म मेरे दिल के हवाले मेरी जाँ
ये मोहब्बत है मोहब्बत में शिकायत कैसी

• • •

मैं खुलकार आज महफ़िल में ये कहता हूँ मुझे तुझसे
मोहब्बत है मोहब्बत है मोहब्बत है मोहब्बत है

• • •

मुझको नफ़रत से नहीं प्यार से मस्लूब करो
मैं तो शामिल हूँ मोहब्बत के गुनहगारों में

• • •

मैं तिनकों का दामन पकड़ता नहीं हूँ
मोहब्बत में डूबा तो कैसा सहारा

• • •

मोहब्बत भी ज़ालिम अजब बेबसी है
न वो ही हमारे न दिल ही हमारा

• • •

मोहब्बत आम सा इक वाक्रिआ था
हमारे साथ पेश आने से पहले

• • •

यों तो होते हैं मोहब्बत में जुनूँ के आसार
और कुछ लोग भी दीवाना बना देते हैं

• • •

बेगाना रहे दर्द-ए-मोहब्बत की दवा से
ये दर्द ही कुछ और सिवा छोड़ गए हम

• • •

माहौल की जुल्मात में जिस राह से गुज़रे
क्रिंदील-ए-मोहब्बत की ज़िया छोड़ गए हम

• • •

इशारे काम करते हैं मोहब्बत में निगाहों के
निगाहों से ही बाहम इन्किशाफ़-ए-राज़ होता है

• • •

लबों पर कुल्फ़ आँखों में लिहाज़-ए-नाज़ होता है
मोहब्बत करने वालों का अज़ब अंदाज़ होता है

• • •

कौन काफ़िर तुझे इल्ज़ाम-ए-तगाफ़ुल देगा
जो भी करता है मोहब्बत से गिला करता है

• • •

मोहब्बत सी शय उसने मुझको अता की
कि खुश खुश चलूँ उम्र बरबाद कर के

• • •

तेरा नाम ले कर जिए जा रहे हैं
गुनाह-ए-मोहब्बत किए जा रहे हैं

• • •

दिल में जो मोहब्बत की रोशनी नहीं होती
इतनी खूबसूरत ये ज़िंदगी नहीं होती

• • •

चराग़-ए-राह-ए-मोहब्बत ही बन गए होते
तमाम उम्र का जलना अगर मुक़द्दर था

• • •

ज़माना याद करे या सबा करे ख़ामोश
हम इक़ चराग़-ए-मोहब्बत जलाए जाते हैं

• • •

राख़ बरबाद मोहब्बत की जो बचा रखी हैं
बार बार इसको छेड़ा तो बिखर जाएगी

• • •

वो देखते जाते हैं कनखियों से इधर भी
चलता हुआ जादू है मोहब्बत की नज़र भी

• • •

बेरुखी

हमारी बेरुखी जो तुम्हें बुरी भी न लगे
इश्क़ किया था कभी या बातें थी बस

• • •

कुछ बेरुखी से ही सही पर देखते तो हो
ये आपकी नफ़रत है कि एहसान आपका

• • •

लोगों की बेरुखी देखकर तो अब हम खुश होते हैं
आँसू तो तब आते हैं जब कोई प्यार के दो लफ़्ज़ कहता है

• • •

मुख्तसर सी दिल्लगी से तो तेरी बेरुखी अच्छी थी
कम-से-कम जिंदा तो थे एक कश्मकश के साथ

• • •

सिखा दी बेरुखी भी ज़ालिम ज़माने ने तुम्हें
कि तुम जो सीख लेते हो हम पर आजमाते हो

• • •

इन बादलों का मिजाज मेरे महबूब सा है
कभी टूटकर बरसते हैं कभी बेरुखी से गुज़र जाते हैं

• • •

देखो ये बेरुखी प्यार की
अदाएँ बेक्रार दिल को और बेक्रार करती है
हसरतों के दीप जल तो रहे हैं
मचलने को रोशनी तेरा इंतज़ार करती है

• • •

बेरुखी इससे बड़ी और भला क्या होगी
एक मुद्दत से हमें उसने सताया भी नहीं

तू हमसे चाँद इतनी बेरुखी से बात करता है
हम अपनी झील में एक चाँद उतरा छोड़ आए हैं

• • •

रहने दे अभी गुंजाइशें जरा अपनी बेरुखी में
इतना न तोड़ मुझे कि मैं किसी और से जुड़ जाऊँ

• • •

महफ़िल की बेरुखी भी नहीं शान भी नहीं
मैं अजनबी नहीं मेरी पहचान भी नहीं

• • •

तू माने या न माने पर दिल दुखा तो है
तेरी बेरुखी से कुछ ग़लत हुआ तो है

• • •

बेरुखी है घुली इस मौसम में
अभी भी मोहब्बत का स्वाद बाकी है

रुक देख उसकी बेवफ़ाई को
उसका एहसास के साथ जिंदगी की वफ़ाई बाकी है

• • •

बादलों से मिलता हुआ मिजाज़ था मेरे यार का
कभी टूट के बरस गया कभी बेरुखी से गुज़र गया

• • •

मर तो जाता हूँ दुनिया की बेरुखी से दिन में
रात को सोता हूँ तो कल की उम्मीद जिला देती है

• • •

अब इश्क़ में बेरुखी न दे मुझको
बेहद गुमा रहा है तेरे इश्क़ पे मुझको

• • •

तेरी बेरुखी में बहका हूँ न होश है आज भी मुझे
रख दे दिल पर हाथ ज़राके पहचान जाऊँ तुझे

• • •

तेरी बेरुखी मेरी आदतों में शामिल है
तू मोहब्बत से पेश आए तो अजीब लगता है

• • •

कोई रिश्ता जो न होता तो तू ख़फ़ा भी न होता
फिर भी न जाने क्यों ये बेरुखी तेरी मोहब्बत का पता देती हैं

• • •

उनका गुरूर कम पड़ जाए ऐ खुदा
मुझे मेरे इश्क़ में इतना गुरूर दे
वो नाम भी ले मेरा तो कदम लड़खड़ाए
ऐ खुदा बेरुखी में उसे ऐसा सुरूर दे

• • •

हासिल-ए-इश्क़ के बारे में सोचता हूँ जब भी
तेरा मिलना याद आता है तेरी बेरुखी नहीं

• • •

तुम्हारी बेरुखी के बाद खुद से भी बेरुखी सी हो गई
मैं जिंदगी से और जिंदगी मुझसे अजनबी सी हो गई

• • •

सुकून ए दिल को नसीब तेरी बेरुखी ही सही
हमारे दरमियाँ कुछ तो रहेगा चाहे वो फ़ासला ही सही

• • •

तेरी ये बेरुखी किस काम की रह जाएगी
आ गया जिस रोज़ अपने दिल को समझाना मुझे

• • •

तेरी सादगी का कमाल है मैं इनायत समझ बैठा
तेरी बेरुखी भी चुप सी है मैं मुहब्बत समझ बैठा

• • •

तेरी बेरुखी ने ये क्या सिला दिया मुझे
ज़हर ग़म-ए-जुदाई का पिला दिया मुझे

बहुत रोया बहुत तड़पा कई रातों तक मैं
पर तुमने एक कतरा भी आँसू नहीं दिया मुझे

• • •

रिश्तों में इतनी बेरुखी भी अच्छी नहीं हुज़ूर
देखना कहीं मनाने वाला ही न रूठ जाए तुमसे

• • •

कभी ऐसी भी बेरुखी देखी है तू ने
ऐ मेरे प्यारा सा दिल
लोग अक़सर आप से तुम तुमसे जान
और जान से अनजान हो जाते हैं

• • •

ज़िंदगी क्यो इतनी बेरुखी कर रही है
हम कैन सा यहा बार-बार आनेवाले है

• • •

बेवक़्त बेवजह बेसबब सी बेरुखी तेरी
फिर भी बेइंतहा तुझे चाहने की बेबसी मेरी

• • •

तेरी बेरुखी को भी रुतबा दिया हमने
तेरे प्यार का हर क़र्ज़ अदा किया हमने
मत सोच के हम भूल गए है तुझे
आज भी खुदा से पहले याद किया है तुझे

• • •

मौसम-ए-बेरुखी में भी उस क़यामत का
मुसकराना याद आता है
भुला दिया शायद तुमने मुझे
तो आज भी वो ठिकाना याद आता है

• • •

ये तेरी बेरुखी की हमसे आदत ख़ास टूटेगी
कोई दरिया न ये समझे कि मेरी प्यास टूटेगी
तेरे वादे का तू जाने मेरा वो ही इरादा है
कि जिस दिन साँस टूटेगी उसी दिन आस टूटेगी

• • •

अब शायद उसे किसी से मुहब्बत ज़रूर हो
मैं छीन लाया हूँ उससे उम्र भर की बेरुखी

• • •

शिकायत न करना किसी से बेरुखी की
इनसान की फितरत ही होती है
जो चीज़ पास हो उसकी कद्र नहीं करता

• • •

फेरकर मुँह आप मेरे सामने से क्या गए
मेरे जितने क़हक़हे थे आँसुओं तक आ गए
भला ऐसी भी सनम आख़िर बेरुखी है क्या
न देखोगे हमारी बेबसी क्या

• • •

तेरी बेरुखी ने छीन ली है
शरारतें मेरी और लोग समझते हैं
कि मैं सुधर गया हूँ

• • •

दिख रही थी बे रुखी आपकी ही और से
कहकहों की टीस उठने लगी थी जोर से

• • •

अब गिला क्या करना उनकी बेरुखी का
दिल ही तो था भर गया होगा

• • •

उदास क्यों होता है ऐ दिल उनकी बेरुखी पर
वो तो बड़े लोग है अपनी मर्जी से याद करते हैं

• • •

बहुत बेरुखी से पेश आता है दिल खुद से
कि अब प्यार भरी बातों की आदत नहीं रही

• • •

इस बेरुखी पे आपकी यों आ गई हँसी
आँखें बता रही हैं ज़रा सी हया तो है

• • •

जो मेरी हो नहीं सकती वो खुद की भी क्या होगी
मेरी इस बेरुखी को वो समझती भी क्या होगी
तेरी दुनिया से जाऊँगा तुझे मैं भूल जाऊँगा
तेरी हर कसमें वादों को मैं खुद ही निभाऊँगा

• • •

सोचते हैं सीख लें हम भी बेरुखी करना
प्यार निभाते-निभाते अपनी ही क्रदर खो दी हमने

• • •

साल भर तेरी बेरुखी से क़त्ल होते रहे हैं हम
अब तो तहरीरें बन गई हैं उदासियाँ गुज़रे साल की

• • •

इस क्रदर जले है तुम्हारी बेरुखी से
के अब आग से भी सुकून सा मिलने लगा है

• • •

कहाँ तलाश करोगे तुम दिल हम जैसा
जो तुम्हारी बेरुखी भी सहे और प्यार भी करे

• • •

डर तो उसे भी होगा बिछुड़ने का मुझसे
मेरी बेरुखी से वो सहम क्यों नहीं जाता

• • •

तेरी बेरुखी है तो क्या हुआ
तेरी यादों का रुख आज भी मेरी तरफ ही है
जब भी तन्हा देखती है मुझे

अपना समझकर बहलाने चली आती है



बेताबी

न हक है हवस के बंदों को नजारा-ए-फ़ितरत का दावा
आँखों में नहीं है बेताबी दीदार की बातें करते हैं

• • •

अपनी बेताबी का मैं कैसे तुझसे इज़हार करूँ
कैसे बतलाओ तुझे जान-ए-जाना कितना मैं प्यार करूँ

• • •

हाल खुल जाएगा बेताबी-ए-दिल का हसरत
बार-बार आप उन्हें शौक़ से देखा न करें

• • •

बेताबी ओ सुकूँ की हुई मंज़िलें तमाम
बहलाएँ तुझसे छूट के तबीयत कहाँ कहाँ

• • •

देख ले बुलबुल-ओ-परवाना की बेताबी को
हिज़्र अच्छा न हसीनों का विसाल अच्छा है

• • •

लौटकर हम तुम चलो चलते हैं कुछ पल वापस
उस वक़्त में जब थे थोड़े फासले थोड़ी हया
जब थी बेताबी नज़र में तेरे मेरे दरम्याँ

• • •

तसव्वुर आरजू यादें तमन्ना शौक-ए-बेताबी
ये सब चीज़े तुम्हारी हैं तुम आकर छीन लो मुझसे

• • •

तुझको पाकर भी कम हो न सकी बेताबी-ए-दिल
इतना आसान तेरे इश्क़ का ग़म था ही नहीं

• • •

बेताबी का ख़ामोशी का इक अंजाना सा नग्मा है
महसूस इसे करके देखो हर साँस यहाँ एक सदमा है

• • •

एक उम्र होती है किसी की कुछ बेहद मामूली बातें कहीं गहरे उतर जाती हैं
उसके लिए बेताबी हुई होगी उसकी हर बात में इक बात नज़र आई होगी

• • •

सुबह का इंतज़ार रात भर सारा दिन शाम होने की बेताबी
न चैन इसमें न सुकूँ उसमें बस इतनी सी मेरी कहानी

• • •

रात की चाँदनी में बेरंग हर बात थी
मुझे मोहब्बत की ख़्वाहिश थी और उन्हें दूर जाने की बेताबी थी

• • •

उफ़ ये इनकी बेताबी तक रही है राहों को
दिल से भी ज़यादा है इंतज़ार आँखों में

• • •

मेरे दिल की बेताबी हद से बढ़ जाती है
जब वो भरकर मुझे बाँहों में अपनी साँसों की तेजी सुनाती है

• • •

दिल की बेताबी बर्याँ होने लगी
क्या छुपाया है लबेखामोश में

• • •

चढ़ रहे थे दिन ढल रही थी रात
बेताबी फिर बढ़ने लगी
जब सताने लगी तेरी याद

• • •

जवाब की बेताबी इंतज़ार को इंतहा बना देती है
कहने को तो एक लफ़्ज़ है पर उम्र उम्मीद में गुज़र जाती है

• • •

शायद कि इधर आके कोई लौट गया है
बेताबी से यों मुँह को कलेजा नहीं आता

• • •

इश्क़ में बेताबी कि इंतिहा हुई
दिल बेचैन हो रहा है पल-पल

• • •

बेताबी क्या होती है पूछो मेरे दिल से
तन्हा तन्हा लौटा हूँ मैं तो भरी महफिल से

• • •

ठहरने भी नहीं देती है उस महफिल में बेताबी
मगर तस्कीन भी जाकर उसी महफिल में होती है

• • •

ऐ शबेगोरवो बेताबी-ए-शब हाय फिराक़
आज अराम से सोना मेरी तक़दीर में न था

• • •

ऐसी तो बेअसर नहीं बेताबी-ए-फ़िराक़
फरियाद करूँ मैं और किसी को ख़बर न हो

• • •

हाल ऐ दिल ये है की अजीब सी बेताबी है
जी भी रहे हैं जिया भी नहीं जता

• • •

इतनी हसरत से न देखा करो तुम
और बेताबी न पैदा करो तुम
नींद कुछ ज़्यादा ख़फ़ा रहती है
ऐसे ख़्वाबों में न आया करो

• • •

हम खिलौना क्या बने हर किसी को
हमारे दिल से खेलने को बेताबी हो गई

• • •

तुझसे मिलने की बेताबी है बहुत

न मिले तू तो परेशानी है बहुत

• • •

दिल की बेताबी नहीं ठहरने देती है
मुझे दिन कहीं रात कहीं सुबह कहीं शाम कहीं

• • •

दिल की बेताबी दिखा सकते नहीं
राज दिल का छुपा सकते नहीं

• • •

ये रात ये दिल की धड़कन ये बढ़ती हुई बेताबी
एक जाम के खातिर जैसे बेचैन हो कोई शराबी

• • •

चाहत

वो शमा की महफिल ही क्या जिसमें दिल खाक न हो
मज्जा तो तब है चाहत का जब दिल तो जले पर राख न हो

• • •

अगर चाहत है उल्फत की बसाना है उन्हें दिल में
मिलाकर के नज़र कह दो तुम्हें अपना बना लें वो

• • •

दिल की धड़कन और मेरी सदा हो तुम
मेरी पहली और आखिरी वफ़ा हो तुम
मैंने चाहा है तुम्हें चाहत से बढ़कर क्योंकि
मेरी चाहत और चाहत की इंतेंहाँ हो तुम

• • •

अभी नादाँ हूँ इश्क़ में जताऊँ कैसे
प्यार कितना है तुमसे बताऊँ कैसे
बहुत चाहत है दिल में तुम्हारे लिए
तुम ही कहो तुम्हें अपना बनाऊँ कैसे

• • •

कुछ तो है कहीं ये जो थोड़ा प्यार सा है
नशा है तेरा चाहत या इक़ खुमार सा है
मिला करती है मचलकर रोज़ ही तू मुझसे
रहता बेवक़्त फिर भी तेरा इंतज़ार सा है

• • •

तुम्हारी पसंद हमारी चाहत बन जाए
तुम्हारी मुसकराहट दिल कि राहत बन जाए
ख़ुदा ख़ुशियों से इतना ख़ुश कर दे आपको
कि आपको ख़ुश देखना हमारी आदत बन जाए

• • •

एक अजनबी से मुझे इतना प्यार क्यों है
इंकार करने पर चाहत का इकरार क्यों है
उसे पाना नहीं मेरी तकदीर में शायद
फिर हर मोड़ पे उसी का इंतज़ार क्यों है

• • •

कुछ उलझे सवालों से डरता है दिल
जाने क्यों तन्हाई में बिखरता है दिल
किसी को पाने कि अब कोई चाहत न रही
बस कुछ अपनों को खोने से डरता है ये दिल

• • •

रख भी सकता था नुमाइश में सजाकर मुझको
दर्द की तरह रखा जिसने छुपाकर मुझको
मेरी चाहत थी पसीने की कमाई जैसी
मुफ़लिसी में भी रखा उसने बचाकर मुझको

• • •

तेरे ख़त की इबारत की मैं स्याही बन गया होता
तो चाहत की डगर का मैं भी राही बन गया होता

• • •

बिन बात के ही रूठने की आदत है
किसी अपने का साथ पाने की चाहत है
आप खुश रहें मेरा क्या है
मैं तो आईना हूँ मुझे तो टूटने की आदत है

• • •

उनकी चाहत में हम कुछ यों बँधे है
वो साथ भी नहीं और हम अकेले भी नहीं

• • •

कैसी गहराई है तेरी चाहत में मेरी मोहब्बत में
न डूबा हूँ अब तक न सतह की कोई उम्मीद नज़र आती है

• • •

मज़ा आ जाए गर हो जाए इतना अबकी बारिश में
हमारी चाहत के आँसू तुम्हारी छत पे जा बरसें

• • •

ढूँढ़ने चला था एक शख्स की चाहत
खुद को भी खो दिया उसकी मोहब्बत में

• • •

हमारे बाद नहीं आएगा तुम्हें चाहत का ऐसा मज़ा फ़राज़
तुम लोगों से कहते फ़िरोगे मुझे चाहो उसकी तरह

• • •

तेरी चाहत में हम ज़माना भूल गए
किसी और को हम अपना भूल गए
तुम से मोहब्बत है सारे ज़हान को बताया
बस एक तूझे ही बताना भूल गए

• • •

चिरागों से अगर अँधेरा दूर होता
तो चाँदनी की चाहत क्यों होती
कट सकती अगर ये ज़िंदगी अकेले
तो साथी की ज़रूरत ही क्यों होती

• • •

वादे वफ़ा के और चाहत जिस्म की
अगर ये मोहब्बत है तो फिर हवस किसे कहते हैं

• • •

हर कोई पाने की ज़िद में हैं
शायद मुझे कोई आजमाने की ज़िद में है
जिसकी चाहत है मुझे बेइंतेहा
वो मुझे भूल जाने की ज़िद में है

• • •

किसी की चाहत में इतने पागल न हो

हो सकता है वो तुम्हारी मंजिल न हो
उसकी मुसकराहट को मोहब्बत न समझो
कहीं ये मुसकराना उसकी आदत न हो

● ● ●

सिलसिला ये चाहत का दोनों तरफ से था
वो मेरी जान चाहती थी और मैं जान से ज्यादा उसे

● ● ●

तेरी चाहत के सिवा अब न कोई आरजू रही तू रहा
तेरी ख्वाहिश रही और बस तेरी आशिकी रही

● ● ●

कई बार ये सोच के दिल मेरा रो देता है
कि तुझे पाने की चाहत में मैंने खुद को भी खो दिया

● ● ●

वो छा गए हैं कोहरे की तरह मेरे चारों तरफ
न कोई दूसरा दिखता है न देखने की चाहत है

● ● ●

चाहत के ये कैसे अफ़साने हुए
खुद नज़रों में अपनी बेगाने हुए
अब दुनिया की नहीं कोई परवाह हमें
इश्क़ में तेरे इस कदर दीवाने हुए

● ● ●

तेरी चाहत तो मुक़द्दर है मिले न मिले
राहत ज़रूर मिल जाती है तुझे अपना सोचकर

● ● ●

अगर दुनिया में जीने की चाहत न होती
तो खुदा ने मोहब्बत बनाई न होती
लोग मरने की आरजू न करते
अगर मोहब्बत में बेवफ़ाई न होती

● ● ●

मैं कुछ लिखूँ और तेरा ज़िक्र न हो
वो तो मेरी चाहत की तौहीन होगी

● ● ●

अनजाने में तुझसे मुलाकात सी हो गई
दोस्ती करने चले थे और तुझसे चाहत सी हो गई
अपने वजूद में तुझे तलाश करते हैं
हमें तुमसे मोहब्बत सी हो गई

● ● ●

अगर तुम समझ पाते मेरी चाहत की इंतहा
तो हम तुमसे नहीं तुम हमसे मोहब्बत करते

● ● ●

तेरे ग़म को अपनी रूह में उतार लूँ
ज़िंदगी तेरी चाहत में सवार लूँ
मुलाकात हो तुझसे कुछ इस तरह

तमाम उमर बस इक मुलाकात में गुज़ार लूँ

● ● ●

अल्फ़ाज़ों के समंदर में आप ऐसे डूबे
फिर निकलने की चाहत न रही
आप याद करने लगे फुरसत के लमहों को
जैसे ख्वाहिशों की चाहत न रही

● ● ●

उतर के देख मेरी चाहत की गहराई में
सोचना मेरे बारे में रात की तन्हाई में
अगर हो जाए मेरी चाहत का एहसास तो
मिलेगा मेरा अक्स तुम्हें अपनी ही परछाई में

● ● ●

बहुत गुमनाम से है चाहत के रास्ते
तू भी लापता मैं भी लापता

● ● ●

सीख जाओ वक़्त पर किसी की चाहत की कदर करना
कहीं कोई थक न जाए तुम्हें एहसास दिलातें दिलाते

● ● ●

मेरे दिल में तेरी चाहत बस जाए बन के धड़कन
पल भर न भूल पाऊ ऐसी तड़प जगा दे

● ● ●

प्यार है मुझसे तो सारी खुशियाँ समेट लो मेरी
गमों का क्या है ये चाहत से खुशियों में बदल जाएँगे

● ● ●

इनसान की चाहत कि उड़ने को पर मिले
और परिंदे सोचते हैं कि रहने को घर मिले

● ● ●

रिहा कर ख़ूबसूरत दिखने की चाहत से मुझे
ऐ आईने तू मेरी सादगी को ज़मानत दे दे

● ● ●

तुमसे इश्क़ की चाहत में सबकुछ सहे जा रहे हैं
मोहब्बत के अल्फ़ाज़ समंदर में बहे जा रहे हैं

● ● ●

मेरी चाहत का एहसास भी न होगा उसे
उसकी हर अदा पसंद आई बेवफ़ाई के सिवा

● ● ●

हमने तो एक ही शख्स पर चाहत ख़त्म कर दी
अब मोहब्बत किसको कहते हैं मालूम नहीं

● ● ●

तुम खुद उलझ जाओगे मुझे ग़म देने की चाहत में
मुझमें हौसला बहुत है मुसकराकर निकल जाऊँगा

● ● ●

चाँद

बज़म ऐ खयाल में तेरे हुस्न की शमा जल गई
दर्द का चाँद बुझ गया हिज़्र की रात ढल गई

• • •

ओ मेरी बाँहों में शरमाते लजाते ऐसे तुम आए
कि जैसे बादलों में चाँद धीरे-धीरे आ जाए

• • •

तुम आ गए हो तो फिर चाँदनी सी बातें हों
जमीं पे चाँद कहाँ रोज़-रोज़ उतरता है

• • •

चाँद मत माँग मेरे चाँद जमीं पर रहकर
खुद को पहचान मेरी जान खुदी में रहकर

• • •

हर रास्ता एक सफ़र चाहता है
हर मुसाफ़िर एक हमसफ़र चाहता है
जैसे चाहती है चाँदनी चाँद को
कोई है जो तुमको इस क्रूर चाहता है

• • •

बुझ गए गम की हवा से प्यार के जलते चराग
बेवफ़ाई चाँद ने की पड़ गया इसमें भी दाग

• • •

आँसुओं से धुली खुशी की तरह
रिश्ते होते हैं शायरी की तरह
जब कभी बादलों में घिरता है
चाँद लगता है आदमी की तरह

• • •

चाँद भी झाँकता हैं पर्दों से
मेरी तन्हाई का चर्चा अब आसमानों में हैं

• • •

आप कुछ यों मेरे आईना-ए-दिल में आए
जिस तरह चाँद उतर आया हो पैमाने में

• • •

ज़ख़्म दिल के गहरे हैं
आज वो मिले मुझको दर्द जिसको रास है
ऐसा लगता है जैसे चाँद फिर उदास है

• • •

चाँद खिड़की से झाँकेगा आदतन
चाँदनी फिरसे दिल जलाएगी
रात तनहा सहर तक जाएगी

• • •

सारी रात गुज़ारी हमने इसी इंतज़ार में की

अब तो चाँद निकलेगा आधी रात में

● ● ●

न चाँद निकला न तुमने दस्तक दी
कितनी बोझिल है आज की ये शाम

● ● ●

तनख्वाह वाले रोज़ की रौनक
ताँबई सिक्के जैसा चाँद
दिन भर के भूखे-प्यासे को
रोटी जैसा दिखता चाँद

● ● ●

हासिले जिंदगी है एक वो रात
चाँद बाँहों में जब पिघल जाए
उनकी महफ़िल से हम उठे तो ज़रूर
उठ के महफ़िल से आ नहीं पाए कैफ़ी आजमी

● ● ●

सितारों जैसी ये आँखें ये चाँद सा चेहरा
तुम्हारा सिलसिला कुछ आसमाँ से मिलता है

● ● ●

जो जागते हैं रातभर तुम उनका सवेरा क्या जानो
तुम चाँद हो पूनम का क्या होता है अँधेरा क्या जानो

● ● ●

हमारे हाथों में इक शक्ल चाँद जैसी थी
तुम्हें ये कैसे बताएँ वो रात कैसी थी

● ● ●

वो दूर-दूर सही हमें है उसकी जुस्तजू
चाँद का अपना गुरूर और हमारी अपनी ज़िद

● ● ●

न चाँद चाहिए न फलक चाहिए
मुझे बस तेरी की एक झलक चाहिए

● ● ●

आज भीगी हैं पलकें तुम्हारी याद में
आकाश भी सिमट गया अपने आप में
ओस की बूँद ऐसे गिरी ज़मीन पर
मानो चाँद भी रोया हो तेरी की याद में

● ● ●

है चाँद सितारों में चमक तेरे प्यार की
हर फूल से आती है महक तेरे प्यार की

● ● ●

एक अदा आपकी दिल चुराने की
एक अदा आपकी दिल में बस जाने की
चेहरा आपका चाँद और ज़िद हमारी चाँद को पाने की

● ● ●

तसवीर बनाकर तेरी आस्मां पे टाँग आया हूँ

और लोग पूछते हैं आज चाँद इतना बेदाग कैसे हैं

● ● ●

न जाने किस रैन बसेरों की तलाश है इस चाँद को
रात भर बिना कंबल भटकता रहता है इन सर्द रातों में

● ● ●

हमने क्रसम खाई है चाँद को चाँद रहने देंगे
चाँद में अब तुमको न ढूँढ़ा करेंगे

● ● ●

ख्वाबों की बातें वो जाने जिनका नींद से रिश्ता हो
मैं तो रात गुज़ारती हूँ चाँद को देखने में

● ● ●

चाँद तारों में नज़र आए चेहरा आपका
जब से मेरे दिल पे हुआ है पहरा आपका

● ● ●

ये दिन हैं जब चाँद को देखे मुद्दत बीती जाती है
वो दिन थे जब चाँद हमारी छत पे आया करता था

● ● ●

रात में एक टूटता तारा देखा बिल्कुल मेरे जैसा था
चाँद को कोई फर्क नहीं पड़ा बिल्कुल तेरे जैसा था

● ● ●

एक खोया खोया चाँद हे जो हे ख़फ़ा ख़फ़ा
एक टूटा टूटा ख्वाब है जो है तुझसे है जुड़ा
एक आधी आधी आस है जो अधूरी रह गई

● ● ●

पत्थर की दुनिया जज़्बात नहीं समझती
दिल में क्या है वो बात नहीं समझती
तन्हा तो चाँद भी सितारों के बीच में है
पर चाँद का दर्द वो रात नहीं समझती

● ● ●

वैसे तो कई दोस्त है हमारे
जैसे आसमान में है कई तारे
पर आप दोस्ती के आसमान के वो चाँद है
जिसके सामने फीके पड़ते हैं सारे सितारे

● ● ●

वो थका हुआ मेरी बाँहों में ज़रा सो गया था तो क्या हुआ
अभी मैंने देखा है चाँद भी किसी शाख-ए-गुल पे झुका हुआ

● ● ●

तुम सुबह का चाँद बन जाओ मैं साँझ का सूरज हो जाऊँ
मिलें हम तुम यों भी कभी तुम मैं हो जाओ मैं तुम हो जाऊँ

● ● ●

नज़र में आपकी नज़ारे रहेंगे पलकों पर चाँद सितारे रहेंगे
बदल जाए तो बदले ये ज़माना हम तो हमेशा आपके दीवाने रहेंगे

● ● ●

चाँद तो अपनी चाँदनी को ही निहारता है
उसे कहाँ खबर कोई चकोर प्यासा रह जाता है

• • •

इतने घने बादल के पीछे
कितना तन्हा होगा चाँद

• • •

तू चाँद और मैं सितारा होता
आसमान में एक आशियाना हमारा होता
लोग तुम्हें दूर से देखते
नजदीक से देखने का हक़ बस हमारा होता

• • •

जब कभी बादलों में घिरता है
चाँद लगता है आदमी की तरह

• • •

रात भर तेरी तारीफ़ करता रहा चाँद से
चाँद इतना जला कि सूरज हो गया
चाँद के साथ कई दर्द पुराने निकले
कितने ग़म थे जो तेरे ग़म के बहाने निकले

• • •

कहकशां चाँद सितारें तेरे चूमेंगे कदम
तेरे रस्ते की मैं एक धूल हूँ उड़ जाऊँगा

• • •

बेसबब मुसकरा रहा है चाँद
कोई साजिश छुपा रहा है चाँद

• • •

चलो चाँद का किरदार अपना लें हम दोस्तों
दाग़ अपने पास रखें और रोशनी बाँट दें

• • •

दिन में चैन नहीं न होश है रात में
खो गया है चाँद भी देखो बादल के आगोश में

• • •

ये दिल न जाने क्या कर बैठा
मुझसे बिना पूछे ही फैसला कर बैठा
इस ज़मीन पर टूटा सितारा भी नहीं गिरता
और ये पागल चाँद से मोहब्बत कर बैठा

• • •

जिन आँखों में काजल बनकर तेरी काली रात
उन आँखों में आँसू का इक कतरा होगा चाँद

• • •

नज़र में आपकी नज़ारे रहेंगे
पलकों पर चाँद सितारे रहेंगे
बदल जाए तो बदले ये ज़माना
हम तो हमेशा आपके दीवाने रहेंगे

• • •

चाँद होता न आसमानों पे अगर
हम किसे आप सा हसीं कहते

• • •

रातों में टूटी छतों से टपकता है चाँद
बारिशों सी हरकतें भी करता है चाँद

• • •

चाँद आहें भरेगा फूल दिल थाम लेंगे
हुस्न की बात चली तो सब तेरा नाम लेंगे

• • •

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

यदि आप दुर्लभ , प्रेरणादायक पुस्तकों, धार्मिक ग्रंथों

और अनुवादित साहित्य की खोज में हैं,

तो हमारे विशेष ➡️ टेलीग्राम चैनल से जुड़ें

और अनमोल साहित्य का आनंद लें।

📖 हमारे चैनल में आपको मिलेगा:

📚 अद्वितीय और दुर्लभ उपन्यास (Novels)

💡 प्रेरणादायक पुस्तकें (Motivational Books)

ॐ धार्मिक ग्रंथ और किताबें

🌐 विभिन्न भाषाओं में अनुवादित साहित्य

📰 बेहतरीन पत्रिकाएं (Magazines)

📁 और अन्य दुर्लभ साहित्यिक खज़ाने

🔔 कृपया "Join Now" बटन या लिंक पर Click करें!

HINDI BOOKS CHANNEL

Join Now ▶️ (धार्मिक, आजादी, इतिहास...से संबंधित)

https://t.me/Hindi_Books_Library

साहित्य प्रेमियों के लिए खास पेशकश!

(नई, पुरानी किताबों के लिए)

[Join Now](#) 

https://t.me/Book_Hindi

ENGLISH BOOKS CHANNEL

[Join Now](#) 

https://t.me/Google_Ebooks

[Join Now](#) 

https://t.me/English_Library_Books

(ALL CHANNEL LINKS)

[Join Now](#) 

<https://t.me/Hindilibrary>